Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

E-Mail : mantrabharatmumbai@gmail.com, Mo. 7007837917

संस्करण : मुंबई
वर्ष : 10
अंक : 238
पृष्ठ : 8
मूल्य : 2.00
गुरूवार, 04 सितम्बर, 2025

मंत्र भारत

हिन्दी दैनिक

मुंबई, लखनऊ, प्रयागराज एवं ग्वालियर से एक साथ प्रकाशित एवं ठाणे, नवी मुम्बई, पालघर, नासिक एवं पुणे से प्रसारित

3 छगन भुजबल, पंकजा मुंडे...ओबीसी कल्याण..

4 किसी के जाने के बाद भी बची रह सकती है ...

7 धोनी की तरह 'कैप्टन कूल' बनना चाहती ...

संक्षिप्त न्यूज

200 करोड़ घोटालेः लीना पॉलोज को सुप्रीम कोर्ट से झटका, जमानत पर सुनवाई टली

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को कथित ठग सुकेश चंद्रशेखर की पत्नी लीना पॉलोज़ द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई स्थगित कर दी। लीना पॉलोज़ ने 200 करोड़ रुपये की जबरन वसूली के एक मामले में दिल्ली उच्च न्यायालय में अपनी ज़मानत याचिका पर शीघ्र सुनवाई की मांग की थी। न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार मिश्रा की पीठ ने यह भी कहा कि मामलों की शीघ्र सुनवाई के लिए सर्वोच्च न्यायालय का रुख करना स्वीकार्य नहीं है। पीठ ने कहा कि यह स्वीकार्य नहीं है। सिर्फ़ सर्वोच्च न्यायालय के निकट होने के कारण, हर कोई यहाँ आता है और फिर स्थगन की मांग करता है।

पॉलोज़ की ओर से पेश हुए वकील ने पीठ को बताया कि उच्च न्यायालय में हर दिन सूचीबद्ध होने के बावजूद, मामले की सुनवाई नहीं हो रही है। अभियोजन पक्ष के अनुसार, चंद्रशेखर और उनकी पत्नी पॉलोज़, धोखाधड़ी और जबरन वसूली के ज़रिए आर्थिक लाभ कमाने के इरादे से 2013 से अपने सहयोगियों के साथ एक संगठित अपराध गिरोह चलाने में कथित रूप से शामिल थे। दिल्ली पुलिस ने धोखाधड़ी के मामले में कथित भूमिका के लिए सितंबर 2021 में चंद्रशेखर और उनकी पत्नी दोनों को गिरफ्तार किया था। वे फिलहाल न्यायिक हिरासत में हैं।

दिल्ली पुलिस ने चंद्रशेखर पर रैनबैक्सी के पूर्व प्रमोटरों शिविंदर सिंह और मलविंदर सिंह की पत्नियों से 200 करोड़ रुपये की कथित धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया था। देश में उनके खिलाफ कई अलग-अलग जांच चल रही हैं। वे प्रवर्तन निदेशालय के एक मनी लॉन्ड्रिंग मामले में भी कार्यवाही का सामना कर रहे हैं।

सीएए पर सरकार ने लिया ये फैसला

पाकिस्तान-अफगानिस्तान-बांग्लादेश से आए अल्पसंख्यकों को मिलेगी बड़ी राहत

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने एक बड़ी नीतिगत घोषणा की है, जिससे हज़ारों उत्पीड़ित अल्पसंख्यकों को राहत मिली है। नए आदेश के अनुसार, 31 दिसंबर, 2024 को या उससे पहले भारत में प्रवेश करने वाले अफ़ग़ानिस्तान, बांग्लादेश और पाकिस्तान के हिंदुओं, सिखों, बौद्धों, जैनियों, पारसियों और ईसाइयों को यात्रा के लिए वैध पासपोर्ट या अन्य दस्तावेज़ रखने की शर्त से छूट दी जाएगी। आसान शब्दों में समझे तो अफगानिस्तान, बांग्लादेश और पाकिस्तान से धार्मिक उत्पीड़न से बचने के लिए 31 दिसंबर, 2024 तक भारत आए अल्पसंख्यक समुदायों - हिंदू, सिख, बौद्ध, जैन, पारसी और ईसाई - के सदस्यों को पासपोर्ट या अन्य यात्रा दस्तावेजों के बिना देश में रहने की अनुमति दी जाएगी।

पिछले साल लागू हुए नागरिकता (संशोधन) अधिनियम (सीएए) के अनुसार, 31 दिसंबर, 2014 को या उससे पहले भारत आए इन उत्पीड़ित

अल्पसंख्यकों के सदस्यों को भारतीय नागरिकता प्रदान की जाएगी। नए निर्देश ने, वास्तव में, नागरिकता (संशोधन) अधिनियम (सीएए) के तहत भारतीय नागरिकता के लिए पात्रता के दायरे का विस्तार कर दिया है। एक साल पहले पेश किए गए प्रारंभिक सीएए में, समय सीमा 31 दिसंबर, 2014 निर्धारित की गई थी। नई अधिसूचना कानून के दायरे को व्यापक बनाती है ताकि पिछले एक दशक में भारत आए कई लोग नागरिकता प्राप्त कर सकें। यह निर्णय शरणार्थी समुदायों द्वारा वर्षों से किए जा रहे प्रयासों के बाद लिया गया है। यह उल्लेखनीय आदेश हाल ही में पारित हुए आव्रजन एवं विदेशी अधिनियम, 2025 के अंतर्गत दिया गया है। 1 सितंबर से प्रभावी यह अधिनियम, पहले के चार अधिनियमों को एकीकृत और उनका स्थान लेता है। हालाँकि यह नया अधिनियम विदेशियों से संबंधित कानूनों को समग्र रूप से मज़बूत बनाता है, लेकिन इस विशेष आदेश में एक मानवीय अपवाद भी शामिल है, जिसके तहत धार्मिक उत्पीड़न से बचकर आए और संभवतः बिना दस्तावेज़ों के भारत में प्रवेश करने वालों को कानूनी सुरक्षा प्रदान की जा सकती है। इस कदम से उन निवासियों को बड़ी राहत मिलने की संभावना है जो बिना किसी विशिष्ट कानूनी स्थिति के भारत में रह रहे थे।

यूरोपीय संघ-भारत मुक्त व्यापार समझौते के जल्द ही संपन्न हो जाने की उम्मीदः जयशंकर

नई दिल्ली। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बुधवार को कहा कि भारत चाहता है कि यूरोपीय संघ के साथ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के लिए उसकी बातचीत जल्द ही किसी निर्णायक नतीजे पर पहुंचे।

जयशंकर ने जर्मनी के अपने समकक्ष जोहान वेडफुल के साथ व्यापक वार्ता के बाद एक संयुक्त प्रेस वार्ता में यह टिप्पणी की। विदेश मंत्री ने कहा कि वार्ता में अर्थव्यवस्था, जलवायु परिवर्तन, रक्षा, और प्रौद्योगिकी के क्षेत्रों में द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित किया गया।

उन्होंने कहा, "हम भारत के साथ व्यापार को दोगुना करने संबंधी जर्मनी के लक्ष्य की सराहना करते हैं।" विदेश मंत्री ने निर्यात नियंत्रण के मुद्दों को सुलझाने के लिए भी जर्मनी की प्रशंसा की। जयशंकर ने सेमीकंडक्टर क्षेत्र में भारत के साथ सहयोग के लिए जर्मनी की दिलचस्पी का भी स्वागत किया।

विदेश मंत्री ने कहा कि वेडफुल ने उन्हें बताया कि जर्मनी भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते के समर्थन में अपना पूरा जोर लगायेगा। जयशंकर ने कहा कि भारत और जर्मनी हरित हाइड्रोजन क्षेत्र में भी सहयोग की संभावनाएं तलाश रहे हैं। उन्होंने कहा कि जर्मनी के साथ भारत के संबंध बहुत महत्वपूर्ण हैं और ये उल्लेखनीय रूप से आगे बढ़ रहे हैं।

दिल्ली उच्च न्यायालय ने अमित शाह का भतीजा बताकर व्यापारी को ठगने वाले आरोपी को जमानत नहीं दी

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का भतीजा होने का दावा कर एक व्यापारी से 3.9 करोड़ रुपये ऐंठने के आरोपी व्यक्ति की जमानत याचिका खारिज कर दी है।

न्यायमूर्ति गिरीश कठपालिया ने आरोपी अजय कुमार नैय्यर के खिलाफ आरोपों की गंभीर प्रकृति को देखते हुए उसकी जमानत याचिका खारिज कर दी। आरोपी ने शिकायतकर्ता को कथित तौर पर राष्ट्रपति भवन के जीर्णोद्धार हेतु चमड़े की आपूर्ति के लिए केंद्र सरकार से 90 करोड़ रुपये का ठेका दिलाने का आश्वासन दिया था।

अभियोजन पक्ष के अनुसार, शिकायतकर्ता का आरोपी से परिचय जालंधर जिमखाना क्लब में एक पारिवारिक मित्र के माध्यम से हुआ था। वहां नैय्यर ने खुद को केंद्रीय गृह मंत्री का भतीजा अजय शाह बताया था और शिकायतकर्ता को सरकारी ठेका दिलाने का आश्वासन दिया था।

अभियोजन पक्ष का कहना है कि शिकायतकर्ता को बाद में उसकी कंपनी के पक्ष में 90 करोड़ रुपये का 'डिमांड ड्राफ्ट' दिखाया गया और उसे 'प्रोसेसिंग फीस' (प्रक्रिया शुल्क) के रूप में 2.5 करोड़ रुपये का भुगतान करने के लिए कहा गया।

83,000 पद खाली, फिर भी बीएसएफ जवानों से निजी काम! हाई कोर्ट ने गृह मंत्रालय को जारी किया नोटिस

नई दिल्ली। दिल्ली हाई कोर्ट ने बुधवार को केंद्रीय गृह मंत्रालय (एमएचए) और सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) को एक जनहित याचिका पर नोटिस जारी किया। यह जनहित याचिका उच्च पदस्थ पुलिस और सीएपीएफ अधिकारियों के निजी आवासों में घरेलू नौकरानी के रूप में बीएसएफ और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) के कर्मियों के दुरुपयोग से संबंधित है। मुख्य न्यायाधीश देवेंद्र कुमार उपाध्याय की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने जवाब मांगा और मामले को अगले साल जनवरी के लिए सूचीबद्ध कर दिया। यह जनहित याचिका (पीआईएल) बीएसएफ के सेवारत डीआईजी संजय यादव द्वारा दायर की गई है।

प्रतिवादियों ने याचिकाकर्ता के अधिकार

क्षेत्र पर सवाल उठाया। उनके वकील ने कहा कि बीएसएफ कर्मियों के दुरुपयोग के लिए उन पर भी मुकदमा चलाया गया था और उन्हें दंडित भी किया गया था। यह उन्हें इस मुद्दे को उठाने से नहीं रोकता है। अदालत ने कहा कि याचिकाकर्ता द्वारा उठाया गया मुद्दा मौजूद है। यह याचिका अधिवक्ता डॉ. सुरेंद्र सिंह हुड्डा के माध्यम से दायर की गई है। याचिका में कहा गया है कि जनशक्ति का इतना बड़ा दुरुपयोग, खासकर ऐसे समय में जब केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों और असम राइफल्स में 83,000 से ज़्यादा पद रिक्त हैं, राष्ट्रीय सुरक्षा और कानून-व्यवस्था के लिए गंभीर खतरा पैदा करता है, और सरकारी खजाने पर भी बेवजह दबाव डालता है। याचिकाकर्ता ने इस बात पर ज़ोर दिया है कि यह एक प्रचलित प्रथा है जिसमें सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के विभिन्न जवानों को सीमा पर आधिकारिक कर्तव्यों या कानून-व्यवस्था से हटाकर उच्च पदस्थ अधिकारियों के निजी घरों में घरेलू कामों के लिए तैनात किया जाता है। याचिका में कहा गया है हमारे देश के जवानों को विशेष रूप से एक उच्च पदस्थ अधिकारी के कुत्ते की देखभाल के लिए भी तैनात किया जाता है। याचिकाकर्ता, बीएसएफ में सेवारत उप महानिरीक्षक होने के नाते, इस प्रथा से अच्छी तरह वाकिफ़ हैं।

मुख्यमंत्री ने गयाजी में पितृपक्ष मेला महासंगम-2025 की तैयारियों की समीक्षा की, अधिकारियों को दिये आवश्यक निर्देश

गया। मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने गयाजी के विष्णुपद मंदिर में पूजा-अर्चना कर राज्य की सुख, शांति एवं समृद्धि की कामना की। इसके पश्चात् मुख्यमंत्री ने फल्गू नदी के किनारे पितृपक्ष मेला महासंगम-2025 की तैयारियों को लेकर घाटों का निरीक्षण किया और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिया। इसके पश्चात् मुख्यमंत्री गयाजी समाहरणालय पहुंचे और समाहरणालय सभागार में पितृपक्ष मेला महासंगम-2025 की तैयारियों से संबंधित समीक्षा बैठक की।

समीक्षा बैठक में जिलाधिकारी श्री शशांक शुभंकर ने प्रस्तुतीकरण के माध्यम से पितृपक्ष मेला महासंगम-2025 की तैयारियों को लेकर विस्तृत जानकारी दी। इस दौरान पितृपक्ष मेला पर आधारित एक लघु फिल्म प्रस्तुत की गई। जिलाधिकारी ने बताया कि इस वर्ष पितृपक्ष मेला महासंगम का आयोजन 06 सितंबर, 2025 से 21 सितंबर, 2025 तक निर्धारित है। सभी महत्वपूर्ण वेदियों एवं घाटों पर श्रद्धालुओं के लिए अच्छी और सभी प्रकार की व्यवस्था की गयी है। कार्य समितियों का गठन कर पदाधिकारियों को बेहतर व्यवस्था के संचालन की जिम्मेवारी दी गयी है। जिलाधिकारी ने पितृपक्ष मेला के दौरान आवासन, साफ-सफाई, जलापूर्ति, स्वच्छता, स्वास्थ्य, विद्युत व्यवस्था, वृद्ध एवं दिव्यांगजन के लिए आवागमन की व्यवस्था, यातायात सुविधा एवं विधि-

व्यवस्था को लेकर की जा रही तैयारियों के संबंध में भी जानकारी दी।

समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि पितृपक्ष मेला में देश के कोने-कोने एवं विदेशों से तीर्थयात्री बड़ी संख्या में श्रद्धाभाव से अपने पूर्वजों का पिंडदान और तर्पण करने गयाजी की मोक्षभूमि आते हैं। पितृपक्ष मेले की महत्ता को देखते हुए श्रद्धालुओं की सुविधाओं को लेकर व्यापक एवं बेहतर तैयारी रखें। उन्होंने कहा कि हर वर्ष पितृपक्ष मेला की तैयारियों का जायजा लेने हम यहां आते हैं और यहां आनेवाले श्रद्धालुओं की हर प्रकार की सुविधाएं सुनिश्चित की जाती है।

समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि पितृपक्ष मेला में बड़ी संख्या में लोग श्रद्धा के साथ पहुंचते हैं। यहां साफ-सफाई एवं स्वच्छता का पूरा प्रबंध रखें। घाटों, तालाबों एवं रास्तों की नियमित रूप से सफाई होनी चाहिए। तालाबों की स्वच्छता का विशेष रुप से ख्याल रखें क्योंकि बड़ी संख्या में श्रद्धालु तालाबों में स्नान करते हैं इसलिए पानी की स्वच्छता के साथ-साथ उसकी निकासी भी आवश्यक है। फल्गू नदी में निरंतर जलस्तर संधारण हेतु गयाजी डैम का निर्माण कराया गया है ताकि पिंडदानियों को तर्पण करने में किसी प्रकार की असुविधा न हो। यहां के जल को भी स्वच्छ रखें। असामाजिक तत्वों पर विशेष निगाह रखें। श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा एवं सहूलियत का पुख्ता इंतजाम रखें।

घनेंद्र भारद्वाज बने राजस्थान के सहप्रभारी, पार्टी को मजबूत बनाने की जिम्मेदारी

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी ने राष्ट्रीय प्रवक्ता घनेंद्र भारद्वाज को राजस्थान में पार्टी का सह-प्रभारी नियुक्त किया है। वे राज्य में पार्टी के संगठन को मजबूत करने का काम करेंगे। उनकी नियुक्ति से राजस्थान में आगामी निकाय एवं पंचायत चुनावों में पार्टी को मजबूती मिलेगी। पार्टी लंबे समय से राजस्थान में अपनी पैठ बनाने के लिए संघर्ष कर रही है।

जनता की उम्मीदों पर खरा उतरने का प्रयास

घनेंद्र भारद्वाज ने कहा कि पार्टी ने उन्हें जो जिम्मेदारी सौंपी है, वे उसे पूरा करने का प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि राजस्थान की जनता अब बदलाव चाहती है। भाजपा और कांग्रेस की राजनैतिक जुगलबंदी जनता को एक विकल्प देने में असफल रहे हैं। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी जनता की उम्मीदों पर खरा उतरने का काम करेगी। वे अगले दो-तीन दिन में जयपुर पहुंचकर संगठनात्मक जिम्मेदारियों पर कार्य शुरू करेंगे।

सीएए के तहत अब तक केवल तीन को मिली नागरिकता; सीएम सरमा ने दी जानकारी

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने बुधवार को खुलासा किया कि नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए), 2019 के तहत अब तक राज्य में सिर्फ तीन विदेशियों को ही भारतीय नागरिकता दी गई है। यह बयान उस पृष्ठभूमि में आया है जब लंबे समय से यह अटकलें और आशंकाएं लगाई जा रही थीं कि लाखों विदेशी असम में सीएए के जरिए नागरिकता हासिल करेंगे।

सरमा ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए बताया कि अब तक केवल तीन लोगों को असम में सीएए के तहत नागरिकता मिली है। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार को कुल 12 आवेदन प्राप्त हुए थे, जिनमें से तीन को मंजूरी मिल चुकी है, जबकि नौ अभी विचाराधीन हैं।

सीएम ने कहा, बहुत शोर मचाया गया कि 20-25 लाख लोग असम में नागरिकता पाएंगे। अब आप ही तय करें कि जब केवल 12 आवेदन आए हैं तो इस पर चर्चा करना कितना प्रासंगिक है। असम में सीएए के पहले लाभार्थी बने 50 वर्षीय दुलोन दास, जिन्हें अगस्त 2024 में भारतीय नागरिकता मिली। वे राज्य में इस कानून के तहत नागरिकता पाने वाले पहले व्यक्ति बने।

क्या है सीएए

नागरिकता संशोधन अधिनियम का उद्देश्य हिंदू, सिख, जैन, ईसाई, बौद्ध और पारसी समुदाय के उन शरणार्थियों को नागरिकता देना है, जो धार्मिक उत्पीड़न के कारण बांग्लादेश, पाकिस्तान और अफगानिस्तान से भारत आए हों और 31 दिसंबर 2014 से पहले यहां प्रवेश कर चुके हों। साथ ही, उन्हें भारत में कम से कम पाँच वर्ष का निवास पूरा करना अनिवार्य है।

लागू होने की प्रक्रिया

सीएए दिसंबर 2019 में संसद से पारित हुआ था, लेकिन इसे 11 मार्च 2024 को लागू किया गया, जब इसके नियम अधिसूचित किए गए। केंद्र ने राज्यों को यह भी निर्देश दिया है कि गैर-मुस्लिम अवैध प्रवासियों के मामलों को फिलहाल विदेशियों के न्यायाधिकरण (एफटीएस) को न भेजा जाए, जब तक कि उनके नागरिकता आवेदन पर फैसला नहीं हो जाता।

अब तक असम में केवल तीन को मंजूरी मिलने के बाद यह साफ हो गया है कि राज्य में सीएए का प्रभाव शुरुआती अटकलों की तुलना में कहीं अधिक सीमित रहा है। हालांकि, यह मुद्दा अब भी गहन राजनीतिक बहस को जन्म दे रहा है।

उत्तराखंड में कानून व्यवस्था पर धामी का बड़ा फैसलाः उपद्रवियों पर होगी सख्त कार्रवाई

देहरादून। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बुधवार को सचिवालय में एक उच्चस्तरीय बैठक की और राज्य की कानून-व्यवस्था, सड़कों की स्थिति, सेवा पखवाड़ा और अन्य जनहित से जुड़े मुद्दों की समीक्षा की। बैठक में अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए उन्होंने कहा कि जनता के लिए सुचारू, सुरक्षित और पारदर्शी व्यवस्था सुनिश्चित करना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट निर्देश दिए कि राज्य में कानून-व्यवस्था से खिलवाड़ करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाए।

पुष्कर सिंह धामी ने कहा सभी संवेदनशील स्थानों पर सीसीटीवी कैमरों से नियमित निगरानी सुनिश्चित की जाए। राज्य की सीमाओं पर सघन चेकिंग अभियान चलाया जाए। पुलिस द्वारा रात्रि गश्त को और प्रभावी बनाया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि मानसून के बाद सड़कों को गड्ढामुक्त करने के लिए विशेष अभियान चलाया जाए। बरसात के बाद सड़कों के सुधार और गड्ढामुक्ति के लिए टेंडर प्रक्रिया अभी पूरी कर ली जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन 17 सितंबर से गांधी जयंती 2 अक्टूबर तक पूरे प्रदेश में सेवा पखवाड़ा मनाया जाएगा।

इस अवसर पर सभी जिलों में सेवा, जनजागरूकता एवं जनहित से जुड़े कार्यक्रम आयोजित किए जाएँगे। उन्होंने अधिकारियों को प्रत्येक जिले के लिए एक विस्तृत कार्ययोजना तैयार करने और उसे समयबद्ध तरीके से क्रियान्वित करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि वे स्वयं सड़क मार्ग से विभिन्न जिलों का दौरा करेंगे और व्यवस्थाओं का प्रत्यक्ष जायजा लेंगे। मुख्यमंत्री ने नमक में रेत मिलाए जाने की शिकायत को गंभीरता से लिया और तत्काल नमूने लेकर जाँच के निर्देश दिए।

कड़ी सुरक्षा के बीच दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने जनता की सुनवाई फिर शुरू की

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बुधवार को सिविल लाइंस स्थित अपने कैंप कार्यालय में कड़ी सुरक्षा के बीच पहली जन सुनवाई की। कुछ हफ़्ते पहले आवारा कुत्तों पर सुप्रीम कोर्ट के आदेश को लेकर आयोजित कार्यक्रम के दौरान एक व्यक्ति ने उन पर हमला किया था। जनसुनवाई कार्यक्रम के दौरान एक व्यक्ति द्वारा उन पर किए गए हमले के एक पखवाड़े बाद मुख्यमंत्री यह जनसुनवाई कर रही हैं। सुबह आठ बजे शुरू हुए इस कार्यक्रम के दौरान दिल्ली के विभिन्न हिस्सों से आए लोगों ने अपनी शिकायतें दर्ज कराईं और मुख्यमंत्री से मदद मांगी। गुप्ता एक कुर्सी पर बैठी थीं, जबकि लोग एक-एक करके उनके सामने आकर अपने आवेदन जमा कर रहे थे और इस उद्देश्य के लिए लगाए गए माइक्रोफोन के माध्यम से उनसे बातचीत कर रहे थे। मुख्यमंत्री के जनसुनवाई करने के

दौरान महिला सुरक्षाकर्मियों सहित पुलिसकर्मियों ने उनके चारों ओर घेरा बनाया था। किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए उचित सुरक्षा व्यवस्था की गई थी, जिसमें मेटल डिटेक्टर से प्रतिभागियों की तलाशी लेना और सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से कार्यवाही की निगरानी करना शामिल था।

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता पर पिछले हफ़्ते एक जनसभा के दौरान हमला हुआ था, जिससे उनकी सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठे थे। अधिकारियों के अनुसार, यह घटना उस समय हुई जब वह अपने आउटरीच कार्यक्रम के तहत नागरिकों से मिल रही थीं और एक व्यक्ति भीड़ में सेंध लगाकर उन्हें निशाना बनाने में कामयाब रहा। हालाँकि उन्हें मामूली चोटें आईं, लेकिन इस घटना के बाद मुख्यमंत्री के आसपास की ढीली सुरक्षा व्यवस्था की व्यापक आलोचना हुई।

इसके बाद, दिल्ली पुलिस ने उनकी सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की और सुरक्षा उपायों को बढ़ाने का फैसला किया। उनके आवास पर महिला अधिकारियों सहित अतिरिक्त पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया।

प्रियंका गांधी ने वायनाड में सरकारी मेडिकल कॉलेज को मंजूरी का स्वागत किया

वायनाड।कांग्रेस नेता एवं वायनाड से सांसद प्रियंका गांधी वाद्रा ने वायनाड में एक सरकारी मेडिकल कॉलेज की मंजूरी का बुधवार को स्वागत करते हुए कहा कि लंबे समय से संजोया गया यह सपना सच हो गया है।

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान आयोग (एनएमसी) ने मंगलवार को केरल के वायनाड और कासरगोड जिलों में दो नये सरकारी मेडिकल कॉलेज को मंजूरी दी। प्रियंका गांधी वाद्रा ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, "वायनाड के लाखों लोगों के अनुरोध, राहुल गांधी के निरंतर प्रयास और मामले में तेजी लाने के हमारे सभी प्रयासों का फल मिला है।"

उन्होंने कहा, "हमारी अपीलों को सुनने और वायनाड के नागरिकों के लिए मजबूत स्वास्थ्य सेवा की दिशा में एक स्वागत योग्य कदम उठाने के लिए सभी संबंधित पक्षों का हार्दिक धन्यवाद।" उन्होंने आशा व्यक्त की कि राज्य सरकार निर्माण कार्य में तेजी लाने तथा कॉलेज को यथाशीघ्र चालू करने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाएगी।

प्रियंका ने कहा, "आइए, हम सब मिलकर उन लोगों के विकास और प्रगति के साझा लक्ष्य की ओर काम करें जिन्हें इसकी सबसे ज्यादा जरूरत है। मेरे सभी भाइयों और बहनों को बधाई, जो इस पल का लंबे समय से इंतजार कर रहे थे।" वायनाड और कासरगोड, दोनों मेडिकल कॉलेज को चालू शैक्षणिक वर्ष से 50-50 एमबीबीएस छात्रों को प्रवेश देने की मंजूरी दी गई है।

महाराष्ट्र मंत्रिमंडल का बड़ा फैसलाः

पुणे-लोनावाला रेल लाइन के लिए रू2550 करोड़ की वित्तीय मंजूरी

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

महाराष्ट्र राज्य मंत्रिमंडल ने महत्वपूर्ण पुणे-लोनावाला उपनगरीय रेलवे तीसरी और चौथी लाइन परियोजना में राज्य सरकार की वित्तीय भागीदारी को मंजूरी दे दी है। उपमुख्यमंत्री और पुणे जिले के संरक्षक मंत्री, अजित पवार के प्रयासों से यह लंबे समय से लंबित मुद्दा आखिरकार सुलझ गया है। मुंबई रेलवे विकास निगम (एमआरवीसी) द्वारा प्रस्तुत इस परियोजना की कुल लागत लगभग 5,100 करोड़ रुपये है, जिसमें भूमि अधिग्रहण व्यय भी शामिल है। वित्तीय ज़िम्मेदारी केंद्र सरकार और राज्य सरकार के बीच 50:50 के अनुपात में समान रूप से साझा की जाएगी। महाराष्ट्र का हिस्सा 2,550 करोड़ रुपये है।

इस 2,550 करोड़ रुपये में से स्थानीय निकायों का योगदान इस प्रकार आवंटित किया गया हैः पुणे नगर निगम

(20झ) - 510 करोड़ रुपये, पिंपरी-चिंचवाड़ नगर निगम (20झ) - 510 करोड़ रुपये, और पीएमआरडीए (30झ) - 765 करोड़ रुपये। शेष राशि राज्य सरकार द्वारा प्रदान की जाएगी। इस निर्णय से पुणे-लोनावाला उपनगरीय रेल सेवाओं पर बढ़ते यात्री भार को काफी कम करने और उनकी समग्र क्षमता में वृद्धि होने की उम्मीद है। इसके अतिरिक्त, यह पुणे और मुंबई के दो प्रमुख महानगरों के बीच संपर्क को और अधिक निर्बाध और तेज़ बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

इस बीच, महाराष्ट्र मंत्रिमंडल ने मराठा आरक्षण के फैसले के बाद अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) समुदाय के मुद्दों के लिए छह सदस्यीय कैबिनेट उपसमिति बनाने का फैसला किया है, जिसमें प्रत्येक पार्टी से दो मंत्री होंगे। इस कदम का उद्देश्य ओबीसी समुदाय की चिंताओं का समाधान करना है, जो राहत प्रदान करने के सरकार के प्रयासों का संकेत है। मराठा आरक्षण कार्यकर्ता मनोज जरांगे सभी मराठों को कुनबी श्रेणी में शामिल करने पर जोर दे रहे हैं, जो ओबीसी श्रेणी के अंतर्गत वर्गीकृत एक उप-जाति है, जिससे समुदाय को सरकारी नौकरियों और शिक्षा में आरक्षण का लाभ उठाने में मदद मिलेगी।

मध्य रेल ने पिछले 10 वर्षों में अगस्त माह में 5.61 मिलियन टन का दूसरा सर्वाधिक माल लदान दर्ज किया

अगस्त-2024 की तुलना में अगस्त-2025 में माल लदान में 2% की वृद्धि दर्ज

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मध्य रेल ने पिछले 10 वर्षों (वित्त वर्ष 2015-16 से वित्त वर्ष 2025-26) के दौरान अगस्त माह में 5.61 मिलियन टन का दूसरा सर्वाधिक माल लदान दर्ज करके एक महत्वपूर्ण कीर्तिमान स्थापित किया है।

यह अगस्त 2024 की तुलना में माल लदान में 2झ की उल्लेखनीय वृद्धि दर्शाता है, तब यह आँकड़ा 5.49 मिलियन टन था।

अगस्त 2025 के लिए लदान का विवरण और पिछले वर्ष इसी माह के तुलनात्मक आँकड़े इस प्रकार हैंः-

लौह अयस्क और पैलेट की लदान में 200झ की उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है। अगस्त 2025 में लौह अयस्क और पैलेट की 57 रेक लदान की गई, जबकि अगस्त 2024 में यह संख्या 19 थी।

क्लिंकर की लदान में 158% की उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है। अगस्त 2024 में 19 रेक लदान की तुलना में अगस्त 2025 में 49 रेक लदान की गई।

पेट्रोलियम उत्पादों की 214 रेक लदान की गई, जबकि अगस्त 2024 में 187 रेक लदान की गई थी। इस प्रकार, लगभग 15% की वृद्धि दर्ज की गई।

इस माह डी-ऑइल केक की 12 रेक लदान की गई, जबकि पिछले वर्ष इसी महीने में 11 रेक लदान की गई थी। इस प्रकार, 9% की वृद्धि हुई।

इस माह प्याज के 4 रेक लोड किए गए हैं। पिछले वर्ष इसी महीने में कोई प्याज का रेक लोड नहीं किया गया था।

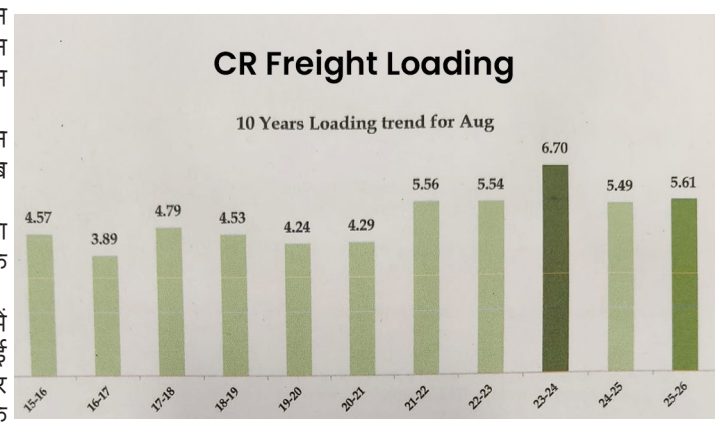

अगस्त 2024 में 783 रेक की तुलना में अगस्त 2025 में 804 रेक कंटेनर लोड किए गए, जो लगभग 3% की वृद्धि दर्शाता है।

जवाहरलाल नेहरू बंदरगाह से कंटेनरों की लोडिंग अगस्त 2024 में 592 की तुलना में अगस्त 2025 में 615 रही, जो लगभग 4% की वृद्धि दर्शाता है

मध्य रेल पर मालगाड़ियों की गति बढ़ा दी गई है जिससे परिवहन में तेजी आई है।

गणपति त्यौहार के लिए रेलवे चिपलून और पनवेल के बीच अनारक्षित विशेष ट्रेनों के अतिरिक्त सेवाएं चलाएगा

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

गणपति भक्तों की सुविधा के लिए रेलवे चिपलून और पनवेल के बीच अतिरिक्त अनारक्षित गणपति विशेष ट्रेन सेवा चलाएगा, जिनका विवरण नीचे दिया गया हैः

चिपलून-पनवेल अनारक्षित विशेष

01160 अनारक्षित विशेष ट्रेन दिनांक 04.09.2025 को चिपलून से 11.05 बजे प्रस्थान करेगी और उसी दिन 16.10 बजे पनवेल पहुँचेगी।

01159 अनारक्षित विशेष ट्रेन दिनांक 04.09.2025 को पनवेल से 16.40 बजे प्रस्थान करेगी और उसी दिन 21.55 बजे चिपलून पहुँचेगी।

ठहरावः सोमाटने, आप्टा, जीते, पेन, कासु, नागोथाने, रोहा, कोलाड, इंदापुर, मानगाँव, गोरेगाँव रोड, वीर, सापे वामणे, करंजडी, विनेहेरे, दीवानखावती, कलमबानी बुद्रुक, खेड़ और अंजनी

संरचनाः 8 मेमू कोच।

यात्रियों से अनुरोध है कि कृपया ध्यान दें कि उपरोक्त ट्रेन सेवाएं अनारक्षित रहेंगी और टिकट यूटीएस प्रणाली के माध्यम से सुपरफास्ट मेल/एक्सप्रेस ट्रेनों के लिए लागू सामान्य शुल्क पर बुक किए जा सकते हैं।

विस्तृत समय और ठहराव के लिए कृपया www.enquiry.indianrail.gov.in पर जाएँ या एनटीईएस ऐप डाउनलोड करें।

पश्चिम रेलवे विभिन्न गंतव्यों के लिए चलाएगी तीन जोड़ी त्योहार स्पेशल ट्रेन

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा तथा दुर्गा पूजा, दिवाली और छठ पूजा के त्योहारी सीज़न के दौरान उनकी यात्रा मांग को पूरा करने के उद्देश्य से बांद्रा टर्मिनस-भगत की कोठी, उधना-मऊ और उधना-छपरा के बीच विशेष किराए पर त्योहार स्पेशल ट्रेनें चलाई जाएंगी।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इन ट्रेनों का विवरण निम्नानुसार हैः

1.ट्रेन संख्या 04828/04827 बांद्रा टर्मिनस - भगत की कोठी साप्ताहिक विशेष (28 फेरे)

ट्रेन संख्या 04828 बांद्रा टर्मिनस-भगत की कोठी स्पेशल प्रत्येक रविवार को बांद्रा टर्मिनस से 10:30 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 04:30 बजे भगत की कोठी पहुँचेगी। यह ट्रेन 28 सितंबर से 28 दिसंबर, 2025 तक चलेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 04827 भगत की कोठी-बांद्रा टर्मिनस स्पेशल प्रत्येक शनिवार को भगत की कोठी से 11:30 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 07:25 बजे बांद्रा टर्मिनस पहुँचेगी। यह ट्रेन 27 सितंबर से 27 दिसंबर 2025 तक चलेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में बोरीवली, वापी, सूरत, भरूच, वडोदरा, साबरमती, महेसाणा, पालनपुर, आबू रोड, पिंडवाड़ा, जवाई बांध, फालना, रानी, मारवाड़ जं., पाली मारवाड़ एवं लूनी स्टेशनों पर रुकेगी।

इस ट्रेन में एसी-2 टियर, एसी-3 टियर, एसी-3 टियर (इकोनॉमी), स्लीपर क्लास और जनरल सेकेंड क्लास कोच होंगे।

2.ट्रेन संख्या 05018/05017 उधना-मऊ साप्ताहिक स्पेशल (12 फेरे)

ट्रेन संख्या 05018 उधना-मऊ स्पेशल प्रत्येक रविवार को उधना से 15:00 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 22:30 बजे मऊ पहुँचेगी। यह ट्रेन 28 सितंबर से 2 नवंबर, 2025 तक चलेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 05017 मऊ-उधना स्पेशल प्रत्येक शनिवार को मऊ से 05:30 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 12:00 बजे उधना पहुँचेगी। यह ट्रेन 27 सितंबर से 01 नवंबर 2025 तक चलेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में वडोदरा, रतलाम, नागदा, शामगढ़, भवानी मंडी, कोटा, गंगापुर सिटी, बयाना, ईदगाह आगरा, टूंडला, कानपुर सेंट्रल, ऐशबाग, बादशाह नगर, बाराबंकी जं., गोंडा, बस्ती, खलीलाबाद, गोरखपुर, देवरिया सदर, भटनी, सलेमपुर और बेल्थरा रोड स्टेशनों पर रुकेगी।

इस ट्रेन में एसी-2 टियर, एसी-3 टियर, स्लीपर क्लास और जनरल सेकेंड क्लास कोच होंगे।

3.ट्रेन संख्या 05116/05115 उधना-छपरा साप्ताहिक स्पेशल (20 फेरे)

ट्रेन संख्या 05116 उधना-छपरा स्पेशल प्रत्येक रविवार को उधना से 10:00 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 23:00 बजे छपरा पहुँचेगी। यह ट्रेन 28 सितंबर से 30 नवंबर, 2025 तक चलेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 05115 छपरा-उधना स्पेशल प्रत्येक शुक्रवार को छपरा से 17:45 बजे प्रस्थान करेगी और तीसरे दिन यानी रविवार को 07:00 बजे उधना पहुँचेगी। यह ट्रेन 26 सितंबर से 28 नवंबर 2025 तक चलेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में सूरत, भरूच, वडोदरा, गोधरा, रतलाम, उज्जैन, संत हिरदाराम नगर, बीना, सागर, दमोह, कटनी मुरवारा, सतना, मानिकपुर, प्रयागराज छिवकी, मिर्ज़ापुर, वाराणसी, जौनपुर, औंड़िहार, ग़ाज़ीपुर सिटी और बलिया स्टेशनों पर रुकेगी।

इस ट्रेन में एसी-2 टियर, एसी-3 टियर, स्लीपर क्लास और जनरल सेकेंड क्लास कोच होंगे।

ट्रेन संख्या 04828 की बुकिंग 06 सितम्बर, 2025 से, जबकि ट्रेन संख्या 05018 एवं 05116 की बुकिंग 05 सितम्बर, 2025 से सभी पीआरएस काउंटरों और आईआरसीटीसी वेबसाइट पर शुरू होगी। ट्रेनों के ठहराव, संरचना और समय के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री वृझपया www.enquiry.indianrail.gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

रेलवे दिवाली और छठ पूजा के अवसर पर विशेष उत्सव ट्रेन चलाएगी

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

रेलवे ने यात्रियों की बढ़ती मांग और त्योहारों के दौरान यात्री भीड़ को देखते हुए दिवाली और छठ पूजा के अवसर पर विशेष उत्सव ट्रेनें चलाने का निर्णय लिया है। ये विशेष ट्रेनें निम्नलिखित मार्गों पर चलेंगीः

1) हडपसर - वीरांगना लक्ष्मीबाई झाशी जंक्शन साप्ताहिक विशेष (20 सेवाएँ)

01925 साप्ताहिक विशेष दिनांक 25.09.2025 से 27.11.2025 तक प्रत्येक गुरुवार को हडपसर से 15.15 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 10.00 बजे वीरांगना लक्ष्मीबाई झाशी जंक्शन पहुंचेगी। (10 सेवाएँ)

01926 साप्ताहिक विशेष दिनांक 24.09.2025 से 26.11.2025 तक प्रत्येक बुधवार को वीरांगना लक्ष्मीबाई झाशी जंक्शन से 12.50 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 11.25 बजे लोकमान्य तिलक टर्मिनस पहुंचेगी। (10 सेवाएँ)

ठहराव : दौंड कॉर्ड लाइन, अहमदनगर, कोपरगांव, मनमाड, भुसावल, खंडवा, इटारसी, नर्मदापुरम, रानी कमलापति, विदिशा , बीना, और ललितपुर।

संरचनाः 1 द्वितीय वातानुकूलित, 3 वातानुकूलित तृतीय श्रेणी, 7 शयनयान श्रेणी और 4 सामान्य द्वितीय श्रेणी जिसमें 2 लगेज कम गार्ड ब्रेक वैन शामिल हैं । (17 कोच)

2) साई नगर शिर्डी - बीकानेर साप्ताहिक विशेष (20 सेवाएँ)

04716 साप्ताहिक विशेष दिनांक 28.09.2025 से 30.11.2025 तक प्रत्येक रविवार को साई नगर शिर्डी से 19.35 बजे प्रस्थान करेगी और तीसरे दिन 05.00 बजे बीकानेर पहुंचेगी। (10 सेवाएँ)

04715 साप्ताहिक विशेष दिनांक 27.09.2025 से 29.11.2025 तक प्रत्येक शनिवार को बीकानेर से 13.30 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 19.00 बजे साई नगर शिर्डी पहुंचेगी। (10 सेवाएँ)

ठहराव : मनमाड, भुसावल, खंडवा, हरदा, इटारसी, भोपाल, उज्जैन, नागदा, शामगढ़, रामगंज मंडी, कोटा, सवाई माधवपुर, दुर्गापुरा, जयपुर, दहार का बालाजी, रींगस, सीकर, लक्ष्मणगढ़ सीकर, फतेहपुर शेखावाटी, चूरू जंक्शन, रतनगढ़ जंक्शन, राजलदेसर और श्री डूंगरगढ़।

संरचनाः 1 द्वितीय वातानुकूलित, 2 वातानुकूलित तृतीय श्रेणी, 11 शयनयान श्रेणी और 4 सामान्य द्वितीय श्रेणी जिसमें 2 लगेज कम गार्ड ब्रेक वैन शामिल हैं । (20 कोच)

इन विशेष ट्रेनों के विस्तृत समय और स्टॉपेज की जानकारी के लिए, कृपया www.enquiry.indianrail.gov.in पर जाएं या NTES ऐप डाउनलोड करें।

ऑपरेशन 'नार्कोस' के अंतर्गत भुसावल में 03 आरोपी 42.280 किग्रा गांजा सहित गिरफ्तार

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भुसावल रेल मंडल में रेलवे सुरक्षा बल को नशे के अवैध कारोबार के खिलाफ बड़ी सफलता हाथ लगी है। दिनांक 02.09.2025 को सीआईबी भुसावल को प्राप्त गुप्त सूचना के आधार पर ट्रेन संख्या 12994 अप गांधीधाम एक्सप्रेस के स्लीपर कोच में गांजा तस्करी की जानकारी मिली। वरिष्ठ सुरक्षा आयुक्त के समन्वय पर डॉग स्क्वॉड (श्वान वीरू) की मांग कर आरपीएफ, जीआरपी एवं डॉग स्क्वॉड की संयुक्त टीम गठित कर भुसावल स्टेशन पर गहन चेकिंग की गई।

चेकिंग के दौरान प्रारंभिक स्तर पर कोई संदिग्ध न मिलने पर टीम ने ट्रेन को जलगांव तक जांचा। जांच के दौरान कोच ए-5 में 03 संदिग्ध व्यक्तियों को बैग सहित पकड़ा गया। पूछताछ में संतोषजनक जवाब न मिलने पर बैग खोलकर जांच की गई, जिसमें खाकी टेप से पैक 21 पैकेट बरामद हुए।

आगे की कार्रवाई हेतु तीनों व्यक्तियों को जलगांव स्टेशन पर उतारा गया। वहां आरपीएफ जलगांव स्टाफ की उपस्थिति में बैग का वजन करने पर कुल 42.280 किलोग्राम गांजा (अनुमानित कीमत ?8,45,600/-) एवं 03 मोबाइल फोन (मूल्य लगभग ?35,000/-) जब्त किए गए।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान इस प्रकार है -

नलूमालु जसवंत डोरा, उम्र 25 वर्ष, निवासी भोलाभांजा, जिला गंजम, उड़ीसा।

विप्र प्रकाश विद्याधर सेठी, उम्र 19 वर्ष, निवासी गोपालपुर, तहसील कोंडाला, जिला गंजम, उड़ीसा।

अलक सुभाषचंद्र बारीक, उम्र 25 वर्ष, निवासी धनंजयपुर, तहसील कोंडाला, जिला गंजम, उड़ीसा।

जब्ती की कार्रवाई पंचों एवं राजपत्रित अधिकारी सहायक सुरक्षा आयुक्त की उपस्थिति में सहायक पुलिस निरीक्षक जीआरपी द्वारा की गई। तत्पश्चात जीआरपी भुसावल ने तीनों आरोपियों के विरुद्ध एनडीपीएस अधिनियम के अंतर्गत प्रकरण पंजीबद्ध किया है। उक्त प्रकरण की आगे की जांच जीआरपी पुलिस निरीक्षक द्वारा की जा रही है।

यह सफलता रेलवे सुरक्षा बल एवं जीआरपी की सतर्कता तथा समन्वित प्रयासों का परिणाम है। नशा तस्करी जैसी समाजविरोधी गतिविधियों के खिलाफ रेलवे प्रशासन की यह बड़ी कार्रवाई है, जो भविष्य में भी इसी दृढ़ संकल्प के साथ जारी रहेगी।

मध्य रेल

विद्युत कार्य

मुख्य कारखाना प्रबंधक कार्यालय माटुंगा वर्कशॉप, मध्य रेल मुंबई- 400019. **ई-निविदा सूचना क्र.: पीजी_डीटीएल_७०१_आर, दिनांक 29.08.2025. कार्य का नाम:** एलएचबी ई ओजी/एचओजी नॉन-एसी कोचों में फ्यूज बॉक्स के साथ इमरजेंसी फीड टर्मिनल बॉक्स और बैटरी चार्जिंग टर्मिनल सॉकेट की आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण और कमीशनिंग। **कार्य की अनुमानित:** रु.19,74,912.50. **बयान राशि:** रु.39,500/-. **समाप्ती अवधी:** 12 महीना। **निविदा भरने का अंतिम दिन और समय:** दिनांक 25.09.2025 दोपहर 12 बजे तक। **ऑफर की वैधता:** 60 दिन। निविदाएं केवल ई-टेंडरिंग प्रारूप में वेबसाइट **www.ireps.gov.in** के माध्यम से स्वीकार की जाएंगी। निविदा दस्तावेज वेबसाइट पर उपलब्ध है। **DE-420**

अनाधिकृत रूप से रेल लाइन को पार करना दंडनीय अपराध है

आईआरसीटीसी पश्चिम क्षेत्र, मुंबई द्वारा जुलाई 2025 के उत्कृष्ट कर्मचारी सम्मानित

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भारतीय रेलवे खानपान एवं पर्यटन निगम लिमिटेड (आईआरसीटीसी), जो रेल मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत एक नवरत्न सार्वजनिक उपक्रम है, ने अपने कर्मचारियों के उत्कृष्ट योगदान को मान्यता देने की परंपरा को आगे बढ़ाते हुए जुलाई 2025 माह के कर्मचारी सम्मान पुरस्कार आईआरसीटीसी पश्चिम क्षेत्र कार्यालय, मुंबई में प्रदान किए। श्रीमती मानसी मुनले, डीईओ (पर्यटन) को पर्यटन क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ विक्रेता के रूप में सम्मानित किया गया, वहीं सुश्री सिद्धि शिरसट, एफएसएस (कैटरिंग) को कैटरिंग क्षेत्र में उनकी निष्ठावान सेवा एवं महत्वपूर्ण योगदान के लिए सम्मानित किया गया। दोनों कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र एवं 1500/- की नगद राशि पुरस्कारस्वरूप प्रदान की गई।

इन पुरस्कारों को गौरव झा, समूह महाप्रबंधक , आईआरसीटीसी पश्चिम

क्षेत्र, मुंबई द्वारा वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में प्रदान किया गया।

इस अवसर पर अधिकारियों में श्री हर्षवर्धन सिंह रावत (एमजीएम/ट्यूरिज्म), श्री संदीप दत्ता (एजीएम/कैटरिंग), श्री उमेश नायडू (जेजीएम/कैटरिंग), डॉ. ए.के. सिंह (जनसंपर्क अधिकारी/आईआरसीटीसी) तथा श्री नागेश चौधरी (प्रबंधक/मानव संसाधन) आयआरसीटीसी, पश्चिमी क्षेत्र, मुंबई उपस्थित थे।

इस अवसर पर अपने संबोधन में गौरव झा ने कहा कि ऐसे सम्मान कर्मचारियों को प्रेरित करते हैं तथा आईआरसीटीसी की पर्यटन एवं कैटरिंग सेवाओं में उत्कृष्टता प्रदान करने की प्रतिबद्धता को और सशक्त बनाते हैं।

आईआरसीटीसी पश्चिम क्षेत्र, निरंतर प्रोत्साहन और मान्यता के माध्यम से अपने कर्मचारियों में नवाचार और ग्राहक-केंद्रित सेवा की संस्कृति को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है।

अनंत चतुर्दशी के अवसर पर चर्नी रोड स्टेशन पर लोकल ट्रेनों के समय में परिवर्तन

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

पश्चिम रेलवे की फास्ट अप लोकल ट्रेनें 06/09/2025 को 17:00 बजे से 20:30 बजे तक मुंबई सेंट्रल और चर्चगेट के बीच सभी स्टेशनों पर रुकेंगी

सभी धीमी अप लोकल ट्रेनें 06/09/2025 को 17:00 बजे से 23:30 बजे तक चर्नी रोड स्टेशन पर नहीं रुकेंगी

6/7 सितंबर, 2025 की मध्यरात्रि के दौरान पश्चिम रेलवे द्वारा 12 स्पेशल लोकल ट्रेनें चलाई जाएंगी

6/7 सितंबर, 2025 को गणपति विसर्जन के लिए गिरगांव चौपाटी पहुंचने वाले श्रद्धालुओं के लिए चर्नी रोड स्टेशन पर अत्यधिक भीड़ के मद्देनज़र पश्चिम रेलवे द्वारा भीड़ प्रबंधन हेतु तथा यात्री सुविधा सुनिश्चित करने के लिए लोकल ट्रेनों की समय-सारणी में कुछ बदलाव किये गये हैं।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, पश्चिम रेलवे द्वारा 6/7 सितंबर, 2025 की मध्यरात्रि को चर्चगेट और विरार के बीच 12 अतिरिक्त लोकल ट्रेनें चलाई जाएंगी। 6 सितंबर, 2025 को फास्ट अप लोकल ट्रेनें 17:00 बजे से 20:30 बजे तक चर्चगेट और मुंबई सेंट्रल स्टेशनों के बीच सभी स्टेशनों पर रुकेंगी। प्लेटफ़ॉर्म संख्या 2 और 3 पर आने और जाने वाले यात्रियों की भीड़ से बचने के लिए 6 सितंबर, 2025 को 17:00 बजे से 23:30 बजे के बीच सभी अप स्लो लोकल ट्रेनों को चर्नी रोड स्टेशन पर प्लेटफ़ॉर्म क्रमांक 2 पर नहीं रोका जाएगा।

मध्य रेल

निविदा आमंत्रण सूचना

भारत के राष्ट्रपति के लिए और उनकी ओर से कार्य करने वाले सीनियर डीसीएम / छशिमट निविदा संख्या BB-C - 130-WA-URAN-GCT समापन तिथि / समय 15.10.2025 15:00 बजे ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं। बोलीदाता अपनी मूल / संशोधित निविदा अंतिम तिथि एवं समय तक ही जमा कर सकेंगे। इस निविदा के विरुद्ध मैन्युअल ऑफ़र की अनुमति नहीं है, और प्राप्त ऐसे किसी भी मैन्युअल ऑफ़र को अनदेखा कर दिया जाएगा।

कार्य का नाम	उरण में पूरी तरह से रेलवे भूमि पर जीसीटी नीति के तहत गति शक्ति मल्टी-मॉडल कार्गो टर्मिनल के विकास के लिए अनुबंध।
निविदा प्रकार	खुला
बोली प्रणाली	दो पैकेट प्रणाली
निविदा समापन तिथि समय	15.10.2025, 15:00 बजे
प्री-बिड सम्मेलन तिथि समय	08.09.2025, 15:00 बजे
बयाना राशि (रु.)	3,25,48,300/-
निविदा दस्तावेज़ लागत (रु.)	25,000/-
निविदा शुरू होने की तारीख	01.10.2025

इसके अलावा विषय निविदा के संबंध में, परिशिष्ट / शुद्धिपत्र, निविदा की वापसी, निविदा समापन की तिथि या समय में परिवर्तन, विस्तार, स्पष्टीकरण आदि, यदि कोई हो, तो केवल वेबसाइट पर अपलोड किया जाएगा। बोलीदाताओं को स्वयं को अद्यतन रखने के लिए नियमित रूप से वेबसाइट पर जाना चाहिए। **DE-417**

अनाधिकृत रूप से रेल लाइन को पार करना दंडनीय अपराध है

छगन भुजबल, पंकजा मुंडे...ओबीसी कल्याण के लिए कैबिनेट उपसमिति का गठन, मराठा आरक्षण विवाद के बीच फडणवीस सरकार ने लिया फैसला

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मराठा आरक्षण आंदोलन के बीच, महाराष्ट्र सरकार ने अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) समुदाय से जुड़े मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करने के लिए एक कैबिनेट उपसमिति का गठन किया है। सूत्रों के अनुसार, यह उपसमिति ओबीसी आबादी के सामाजिक, शैक्षिक और आर्थिक विकास से संबंधित कार्यक्रमों और योजनाओं पर काम करेगी। वरिष्ठ भाजपा नेता चंद्रशेखर बावनकुले को उपसमिति का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है।

समिति में निम्नलिखित सदस्य शामिल होंगे:

छगन भुजबल
गणेश नाइक
गुलाबराव पाटिल
संजय राठौड़
पंकजा मुंडे
अतुल सावे
दत्तात्रय भारणे

उपसमिति की राजनीतिक संरचना इस प्रकार है:

भाजपा के 4 सदस्य

शिवसेना के 2 सदस्य
राकांपा के 2 सदस्य
मराठा आरक्षण विवाद

महाराष्ट्र सरकार द्वारा ओबीसी कल्याण पर एक कैबिनेट उपसमिति का गठन मराठा आरक्षण की मांगों को लेकर चल रहे तीव्र विरोध प्रदर्शन की पृष्ठभूमि में हुआ है। यह कदम मराठा कार्यकर्ता मनोज जरांगे द्वारा मुंबई में अपनी अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल समाप्त करने के फैसले के ठीक बाद उठाया गया है। आज़ाद मैदान में पाँच दिनों से भूख हड़ताल पर बैठे मराठा नेता मनोज जरांगे ने राज्य द्वारा प्रमुख मांगों पर सहमति जताने के बाद प्रदर्शनकारियों की 'जीत' की घोषणा की। समर्थकों से घिरे जरांगे ने मंगलवार शाम वरिष्ठ मंत्री राधाकृष्ण विखे पाटिल द्वारा दिए गए जूस को पीकर अपना अनशन समाप्त किया। सरकार ने मराठवाड़ा क्षेत्र के पात्र मराठा परिवारों को ओबीसी श्रेणी के अंतर्गत आने वाले कुनबी जाति प्रमाण पत्र प्रदान करने का आश्वासन दिया। जाति प्रमाण पत्र की घोषणा के अलावा, राज्य सरकार आरक्षण विरोध प्रदर्शन के दौरान मारे गए लोगों के परिवारों को मुआवजा और सरकारी नौकरी देने पर भी सहमत हुई है। इससे पहले, प्रदर्शनकारियों ने ओबीसी श्रेणी के तहत नौकरियों और शिक्षा में 10इ आरक्षण की मांग की थी।

कट्टर आलोचक संजय राउत ने की सीएम फडणवीस की तारीफ, मराठा आरक्षण आंदोलन के समाधान का श्रेय दिया

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई। शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने बुधवार को महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की तारीफ की। साथ ही मराठा आरक्षण आंदोलन के समाधान और कार्यकर्ता मनोज जरांगे की भूख हड़ताल समाप्त कराने का श्रेय दिया। राउत का यह बयान भाजपा नेता की दुर्लभ सराहना माना जा रहा है, क्योंकि राउत भाजपा और सीएम फडणवीस के कट्टर आलोचक रहे हैं।

राउत ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि सीएम फडणवीस ने पर्दे के पीछे से काम किया। वह मराठा आरक्षण पर कैबिनेट उप-समिति के साथ विचार-विमर्श में शामिल थे। राउत ने कहा कि अगर सरकार ने इस मुद्दे को सुलझाया है और जरांगे की जान बचाई है, तो इसका स्वागत किया जाना चाहिए। राउत ने कहा, 'देवेंद्र फडणवीस इस मुद्दे के समाधान के लिए विचार-विमर्श में शामिल थे। वह पृष्ठभूमि में काम कर रहे थे। सारा श्रेय फडणवीस को जाना चाहिए।'

सीएम फडणवीस के धैर्य की भी सराहना की

राउत ने जरांगे और मराठा प्रदर्शनकारियों द्वारा मुख्यमंत्री की कड़ी आलोचना का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा, 'मैं फडणवीस के धैर्य की भी सराहना करूंगा।' संजय राउत ने कहा कि जब जरांगे अपना अनशन शुरू करने मुंबई आए, तो भाजपा नेताओं ने अलग भाषा बोली। सीएम फडणवीस को छोड़कर भाजपा नेताओं ने 'अत्यधिक नफरत फैलाने' की कोशिश की।

अजित पवार-शिंदे पर साधा निशाना

शिवसेना (यूबीटी) नेता राउत ने मराठा आंदोलन को लेकर उप-मुख्यमंत्री अजित पवार और एकनाथ शिंदे पर निशाना साधा। उन्होंने कहा, 'एकनाथ शिंदे और अजित पवार कहां थे? उन्होंने विचार-विमर्श में भाग क्यों नहीं लिया? क्या वे चाहते थे कि यह मुद्दा और बिगड़े और फडणवीस मुश्किल में पड़ें?'

जरांगे ने अनशन के पांचवें दिन किया जीत का एलान

गौरतलब है कि मंगलवार को मनोज जरांगे ने अपने अनशन के पांचवें दिन जीत का एलान किया, जब महाराष्ट्र सरकार ने उनकी ज्यादातर मांगें मान लीं। इनमें योग्य मराठाओं को कुनबी जाति का प्रमाणपत्र देने का फैसला भी शामिल है, जिससे उन्हें अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) में मिलने वाले आरक्षण का लाभ मिल सकेगा।

भारतीय विदेश सेवा के अधिकारियों ने उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के साथ बैठक की

बुनियादी ढाँचा परियोजनाओं के कारण महाराष्ट्र विकास के पथ पर अग्रसर- उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई। भारत को पाँच ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के लक्ष्य को प्राप्त करने में महाराष्ट्र का महत्वपूर्ण योगदान होगा। उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने आज यहाँ कहा कि अटल सेतु, तटीय सड़क, समृद्धि महामार्ग और मेट्रो नेटवर्क जैसी महत्वपूर्ण बुनियादी ढाँचा परियोजनाओं के साथ महाराष्ट्र विकास की तीव्र गति से आगे बढ़ रहा है।

महाराष्ट्र के प्रशिक्षण दौरे पर आए भारतीय विदेश सेवा के अधिकारियों के एक प्रतिनिधिमंडल ने उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे से उनके मुक्तागिरी स्थित आवास पर मुलाकात की। बातचीत के दौरान, उपमुख्यमंत्री ने उन्हें महाराष्ट्र में विभिन्न विकास कार्यों और महत्वाकांक्षी योजनाओं के बारे में जानकारी दी।

इस अवसर पर उद्योग मंत्री उदय सामंत, उपमुख्यमंत्री के प्रधान सचिव नवीन सोना, भारतीय विदेश सेवा योजना पटेल, प्रतिभा पारकर-राजाराम, परमिता त्रिपाठी, अंकन बनर्जी, स्मिता पंत, विश्वदीप डे, सी. सुगंध राजाराम और यशदा के उप महानिदेशक त्रिगुण कुलकर्णी, जो प्रतिनिधिमंडल के समन्वयक हैं, उपस्थित थे।

उपमुख्यमंत्री शिंदे ने कहा कि महाराष्ट्र देश का विकास केंद्र है। बुनियादी सुविधाओं का जाल बिछाकर महाराष्ट्र बड़े पैमाने पर औद्योगिक विस्तार कर रहा है। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र प्रत्यक्ष विदेशी निवेश में पहले स्थान पर है और अटल सेतु, कोस्टल रोड, समृद्धि महामार्ग जैसी विश्वस्तरीय बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के निर्माण के माध्यम से विकास की राह पर तेजी से आगे बढ़ रहा है।

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि महाराष्ट्र ने स्वास्थ्य, शिक्षा, महिला सशक्तिकरण, पर्यटन विकास और आवास के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियाँ हासिल की हैं। मुंबई में किफायती घर बनाकर आम आदमी अपने घर का सपना पूरा कर रहा है, यह बताते हुए उपमुख्यमंत्री ने नासिक जिले के त्र्यंबकेश्वर के हिवाली गाँव के स्कूल और उसके छात्रों व शिक्षकों की सराहना की। उन्होंने प्रतिनिधिमंडल से कहा कि इस स्कूल का दौरा ज़रूर किया जाना चाहिए।

बड़ी चुनौती, बड़ा प्रबंधन

मुंबई पुलिस ने शांति से संभाला विशाल मराठा आंदोलन

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

कार्यकर्ता मनोज जरांगे के नेतृत्व वाले आरक्षण आंदोलन में शामिल होने के लिए हजारों मराठाओं के मुंबई में जुटने के बीच मुंबई पुलिस ने भीड़ को कुशलतापूर्वक और चतुराई से संभाला, जिससे पांच दिनों तक चले आंदोलन के दौरान स्थिति काफी हद तक शांतिपूर्ण रही। दक्षिण मुंबई में ऐतिहासिक छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस (सीएसएमटी) और बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) भवन के पास स्थित आजाद मैदान में आयोजित विरोध प्रदर्शन के दौरान स्थिति कभी नियंत्रण से बाहर नहीं हुई।

जरांगे ने मराठा आरक्षण की मांग को लेकर 29 अगस्त को भूख हड़ताल शुरू की थी और राज्य सरकार द्वारा उनकी अधिकतर मांगें मान लेने के बाद मंगलवार अपराह्न को इसे समाप्त कर दिया। पिछले हफ़्ते जब उन्होंने अपना अनिश्चितकालीन अनशन शुरू किया, तो पूरे महाराष्ट्र से प्रदर्शनकारी उनके साथ एकजुटता दिखाने के लिए आयोजन स्थल पर पहुंचे। दक्षिण मुंबई के मुख्य चौराहों पर प्रदर्शनकारियों की भीड़ देखी गई, जिससे सुबह के व्यस्त समय में यातायात जाम हो गया। उनमें से कई छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस (सीएसएमटी) परिसर के अंदर चले गए, यहां तक कि प्लेटफॉर्म पर

चटाई बिछाकर सो गए।

एक अधिकारी ने मंगलवार को बताया कि आजाद मैदान में निर्धारित आंदोलन से पहले मुंबई पुलिस ने प्रदर्शनकारियों से निपटने के लिए तैयारी की और जरांगे की टीम के साथ बैठकें कीं। आजाद मैदान में 1,500 से अधिक पुलिस कर्मियों के साथ केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ), केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) और त्वरित कार्रवाई बल (आरएएफ) की एक-एक टुकड़ी के साथ ही एसआरपीएफ, दंगा नियंत्रण पुलिस और महाराष्ट्र सुरक्षा बल तैनात किए गए थे।

पुलिस ने 29 अगस्त को आजाद मैदान में एक दिवसीय विरोध प्रदर्शन की अनुमति दी थी, जिसमें केवल 5,000 प्रदर्शनकारियों को ही शामिल होने की अनुमति थी। लेकिन अधिकारी ने बताया कि जैसे ही आंदोलन शुरू हुआ 8,000 वाहनों में 60,000 से ज्यादा लोग मुंबई में इकट्ठा हो गए, जिससे विरोध स्थल की ओर जाने वाले सभी रास्ते अवरुद्ध हो गए।

अधिकारी ने बताया कि पुलिस ड्रोन के अलावा दक्षिण मुंबई में लगे सीसीटीवी कैमरों के जरिए भी स्थिति पर नजर रख रही थी। ऐसी भी कई घटनाएं देखी गयीं, जहां प्रदर्शनकारियों ने यातायात को अवरुद्ध कर दिया और इस बात पर अड़े रहे कि वे तभी हटेंगे जब जरांगे उन्हें निर्देश देंगे। ऐसे मौकों पर संयुक्त पुलिस आयुक्त सत्य नारायण चौधरी, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त अभिनव देशमुख और पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) प्रवीण मुंधे सहित वरिष्ठ अधिकारी मौके पर देखे गए।

डीसीपी मुंधे ने तुरंत जरांगे को वीडियो कॉल किया, जिन्होंने प्रदर्शनकारियों से पुलिस के साथ सहयोग करने को कहा और इसके बाद प्रदर्शनकारी हट गए। स्थिति तब और तनावपूर्ण हो गई जब मुंबई उच्च न्यायालय ने सरकार से मंगलवार को अपराह्न तीन बजे से पहले सड़कें खाली कराने को कहा, जिसके बाद वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने फिर से प्रदर्शनकारियों से आजाद मैदान और सीएसएमटी के सामने की सड़कों से अपने वाहन हटाने के लिए कहना शुरू कर दिया।

पुलिस को सार्वजनिक स्थानों से वाहनों को हटाने के लिए घोषणाएं करते तथा प्रदर्शनकारियों से वाहनों को पड़ोसी नवी मुंबई में खड़ा करने के लिए कहते देखा गया। मंगलवार को जब भीड़ कम हो गई और प्रदर्शनकारियों ने आजाद मैदान का पूरा इलाका खाली कर दिया, तो संयुक्त पुलिस आयुक्त चौधरी ने पुलिस कर्मियों के प्रयासों की सराहना करने के लिए घटनास्थल का दौरा किया।

आज़ाद मैदान में धरना समाप्त होने के बाद, स्थिति सामान्य करने के लिए सफ़ाई अभियान पूरा

1,500 से ज़्यादा कर्मचारियों, मज़दूरों और अधिकारियों ने पाँच दिनों तक प्रदर्शनकारियों की सुविधाओं के लिए योगदान दिया।

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

आज़ाद मैदान और उसके आसपास के इलाकों में 29 अगस्त से चल रहा धरनारत बंधुओं का धरना कल (2 सितंबर, 2025) समाप्त हो गया। इस पृष्ठभूमि में, बृहन्मुंबई नगर निगम द्वारा लगातार पाँच दिनों तक धरनारत बंधुओं को नागरिक सेवाएँ और सुविधाएँ प्रदान करने के लिए निरंतर प्रयास किए गए। हज़ारों सफ़ाई कर्मचारियों के निरंतर प्रयासों से मैदान क्षेत्र में निरंतर सफ़ाई बनाए रखना संभव हो पाया। धरनारत बंधुओं की सुविधा के लिए बृहन्मुंबई नगर निगम के माध्यम से विभिन्न सुविधाएँ उपलब्ध कराई गईं।

निरंतर सफाई अभियान

29 अगस्त से 2 सितंबर 2025 तक पाँच दिनों की अवधि में पूरे आज़ाद मैदान और उसके आसपास के क्षेत्र में सफाई अभियान चलाया गया। ठोस अपशिष्ट प्रबंधन विभाग ने विभिन्न संयंत्रों और वाहनों का उपयोग करते हुए सड़कों की सफाई के लिए अथक प्रयास किया। पाँच दिवसीय सफाई अभियान के तहत, दोनों सत्रों में 6 बड़े कॉम्पैक्टर, 6 छोटे कॉम्पैक्टर, कचरा परिवहन वाहन, दो-

दो सक्शन और जेटिंग प्लांट, 13 एससीवी और 52 टैंकर सहित 96 वाहनों का उपयोग किया गया। आंदोलन समाप्त होने के बाद, आज़ाद मैदान और नगर निगम क्षेत्र के कर्मचारियों ने 2 सितंबर की रात से 3 सितंबर की सुबह तक लगातार सफाई की और पूरे क्षेत्र को स्वच्छ बनाया।

पहले दिन से ही प्रदर्शनकारियों की सुविधा के लिए तीन स्थानों पर मोबाइल शौचालय उपलब्ध कराए गए थे। पाँच दिनों की अवधि में, नगर निगम द्वारा प्रदर्शनकारियों के उपयोग के लिए कुल 450 मोबाइल शौचालय उपलब्ध कराए गए। साथ ही, कचरा संग्रहण के लिए लगभग 500 किलोग्राम डस्टबिन बैग भी उपलब्ध कराए गए। प्रदर्शनकारी भाइयों ने इन थैलियों का उपयोग करके कचरा संग्रहण में भी सहयोग किया।

मोर्चेकर बंधु भी कचरा संग्रहण में योगदान दे रहे हैं।

29 अगस्त, 2025 से 2 सितंबर, 2025 तक पाँच दिनों की अवधि में बृहन्मुंबई नगर निगम के ठोस अपशिष्ट प्रबंधन विभाग के माध्यम से भारी मात्रा में कचरा एकत्रित कर परिवहन किया गया। बृहन्मुंबई नगर निगम ने प्रदर्शनकारियों से स्वच्छता अभियान में सहयोग करने की अपील की थी। इस अपील पर सकारात्मक प्रतिक्रिया देते हुए, बड़ी संख्या में प्रदर्शनकारियों ने न केवल सहयोग किया, बल्कि स्वच्छता अभियान में प्रत्यक्ष रूप से भाग भी लिया। बृहन्मुंबई नगर निगम प्रशासन इस सहयोग के लिए प्रदर्शनकारियों का आभार व्यक्त करता है।

कीटनाशक और कीटाणुनाशक उपाय

आज़ाद मैदान और आसपास के क्षेत्र में सफ़ाई के लिए 100 किलोग्राम कीटाणुनाशक पाउडर और 1050 किलोग्राम ब्लीचिंग पाउडर का छिड़काव किया गया। मच्छरों के प्रकोप को रोकने और कीट नियंत्रण के लिए, बृहन्मुंबई नगर निगम के कीट नियंत्रण विभाग की एक टीम दोनों सत्रों में काम कर रही थी। इस टीम ने पूरे क्षेत्र में लगातार धूमन और कीटाणुनाशक का छिड़काव किया।

हज़ारों प्रदर्शनकारियों ने चिकित्सा सेवाओं का लाभ उठाया

नगर निगम के स्वास्थ्य विभाग के माध्यम से आज़ाद मैदान क्षेत्र में 24 घंटे चिकित्सा कक्ष कार्यरत था। इस चिकित्सा कक्ष में एक सतत कार्यरत टीम उपलब्ध थी। इस टीम के माध्यम से हज़ारों प्रदर्शनकारी भाइयों को चिकित्सा सुविधाएँ प्रदान की गईं।

श्रम अधिकारों की सुरक्षा, उद्योगों के संचालन में सुगमता

निवेश आकर्षित करने के अलावा, रोज़गार के अवसर बढ़ाने के लिए श्रम अधिनियम में संशोधन

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

कैबिनेट बैठक में कारखाना अधिनियम, 1948 की धारा 54 और महाराष्ट्र दुकान एवं प्रतिष्ठान अधिनियम, 2017 में संशोधन को मंजूरी दे दी गई। बैठक की अध्यक्षता मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने की।

केंद्र सरकार द्वारा गठित एक टास्क फ़ोर्स की सिफ़ारिशों के अनुसार, केंद्रीय मंत्रिमंडल ने आज कारखाना अधिनियम, 1948 में विभिन्न संशोधनों को मंज़ूरी दे दी। ये बदलाव राज्य में निवेश आकर्षित करने और रोज़गार के अवसर बढ़ाने के लिए किए गए हैं। कर्नाटक, तमिलनाडु, तेलंगाना, उत्तर प्रदेश और त्रिपुरा जैसे राज्य पहले ही ये बदलाव कर चुके हैं।

इन सुधारों से उद्योगों को चरम माँग या श्रम की कमी के दौरान बिना किसी व्यवधान के काम करना जारी रखने में मदद मिलेगी। श्रमिकों को उचित वेतन संरक्षण के साथ कानूनी रूप से अतिरिक्त आय प्राप्त होगी। कानूनी ओवरटाइम सीमा बढ़ाकर, श्रमिकों को बिना वेतन के अतिरिक्त घंटे काम करने के लिए मजबूर करने की प्रथा पर अंकुश लगाया जा सकेगा। यह बदलाव रोज़गार सृजन को बढ़ावा देगा और श्रम अधिकारों की रक्षा करेगा। अन्य राज्यों के प्रावधानों के अनुसार कार्य घंटों का प्रावधान करने से नए निवेश आकर्षित करने में मदद मिलेगी। ओवरटाइम कार्य अवधि बढ़ाने से श्रमिकों को दोगुनी दर से भुगतान भी मिलेगा।

कारखाना अधिनियम, 1948 की धारा 65 में संशोधन से कारखानों में दैनिक कार्य घंटों की सीमा 9 घंटे से बढ़कर 12 घंटे हो जाएगी। धारा 55 में संशोधन से कारखानों में 5 घंटे के बाद विश्राम अवधि 30 मिनट से बढ़कर 6 घंटे तक 30 मिनट हो गई है। धारा 56 में संशोधन से कार्य सप्ताह 10.5 घंटे से बढ़कर 12 घंटे हो गया है। धारा 65 में संशोधन से ओवरटाइम कार्य घंटों की सीमा प्रति तिमाही 115 घंटे से बढ़कर 144 घंटे प्रति तिमाही हो जाएगी। बेशक, इसमें एक सख्त प्रावधान यह भी शामिल है कि ओवरटाइम कार्य के लिए श्रमिकों की लिखित सहमति आवश्यक होगी।

इसके साथ ही, महाराष्ट्र दुकान एवं प्रतिष्ठान (रोज़गार एवं सेवा शर्तों का विनियमन) अधिनियम, 2017 में संशोधन को मंज़ूरी दी गई। यह संशोधन 20 या उससे अधिक कर्मचारियों वाले प्रतिष्ठानों पर लागू होगा। इन संशोधनों के अनुसार, दैनिक कार्य घंटे 9 से बढ़ाकर 10 किए जाएँगे, विश्राम अवधि में तदनुसार परिवर्तन किया जाएगा, अत्यावश्यक कार्य हेतु नियुक्त कर्मचारियों का कार्यकाल साढ़े 10 घंटे से बढ़ाकर 12 घंटे किया जाएगा, ओवरटाइम कार्य की अवधि 125 घंटे से बढ़ाकर 144 घंटे की जाएगी, आदि। इन संशोधनों के साथ, 20 से कम कर्मचारियों वाले प्रतिष्ठानों को पंजीकरण प्रमाणपत्र प्राप्त करने की आवश्यकता नहीं होगी। हालाँकि, केवल अधिसूचना पत्र के माध्यम से व्यवसाय शुरू करने की सूचना देना आवश्यक होगा।

नमो शेतकरी महासम्मान निधि योजना के तहत पात्र लाभार्थियों को सातवीं किस्त का लाभ वितरित- कृषि मंत्री दत्तात्रेय भरणे

मुंबई। कृषि मंत्री दत्तात्रेय भरणे ने बताया कि नमो शेतकरी महासम्मान निधि योजना के तहत पात्र लाभार्थियों को सातवीं किस्त वितरित करने के लिए कृषि विभाग द्वारा आज एक सरकारी निर्णय जारी किया गया है और जल्द ही किसानों के खातों में सब्सिडी जमा कर दी जाएगी। उन्होंने बताया कि इस योजना के तहत 92 लाख 36 हज़ार किसान लाभान्वित होंगे और इसके लिए कुल 1932.72 करोड़ रुपये की धनराशि स्वीकृत की गई है।

केंद्र सरकार की प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत पात्र किसानों को प्रति वर्ष 6,000 रुपये की सब्सिडी दी जाती है। केंद्र सरकार की इस सब्सिडी के अलावा, राज्य सरकार प्रति वर्ष 6,000 रुपये की अतिरिक्त सब्सिडी प्रदान करने के लिए नमो शेतकरी महासम्मान निधि योजना लागू कर रही है। इन दोनों योजनाओं के माध्यम से लाभार्थी किसानों को प्रति वर्ष 12,000 रुपये की सब्सिडी मिलती है। राज्य की नमो शेतकरी महासम्मान योजना के तहत अब तक किसान लाभार्थियों को कुल छह किश्तें दी जा चुकी हैं।

सरकार के निर्णय के अनुसार, अप्रैल 2025 से जुलाई 2025 तक की सब्सिडी की सातवीं किश्त लाभार्थियों को दी जाएगी। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना में शामिल सभी किसान लाभार्थियों को राज्य की नमो शेतकरी महासम्मान निधि योजना का लाभ मिलेगा।

कृषि मंत्री दत्तात्रेय भरणे ने कहा, 'राज्य सरकार राज्य के आम नागरिकों और किसानों से किए गए हर वादे को पूरा करने के लिए काम कर रही है। कृषि विभाग राज्य के किसानों की सहायता के लिए निरंतर काम कर रहा है।

ठाणे में हमले के दौरान कार से कुचलकर एक व्यक्ति की हत्या कर दी गयी

ठाणे। ठाणे के श्रीनगर इलाके में पहले की रंजिश के चलते 45 वर्षीय एक व्यक्ति की कथित रूप से कार से कुचलकर हत्या कर दी गई और एक अन्य व्यक्ति को गंभीर रूप से घायल कर दिया गया। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी।

एक अधिकारी ने बताया कि मंगलवार को वागले एस्टेट इलाके में रोड नंबर 27 पर रात करीब साढ़े आठ बजे यह घटना हुई जिसके बाद पुलिस ने एक व्यक्ति को हिरासत में ले लिया तथा तीन अन्य की तलाश कर रही है।

उन्होंने बताया कि मृतक की पहचान विट्ठल कोंडिबा गायकर के रूप में हुई है जबकि उनके दोस्त शंकर लक्ष्मण वर्ते (52) घायल हैं और उनका इलाज चल रहा है। श्रीनगर पुलिस थाने में दर्ज करायी गयी प्राथमिकी के अनुसार, संतोष पवार, महेश पवार, अमित पवार और महेश पाटिल ने कथित तौर पर उन विट्ठल और शंकर पर हमला किया जिनसे उनकी दुश्मनी थी। इसके बाद आरोपियों ने कथित तौर पर अपनी कार से उन दोनों को टक्कर मार दी, जिससे विट्ठल की मौत हो गई।

पुलिस अधिकारी ने कहा, ''यह एक नृशंस हत्या थी। हमने पूछताछ के लिए एक व्यक्ति को हिरासत में लिया है और बाकी आरोपियों की तलाश कर रहे हैं।' उन्होंने बताया कि भारतीय न्याय संहिता की धाराओं 103(1) (हत्या) और 109(1) (हत्या का प्रयास) के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है।

सम्पादकीय

अमेरिका की मनमानी शर्तों का भारत ने दिया सटीक जवाब, रूस-चीन संग भी बदला समीकरण; बैकफुट पर डोनाल्ड ट्रंप

शक्ति का दंभ कई बार जल्दबाजी का वाहक बनता है और इस क्रम में जो फैसले लिए जाते हैं, अक्सर उन्हें लेकर ऊहापोह बना रहता है। ऐसी स्थिति में आशंकाओं के घेरे की वजह से विरोधाभासी प्रतिक्रियाएं स्वाभाविक होती हैं। अमेरिका ने जिस तरह एकतरफा तौर पर अपने यहां आयातित वस्तुओं पर शुल्क लगाने का फैसला किया, वह पहले ही सवालों के घेरे में था। उसके बाद जब उसने रूस से तेल खरीदने को लेकर भी भारत पर दबाव बनाने की कोशिश की, तब यह साफ था कि वह व्यापार वार्ता में अपनी शर्तों पर भारत की हामी चाहता है।

मगर पिछले कई दशकों के दौरान भारत और अमेरिका के बीच व्यापार का जो स्वरूप खड़ा हुआ है, उसमें भारत के लिए अमेरिका की हर बात मानना संभव नहीं है। यही वजह है कि अमेरिका के रुख में सख्ती के समांतर भारत ने झुकने के बजाय अपने लिए वैकल्पिक उपायों पर विचार करना शुरू कर दिया। एक शानदार कूटनीति का परिचय देते हुए भारत ने रूस और चीन के साथ बातचीत को आगे बढ़ाया और चीन के तियानजिन में हुए शंघाई सहयोग संगठन के सम्मेलन के घोषणापत्र में भी अपने हित के मुद्दे को शामिल कराने में कामयाबी हासिल की।

गौरतलब है कि रूस और भारत के बीच लंबे समय से मजबूत संबंध रहे हैं। चीन के साथ सीमा विवाद के कई प्रश्न हैं और उनकी अनदेखी नहीं की जा सकती, लेकिन फिलहाल आर्थिक मुद्दों को केंद्र में रख कर भारत ने जो कूटनीतिक बिसात तैयार की है, उसमें रूस भी अहम भूमिका में है। अगर रूस और चीन के साथ संबंध सकारात्मक दिशा में आगे बढ़े, तब स्वाभाविक ही इससे एक नया समीकरण बनेगा, जो आर्थिक और सामरिक दृष्टि से अमेरिका के लिए चुनौती साबित हो सकता है।

यही वजह है कि शुल्क लगाने को लेकर बेहद हड़बड़ी में कदम उठाने के बाद से ही अमेरिका के राष्ट्रपति और अन्य नेताओं के आए दिन ऐसे बयान सामने आ रहे हैं, जिससे ऐसा लगता कि वे दबाव पैदा करके भारत के फैसलों को प्रभावित करना चाहते हैं। अमेरिका की ओर से एक दिन शुल्क लगाने से उपजी समस्या का समाधान निकालने की उम्मीद जताई जाती है, तो अगले ही दिन धमकी या दबाव की भाषा अख्तियार कर ली जाती है। भारत ने अगर चीन में शंघाई सहयोग संगठन के सम्मेलन में ठोस भागीदारी के साथ-साथ रूस और चीन के साथ संबंधों को एक नया आयाम देने की कोशिश की, तो इसमें अमेरिका के विरोधाभासी रवैये की भी बड़ी भूमिका है।

यह विचित्र है कि बदलते भू-राजनीतिक परिदृश्य के बीच अमेरिका को यह समझने की जरूरत नहीं लगी कि अब दुनिया एकध्रुवीय नहीं रह गई है। भारत निश्चित रूप से अपने हित में अमेरिका के साथ व्यापार वार्ता को एक संतुलित आकार देना चाहता है, लेकिन अमेरिका के लिए अपनी शर्तें ज्यादा अहम हो गई लगती हैं। यही वजह है कि भारत ने वैकल्पिक उपाय के रूप में रूस और चीन के साथ सहयोग के मोर्चे की दिशा में ठोस कदम उठाए।

जब इसके नतीजे में रूस और चीन की ओर से भारत को लेकर एक विवेकसम्मत प्रतिक्रिया देखने को मिलने लगी है, तो अमेरिका के व्यापार सलाहकार इसे चिंताजनक बता रहे हैं। सवाल यह है कि अगर अमेरिका अपने ही विरोधाभासी फैसलों से घिरा रहता है, तो उसे भारत के अपने हित में उठाए गए कदमों से परेशानी क्यों होनी चाहिए। यह ध्यान रखने की जरूरत है कि बहुध्रुवीय विश्व में अमेरिका सहित किसी भी एक देश की मनमानी नहीं चल सकती।

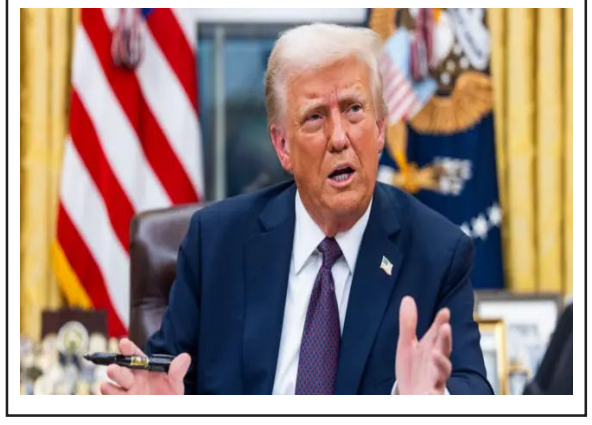

किसी के जाने के बाद भी बची रह सकती है जिंदगी, जब मां ने बेटी के दान किए हाथों को चूमा; पढ़ें रियल स्टोरी

किसी भी व्यक्ति के लिए जीवन का सबसे अनमोल उपहार क्या हो सकता है, उसके लिए जीवन में सबसे बड़ा चमत्कार क्या हो सकता है, उसके लिए सबसे बड़ी सेवा का कार्य कौन-सा हो सकता है और उसके लिए जीवन में सबसे बड़े गर्व का विषय क्या हो सकता है..! ये कुछ ऐसे सवाल हैं, जिनका यदि सबसे सटीक जवाब देना हो, तो निश्चित रूप से इन प्रश्नों का उत्तर होगा- 'अंगदान'। गौरतलब है कि एक ऐसा व्यक्ति, जो दोनों हाथों या पैरों अथवा आंखों के नहीं होने के कारण बेबसी भरा जीवन जीने के लिए बाध्य हो या जो व्यक्ति कार्निया, हृदय, फेफड़े, यकृत, गुर्दे और अग्न्याश्य आदि में से किसी अंग के अभाव में जीवन की अंतिम घड़ियां गिन रहा हो, क्या उसके लिए अंगदान जीवन का सबसे अनमोल उपहार और सबसे बड़ा चमत्कार साबित नहीं होगा?

इसी प्रकार, पूर्ण रूप से स्वस्थ व्यक्ति के लिए 'अंगदान' सबसे बड़ी सेवा और गर्व का विषय होना चाहिए। गौरतलब है कि यदि मार्च 2013 में महाराष्ट्र के छिंदवाड़ा निवासी एक परिवार ने शोक की घड़ी मां दिमागी तौर पर मृत (ब्रेन-डेड) अपने अठारह वर्षीय पुत्र के अंगदान करने का निर्णय नहीं लिया होता, तो मृत्यु की गर्त में समाने के लिए मजबूर नागपुर के दो लोगों में गुर्दे प्रत्यारोपित कर जीवन का सबसे अनमोल उपहार नहीं दिया जा सकता था।

ऐसे तमाम लोग जो अपने जीवन के सबसे कठिन और चुनौतीपूर्ण क्षणों में भी मानवता के हित और सहजीवन के उत्कर्ष को महत्त्व देते हुए अंगदान करने का निर्णय लेते हैं, वे सदा-सर्वदा धन्यवाद और सम्मान के अधिकारी रहेंगे। हालांकि, मार्च 2013 में वह परिवार अपने पुत्र के अंगदान के पक्ष में नहीं था, लेकिन अब वे मानते हैं कि बेटे के अंगदान का

निर्णय अच्छा था। अब जब भी बेटे के कारण नया जीवन पाने वाला युवक और उसका परिवार मिलने आता है, तो लगता है कि उनका बेटा ही मिलने आया हो। यह अंगदान के महत्त्व को दर्शाता है।

इसी प्रकार, गुजरात के वलसाड की नौ वर्षीय एक बच्ची को दिमागी तौर पर मृत घोषित किए जाने के बाद चिकित्सकों के प्रेरित करने पर उसके परिजनों ने बच्ची के अंगदान किए। इससे पांच लोगों को नई जिंदगियां मिलीं। इनमें नवसारी के तेरह साल के एक किशोर को एक गुर्दा और अहमदाबाद के दो लोगों को दूसरे गुर्दे तथा लिवर से नया जीवन मिला। वहीं, बच्ची के फेफड़ों ने तमिलनाडु की एक बच्ची में नई जान भरने, जबकि उसके हाथों ने मुंबई की एक अन्य बच्ची को नया जीवन देने का कार्य किया।

इसी वर्ष, रक्षाबंधन पर जब मुंबई की बच्ची खुद को अंगदान करने वाली बच्ची के घर उसके सगे भाई को राखी बांधने पहुंची, तो उसकी मां उस बच्ची के शरीर में जुड़े अपनी बेटी के हाथों को चूम कर रोने लगीं। यह देख वहां मौजूद सभी लोगों की आंखें नम हो गईं। यानी अंगदान करने वाली बच्ची इस दुनिया में नहीं है, लेकिन वह दो परिवारों का जीवन रोशन कर रही है। बहरहाल, इस तरह की कहानियों की तरह देश में अंगदान वाली कई प्रेरणादायक कहानियां हैं, लेकिन जरूरत हजारों-लाखों की है।

दुर्भाग्य से, भारत में अंगदान को लेकर जागरूकता का बेहद अभाव है। देश में मौजूद अनेक प्रकार की भ्रामक धारणाएं अंगदान के विरुद्ध बड़ी चुनौती साबित होती रही हैं। यही कारण है कि देश में भारी अंतर होने से अंग-प्राप्ति के लिए प्रतीक्षारत लोगों का जीवन दुश्वार होता जा रहा है। विशेषज्ञों के अनुसार, इसका सबसे बड़ा कारण दिमागी तौर पर मृत रोगियों से अंगदान के प्रति जागरूकता की कमी है। देश में पचासी फीसद अंगदान जीवित व्यक्तियों, यानी परिजनों द्वारा और केवल पंद्रह फीसद 'ब्रेन-डेड' रोगियों से होता है, जबकि नब्बे फीसद अंगदान दिमागी तौर पर मृत रोगियों से होने चाहिए।

'नेशनल आर्गन एंड टिश्यू ट्रांसप्लांट आर्गनाइजेशन' (एनओटीटीओ) के अनुसार, देश में प्रत्येक वर्ष लगभग 1.8 लाख लोग गुर्दे पूरी तरह खराब होने, अस्सी हजार लोग यकृत पूरी तरह खराब हो जाने और पचास हजार लोग हृदय रोगों के कारण अंग-प्रत्यारोपण की प्रतीक्षा में रहते हैं, जबकि भारत में अंगदान की दर प्रति दस लाख लोगों पर केवल 0.86 फीसद है, जो वैश्विक औसत से बहुत कम है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्लूएचओ) के आंकड़े बताते हैं कि भारत में अंगों की अनुपलब्धता के कारण प्रतिवर्ष पांच लाख लोगों की मौत हो जाती है।

इनमें से दो लाख यकृत की, डेढ़ लाख गुर्दा संबंधी और पचास हजार लोग हृदय की बीमारियों से प्रतिवर्ष जान गंवा बैठते हैं। तात्पर्य यह कि अंगदान और प्रत्यारोपण की दिशा में प्रगति तो हो रही है, लेकिन मांग और आपूर्ति के बीच खाई नहीं मिट रही।

इस खाई को पाटने के लिए प्रचार माध्यमों और सोशल मीडिया के जरिए देश भर में अंगदान के प्रति लोगों को जागरूक करना लाभकारी साबित हो सकता है। इसी प्रकार, विद्यालय, महाविद्यालय और विश्वविद्यालय स्तर पर विभिन्न प्रकार के कार्यक्रमों, योजनाओं, पाठ्यचर्या आदि के जरिए बच्चों, किशोरों और युवाओं को जागरूक किया जा सकता है। इसके अलावा, दुनिया भर में सर्वाधिक अंगदान करने वाले देश स्पेन की 'आप्ट-आउट' प्रणाली भी भारत में अंगदान को बढ़ाने के कार्य में एक बड़ा कदम साबित हो सकती है। इस प्रणाली के अनुसार स्पेन में प्रत्येक व्यक्ति जन्मजात अंगदाता होता है।

हालांकि भारत जैसे विविधता वाले देश में इसे लागू करना चुनौतीपूर्ण है, लेकिन मध्य प्रदेश सरकार का इसी वर्ष एक जुलाई से अंगदाताओं के पार्थिव शरीर को 'गार्ड आफ ऑनर' से सम्मानित करने का निर्णय अत्यंत ही महत्त्वपूर्ण एवं प्रेरक कदम माना जा सकता है। यह निश्चित रूप से अंगदान को बढ़ावा देने में सहायक साबित होगा। इसी तरह राष्ट्रीय स्तर पर अंगदान करने वाले लोगों और उनके परिजनों को प्रोत्साहन राशि प्रदान करना और उन्हें सम्मानित करना अंगदान के मामले में 'मील का पत्थर' साबित हो सकता है।

अंधविश्वास आदि सामाजिक विकृतियों के विरुद्ध वैज्ञानिक दृष्टिकोण पैदा करने के लिए समुदाय स्तर पर जागरूकता कार्यक्रम चलाया जाना तथा सभी सरकारी, गैर-सरकारी अस्पतालों में अंगदान के लिए अनुकूल एवं आधुनिक व्यवस्था करना भी जरूरी है, ताकि यथासमय स्वस्थ एवं सुरक्षित अंगदान सुनिश्चित किया जा सके। अंगदान जैसे मानवीय अभियान को सफल बनाने के लिए ढांचागत व्यवस्था को आधुनिक बनाने के अलावा इस कार्य को राष्ट्र, संस्कृति और समाज के लिए सम्मान और गौरव का प्रतीक बनाने की भी आवश्यकता है।

इससे अंगदान करने वाला प्रत्येक व्यक्ति या उसके परिजन इस बात के लिए संतुष्ट और निश्चिंत रहेंगे कि उसने अपने अंगों का दान उचित समय और स्थान पर किया है। साथ ही, वे सम्मानित और गौरवान्वित भी महसूस कर सकेंगे। इसके लिए जरूरी है कि इस अभियान से देश के नामचीन एवं प्रभावशाली लोगों, आध्यात्मिक विभूतियों, सामाजिक संस्थानों और सामुदायिक संगठनों को जोड़ा जाए, जो अंगदान के लिए प्रेरित करने में बड़ी भूमिकाएं निभा सकते हैं।

खुश रहना है तो कुर्सी से उठिए, वरना डॉक्टर से मिलते रहिए बैठे-बैठे अमीरी के सपने देखने से बेहतर है चौराहे तक टहल आएं

अक्सर लोग अपनी आराम-तलब जीवनशैली को अपने सुख से जोड़ लेते हैं। वे अपनी पैतृक संपत्ति, जमीन-जायदाद आदि को स्थायी मानकर बैठे-बिठाए जीवन बिताने को रईसी और शान का प्रतीक समझते हैं। ऐसे लोग प्रायः मलूक दास की यह पंक्ति दोहराते मिल जाते हैं- 'अजगर करे न चाकरी, पंछी करे न काम, दास मलूका कह गए, सबके दाता राम।' जबकि इन पंक्तियों में यह अर्थ छिपा है कि अत्यधिक संपत्ति इकट्ठा करने, लालच करने और सदैव ऐश्वर्य प्राप्ति की चिंता में घुलते रहने से व्यक्ति के जीवन की सच्ची शांति खो जाती है। कुदरत ने सभी के जीने के लिए राहें बनाई है। हमारा काम अपना कर्तव्य निभाते हुए हुए उन राहों पर चलना है। यह सही है कि खुशियां न तो सिर्फ काम-काम या पैसा-पैसा करने से मिलती है और न ही सब कुछ छोड़कर आराम करने से। बल्कि जिंदगी की खुशियों के लिए काम और आराम के बीच सही संतुलन की आवश्यकता है।

कुछ वर्ष पहले महामारी की मार समाज के हर तबके पर किसी न किसी रूप में पड़ी। लाखों लोगों ने अपनों को खोया। रोजी-रोजगार, उद्योग धंधे, सामान्य कामकाज आदि भी व्यापक रूप से प्रभावित हुए। पर इस दौरान एक महत्त्वपूर्ण बात निकलकर सामने आई, जिसने स्वास्थ्य के प्रति हमारी सोच को बदलने का काम किया। दरअसल, काल के गाल में समा चुके लाखों लोगों में समाज के कामगार, मजदूर और कृषि से जुड़े मेहनतकश लोगों की संख्या सबसे कम रही। आधुनिक आराम-तलब जिंदगी से दूर, मिट्टी से जुड़े लोग स्वास्थ्य के स्तर पर आमतौर पर सुरक्षित रहे। उनकी सक्रिय जीवन पद्धति और हर वातावरण में टिके-बचे रहने की शक्ति ने उन्हें इससे दूर रखा।

शारीरिक श्रम, जिसे ज्यादातर सक्षम और संपन्न लोग बेचारगी की दृष्टि से देखते हैं, शायद वही हमारे स्वास्थ्य की बेहतरी का रास्ता है। वर्तमान समय में अधिकांश लोग और खासकर युवा आधुनिक जीवनशैली के नाम पर आराम-तलबी के फंदे में फंसकर गंभीर बीमारियों को गले लगाते जा रहे हैं। पहले शारीरिक श्रम से जुड़े कामों और चलने-फिरने से दूर होना, फिर अपने को तंदुरुस्त और सौष्ठव बनाने और दिखाने के लिए कृत्रिम साधनों, व्यायाम केंद्रों की पनाह में जाना एक चलन बन चुका है।

आजकल छोटी से छोटी जगहों पर भी कई-कई जिम का होना और उनमें जरूरत तथा बिना जरूरत उमड़ती युवाओं की भीड़ एक सामान्य बात है। जबकि बगैर किसी जानकारी के ऐसे संसाधनों को अपनाना घातक बीमारियों को निमंत्रण देना ही है। बिना सोचे-समझे कठिन कसरत से उच्च रक्तचाप, मांसपेशियों में ऐंठन, हड्डियों में कमजोरी, मांसपेशियों को नुकसान, मस्तिष्क में हार्मोन का असंतुलन, रोग प्रतिरोधक क्षमता का कमजोर होना जैसी बहुत सारी समस्याएं लोगों को बीमार बनाने के साथ ही काल के गाल में भी धकेल रही हैं।

आज बड़ों के साथ-साथ बच्चों में भी निष्क्रिय या गतिहीन जीवनशैली आम हो चुकी है। बच्चों में निष्क्रिय जीवनशैली का अर्थ है बहुत कम शारीरिक गतिविधि और लंबे समय तक बैठे या लेटे रहना। स्कूलों की अत्यधिक समय लेने वाली ऊबाऊ गतिविधियां, किताबों का बढ़ता बोझ, लगातार और बहुत अधिक स्मार्टफोन की स्क्रीन में खोए रहना, शारीरिक गतिविधियों, खेल-कूद से बढ़ती दूरी, परिवार में आपस में बढ़ती संवादहीनता और बढ़ता अकेलापन, नकारात्मक वातावरण, अस्वस्थ खान-पान आदि बच्चों से उनका बचपन छिनकर उन्हें मानसिक और शारीरिक रूप से बीमार बना रहा है। अभिभावकों को लगता है कि अपने बच्चों को ज्यादा से ज्यादा व्यस्त रखकर, व्यक्तित्व के विकास के नाम पर उन्हें कई आवश्यक, अनावश्यक गतिविधियों से जोड़कर, उनकी गैरजरूरी बातों को भी पूरा कर, खेल-कूद की ओर उन्मुख न कर और सुख के संसाधनों का जमावड़ा लगाकर उनका भला कर रहे हैं। पर वास्तव ऐसे माता-पिता जाने-अनजाने अपने बच्चों के जीवन को गर्त में धकेल रहे हैं। उन्हें शारीरिक-मानसिक रूप से बीमार और कमजोर बना रहे हैं।

बीसवीं सदी के मध्य में जेरेमी मोरिस और राल्फ पैफेनबर्गर के शोध ने शारीरिक गतिविधियों और स्वास्थ्य के संबंध को समझने की नींव रखी थी। अपने शोध में उन्होंने पाया कि शारीरिक श्रम करने वालों की तुलना में बैठकर काम करने वालों को हृदय संबंधी बीमारियों से मृत्यु दर अधिक थी। इस शोध से दिल की सेहत को बनाए रखने के लिए शारीरिक गतिविधियों के महत्त्व के प्रति लोगों की धारणा में बड़ा बदलाव आया।

आज कार्यालयों में बैठ कर काम करने वाले तमाम लोग दिन भर की व्यस्तता के बाद भी अपनी निष्क्रिय जीवनशैली के कारण स्वास्थ्य से संबंधित समस्याओं का सामना कर रहे हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन की एक रपट के अनुसार, दुनिया में आज ज्यादातर लोग निष्क्रिय जीवन बिता कर कई-कई स्वास्थ्य समस्याओं का सामना कर रहे हैं। भारत में भी निष्क्रिय जीवनशैली लोगों के बीच आम होती जा रही है। जबकि शारीरिक निष्क्रियता एक बड़ी आबादी के लिए सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए एक बड़ी समस्या के रूप में सामने आई है। यह हृदय रोग, मधुमेह, मोटापा, कुछ प्रकार के कैंसर, उच्च रक्तचाप जैसी खतरनाक बीमारियों के अलावा मानसिक अवसाद का कारण भी बन रहा है।

कहा जा सकता है कि शारीरिक सक्रियता में ही बच्चे और बड़े सभी के स्वस्थ और सुखी जीवन का सार छिपा है। दैनिक जीवन के कामों में ज्यादा से ज्यादा भागीदारी, पैदल चलना, टहलना, सीढ़ियां चढ़ना, मोबाइल या कंप्यूटर देखने के समय को कम से कम करना, खेलना-कूदना, योग, स्वास्थ्य लक्ष्य का निर्धारण आदि के द्वारा जीवन में शारीरिक सक्रियता का समावेश कर स्वास्थ्यकर जीवन जिया जा सकता है।

चीन-भारत के मिठास भरे संबंधों से नयी विश्व संरचना संभव

शंघाई कोऑपरेशन ऑर्गनाइजेशन (एससीओ) शिखर बैठक में हिस्सा लेने पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच रविवार को हुई द्विपक्षीय बातचीत पर अगर दुनिया भर की नजरें टिकी थीं तो यह उद्देश्यपूर्ण एवं वजहपूर्ण थी, क्योंकि बदलती दुनिया में हाथी और ड्रैगन का साथ-साथ चलना जरूरी हो गया है। दोनों शीर्ष नेताओं की सौहार्दपूर्ण बातचीत ने न केवल दोनों देशों के रिश्तों में बढ़ते सामंजस्य की प्रक्रिया को मजबूती दी है बल्कि कई तरह की अनिश्चितताओं के बीच विश्व अर्थ-व्यवस्था के लिए भी नई संभावनाएं पैदा की हैं, चीन में दिखे दोनों देशों के मिठासभरे संबंध अनेक नई आशाओं एवं उम्मीदों को नया आकाश देने वाले बनते हुए प्रतीत हुए हैं। दोनों देशों के रिश्तों में लंबे समय बाद सकारात्मकता की नई हवा बहती दिखाई दे रही है। एससीओ शिखर सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री मोदी और चीनी राष्ट्रपति जिनपिंग की मुलाकात ने संकेत दिया है कि दोनों देश पुराने मतभेदों और अविश्वास को पीछे छोड़कर साझेदारी की नई इबारत लिखना चाहते हैं। यह मुलाकात केवल कूटनीतिक शिष्टाचार नहीं थी, बल्कि बदलते वैश्विक परिदृश्य में सहयोग और संवाद की अपरिहार्यता को स्वीकार करने का प्रयास थी।

भारत-चीन दोनों ही विश्व की बड़ी अर्थव्यवस्थाएं और विशाल जनसंख्या वाले देश हैं। ऐसे में यदि दोनों साथ आते हैं तो न केवल आपसी विकास संभव है, बल्कि वैश्विक संतुलन और शांति की दिशा में भी बड़ा योगदान होगा। हालांकि सीमाई विवाद और विश्वास की कमी जैसे मुद्दे अब भी बने हुए हैं, परंतु यदि इन्हें परे रखकर साझा आर्थिक, सामरिक और सांस्कृतिक सहयोग को प्राथमिकता दी जाए तो यह संबंध नई ऊँचाइयों को छू सकते हैं। भारत और चीन के बीच यह संवाद केवल दो देशों तक सीमित नहीं है, बल्कि अमेरिका और पश्चिमी देशों के दबदबे के बीच एशियाई शक्ति संतुलन को नई दिशा दे सकता है। यदि दोनों राष्ट्र व्यावहारिक दृष्टिकोण अपनाकर आपसी हितों पर ध्यान केंद्रित करें तो न केवल तनाव कम होंगे, बल्कि विश्व राजनीति में एशिया की भूमिका भी मजबूत होगी। निश्चित ही लंबे समय से चली आ रही आपसी अविश्वास की दीवारों और तनाव की बर्फ को पिघलाने का प्रयास हुआ है।

सबसे पहले, इन वार्ताओं ने यह संकेत दिया है कि भारत और चीन अब केवल मतभेदों में उलझे रहने के बजाय साझेदारी की संभावनाओं पर ध्यान दे रहे हैं। व्यापार, निवेश और तकनीकी सहयोग की दिशा में नए आयाम खुल सकते हैं। चीन भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है और यदि यह संबंध संतुलन और पारस्परिक विश्वास पर आधारित हो जाए, तो दोनों देशों की अर्थव्यवस्था को अपार गति मिल सकती है। इस मुलाकात ने अमेरिका की 'दादागिरी' पर भी चोट की है। डोनाल्ड ट्रंप की आक्रामक आर्थिक नीतियां और संरक्षणवादी रुख एशिया के उभरते राष्ट्रों को नई गठबंधन राजनीति की ओर धकेल रहा है। भारत-चीन के बीच बढ़ती समझदारी और रूस की भूमिका के साथ एक 'त्रिकोणीय शक्ति' का उभार संभव है, जो पश्चिमी वर्चस्व को चुनौती देगा। यह न केवल शक्ति-संतुलन की नई धुरी बनेगा, बल्कि विश्व शांति और सौहार्द की दिशा में भी महत्वपूर्ण योगदान दे सकता है। पाकिस्तान पर भी इसका असर दिखना स्वाभाविक है। भारत-चीन की नजदीकी पाकिस्तान के लिए असुविधा का कारण बनेगी, क्योंकि उसकी विदेश नीति लंबे समय से चीन पर आश्रित रही है।

भारत-चीन संबंधों का यह नया अध्याय यदि संतुलित, यथार्थवादी और सावधानीपूर्वक आगे बढ़ाया जाए तो एशिया ही नहीं, पूरे विश्व की राजनीति में एक स्थिरता और संतुलन स्थापित हो सकता है। यह विश्व को बहुध्रुवीय बनाने की दिशा में ठोस कदम होगा। लेकिन, इन सकारात्मक संकेतों के बावजूद भारत को सावधानी बरतनी होगी। इतिहास गवाह है कि चीन के साथ हर मित्रवत वार्ता के पीछे उसका रणनीतिक हित गहराई से काम करता है। डोकलाम, गलवान और सीमाई विवाद आज भी अधर में हैं। चीन की आर्थिक नीतियों और विस्तारवादी प्रवृत्ति को अनदेखा करना भारत के लिए नुकसानदायक साबित हो सकता है। इसलिए यह साझेदारी अवसर तो है, लेकिन चुनौती भी। भारत को यह ध्यान रखना होगा कि व्यापारिक रिश्तों और राजनीतिक साझेदारी में आत्मनिर्भरता और सुरक्षा सर्वोपरि रहे। भारत को हर स्थिति में अपनी संप्रभुता, सुरक्षा और रणनीतिक हितों के साथ कोई समझौता नहीं करना चाहिए। भले ही शंघाई सहयोग संगठन में आतंकवाद से लड़ना भी शामिल हो, लेकिन इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि चीन ने इस मुद्दे पर किस तरह भारतीय हितों के खिलाफ काम किया है। पाकिस्तान के खिलाफ ऑपरेशन सिन्दूर के समय चीन की भूमिका को ओझल नहीं किया जा सकता। बावजूद इसके चीन भारत की निकटता वक्त की जरूरत है।

2020 में हुई गलवान घाटी की झड़प के बाद यह प्रधानमंत्री मोदी का पहला चीन दौरा है। जाहिर है, दोनों देशों के रिश्तों के मद्देनजर यह सवाल महत्वपूर्ण था कि इस बैठक में दोनों शीर्ष नेताओं के बीच बनी सहमति कितनी दूर तक जाती है। लेकिन इसी बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप की टैरिफ घोषणाओं से जो असामान्य हालात पैदा हुए हैं, उसने दोनों नेताओं की बातचीत की अहमियत को और बढ़ा दिया। अमेरिका एवं चीन, अमेरिका एवं भारत के नये बने तनावपूर्ण माहौल में हुई मोदी और शी की इस बातचीत ने कई स्तरों पर पॉजिटिव संकेत दिए हैं। खासकर प्रधानमंत्री मोदी का यह कहना अर्थपूर्ण है कि भारत और चीन दोनों ही देश सामरिक स्वायत्तता रखते हैं और इनके आपसी रिश्तों को किसी तीसरे देश के चश्मे से नहीं देखा जाना चाहिए। ध्यान रहे, ट्रंप ने भारत पर जो 50 फीसदी टैरिफ लगाया है, उसके लिए एक तीसरे देश रूस के साथ भारत के रिश्तों को ही आधार बनाया गया है। इस बयान के जरिए प्रधानमंत्री मोदी ने यह परोक्ष संकेत दिया है कि सामरिक स्वायत्तता का सम्मान करते हुए ही द्विपक्षीय रिश्ते फल-फूल सकते हैं। इस तरह प्रधानमंत्री मोदी और चीन के राष्ट्रपति जिनपिंग की मुलाकात न केवल द्विपक्षीय रिश्तों को पुनर्परिभाषित करती है, बल्कि वैश्विक राजनीति पर भी गहरा असर डाल रही है। इस वार्ता को महज़ दो पड़ोसी देशों का संवाद मानना भूल होगी; यह इक्कीसवीं सदी के बदलते शक्ति समीकरणों का प्रतीक है, यह एक नये शक्ति का अभ्युदय दुनिया में संतुलन एवं शांति का सशक्त माध्यम बनेगा। भारत, चीन और रूस के बीच बढ़ती नजदीकी वैश्विक शक्ति-संतुलन के नए युग की आहट देती है। यदि यह त्रिकोणीय शक्ति प्रभावी रूप से उभरती है, तो न केवल एशिया की आर्थिकी और सुरक्षा संरचना को मजबूती मिलेगी, बल्कि विश्व में बहुध्रुवीयता की वास्तविक नींव भी रखी जाएगी। ऊर्जा, रक्षा, तकनीक और व्यापार जैसे क्षेत्रों में तीनों देशों का सहयोग पश्चिमी देशों की एकाधिकारवादी प्रवृत्ति को चुनौती देगा। खासकर रूस की सामरिक मजबूती, चीन की आर्थिक शक्ति और भारत का जनतांत्रिक एवं नैतिक प्रभाव मिलकर ऐसी नई धुरी रच सकते हैं, जो केवल शक्ति का संतुलन ही नहीं बल्कि शांति और सह-अस्तित्व की भी नई परिभाषा प्रस्तुत करेगी।

दूसरी ओर, यह उभरता हुआ शक्ति-संतुलन अमेरिका की 'दादागिरी' के लिए एक सीधी चुनौती है। डोनाल्ड ट्रंप की विदेश नीति संरक्षणवाद, दबाव और व्यापार युद्ध की रणनीति पर टिकी रही है, जिसने न केवल चीन बल्कि भारत जैसे देशों को भी सतर्क किया है। यदि भारत-चीन-रूस का यह समीकरण मजबूत होता है, तो ट्रंप की एकतरफा नीतियां प्रभावहीन हो जाएंगी और वैश्विक राजनीति में अमेरिका का वर्चस्व सीमित हो जाएगा। इस नये शक्ति-संतुलन से छोटे और विकासशील देशों को भी राहत मिलेगी, क्योंकि उन्हें अब केवल एक ध्रुवीय दबाव का सामना नहीं करना पड़ेगा। यह स्थिति विश्व में लोकतांत्रिक संतुलन और समानता की भावना को प्रोत्साहित करेगी।यह शुभ संकेत है कि अब हाथी और ड्रैगन के साथ आने की संभावना रेखांकित की जाने लगी है। लेकिन उसके लिए अभी दोनों देशों को लंबी दूरी तय करनी होगी, बहुत सारे मतभेद और विवाद दूर करने होंगे। इसका अंदाजा दोनों पक्षों को है। तभी बैठक के बाद जारी बयान में कहा गया है कि मतभेद झगड़े में तब्दील नहीं होने चाहिए।

टीचर्स डे के अवसर पर फिजिक्सवाला के संस्थापक और सीईओ, और लाखों छात्रों के शिक्षक

आलख पांडे ने अपने गृहनगर प्रयागराज के एक सरकारी स्कूल - राजकीय बालिका इंटर कॉलेज कटरा का दौरा किया

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। उन्होंने स्कूल की बुनियादी ढांचे से जुड़ी समस्याओं के बारे में जानने के बाद यह कदम उठाया। सुरक्षित पेयजल की सुविधा की कमी, बार-बार बिजली कटना, स्कूल की प्रयोगशाला का न होना जैसी चुनौतियों के बावजूद, शिक्षक और छात्र अद्भुत धैर्य के साथ अपनी सीखने की यात्रा जारी रखे हुए थे। उनकी इस भावना से प्रभावित होकर, आलख सर ने तुरंत अपनी टीम को स्कूल की जरूरी जरूरतों को पूरा करने के निर्देश दिए, जिनमें वाटर कूलर लगवाना, कक्षाओं में पंखे लगाना, बैकअप पावर के लिए इन्वर्टर की व्यवस्था करना, एक विज्ञान प्रयोगशाला बनवाना और अन्य सुविधाएं शामिल थीं। बुनियादी ढांचे से परे, उन्होंने पीडब्ल्यू के नवीनतम शैक्षणिक नवाचार 'पाई बॉक्स' को भी प्रस्तुत किया, जो ऑफलाइन और ऑनलाइन दोनों तरह का इमर्सिव लर्निंग अनुभव देने का एक समाधान है। पीडब्ल्यू की टीम द्वारा विकसित यह पाई

बॉक्स किसी भी टेलीविजन या स्क्रीन को एक स्मार्ट, ऑफलाइन, इंटरैक्टिव लर्निंग हब में बदल देता है। इसे कम संसाधनों वाले वातावरण में उच्च गुणवत्ता वाली, व्यक्तिगत शिक्षा पहुँचाने के लिए बनाया गया है, जो विशेष रूप से सरकारी स्कूलों के लिए उपयोगी है। यह पाई बॉक्स, जिसमें पीडब्ल्यू के कक्षा व्याख्यानों की शैक्षणिक सामग्री पहले से उपलब्ध है, न केवल छात्रों को उनके नियमित पाठ्यक्रम में मदद करेगा बल्कि उन्हें जेईई (र् वें), नीट (ऊं) आदि जैसे कई प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में भी सहायता करेगा। उन्होंने यह भी कहा कि छात्र चाहें तो इंटरनेट से जोड़कर किसी अन्य शैक्षणिक प्लेटफॉर्म या ऐप से भी सीख सकते हैं।दौरे के दौरान आलख सर ने छात्रों से सीधे संवाद किया और उनके सपनों व आकांक्षाओं के बारे में पूछा। उन्होंने छात्रों को उनके लक्ष्य पूरा करने के लिए प्रेरित किया, खासकर लड़कियों को उन्होंने अपनी शिक्षा को प्राथमिकता देने और अपनी क्षमता पर विश्वास रखने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने छात्रों से आत्मविश्वास व दृढ़ निश्चय के महत्व पर ज़ोर देते हुए कहा, 'आपकी शुरुआत आपकी मंज़िल को तय नहीं करती।

उन्होंने यह भी बताया कि तकनीक किस तरह सीखने के परिणामों को बदलने में बड़ा सहायक बन सकती है और चर्चा की कि पीडब्ल्यू देशभर में ऐसे और स्कूलों की मदद करने की दिशा में कैसे काम करेगा। यह दौरा फिजिक्सवाला के उस मिशन का महत्वपूर्ण हिस्सा है, जिसमें तकनीक, सहानुभूति और जमीनी स्तर की कार्रवाई के संयोजन से, विशेष रूप से वंचित समुदायों में, शिक्षा की खाई को कम करने का प्रयास किया जा रहा है।

अंदावा चौराहे स्थित अपना ब्लड बैंक की द्वितीय वर्षगांठ के मौके पर लगा रक्तदान शिविर व रक्तदाताओं को किया सम्मानित

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। अंदावा झूंसी स्थित अपना ब्लड बैंक के प्रबंधक निखिल श्रीवास्तव द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें ह्यूमैनिटी इंडिया ट्रस्ट व राष्ट्रीय सामाजिक सुरक्षा संगठन चैरिटेबल ट्रस्ट ने सहयोग प्रदान किया।

मीडिया से रूबरू होते हुए प्रबंधक निखिल श्रीवास्तव ने बताया कि अपना ब्लड बैंक संस्थान द्वारा अब तक 8500 मरीजों की मदद की जा चुकी है और लगातार बढ़ते मरीजों को देखते हुए आज द्वितीय वर्षगांठ के मौके पर ह्यूमैनिटी इंडिया ट्रस्ट व राष्ट्रीय सामाजिक सुरक्षा संगठन चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा रक्तदान शिविर महोत्सव का आयोजन किया गया।

जिसकी शुरूआत अपना ब्लड बैंक के डायरेक्टर डॉ सुनील विश्वकर्मा व स्वरूपरानी अस्पताल के प्रख्यात सर्जन, असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ संतोष सिंह द्वारा केक काटकर की गइ।

उसके बाद प्रख्यात कवि, उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा पुरस्कृत लेखक, 40 बार के रक्तदाता श्री बागी विकास द्वारा लिखित रचना 'ये खून देकर' का पोस्टर विमोचन किया गया और उसे डोनर रूम में चस्पा किया गया। फिर रक्तवीरों के हुजूम ने एक एक करके रक्तदान कर लोगों की जान बचाने का प्रण लिया। सभी रक्तवीरों को सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया गया।

रक्तदाताओं की सूची में ग्लोबल कमला हॉस्पिटल प्रबंधक हरिशंकर विश्वकर्मा, कमला नेहरू हॉस्पिटल के डॉ अविनाश विश्वकर्मा, डॉ प्रमोद उपाध्याय, फतेह एंटरप्राइजेज के डायरेक्टर राज तिलक सिंह, अमन कुमार, उमेश कुमार निषाद, मंगला प्रसाद, हर्षित पांडेय, राहुल कुमार, संजय कुमार, शमशेर यादव, सोहन लाल, मां शारदा मेडिकल्स के डायरेक्टर अनुज प्रताप सिंह, उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी सांस्कृतिक प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष अंकित सिंह यादव, प्रदीप सिंह, प्रथम बार के रक्तदाता आदर्श सिंह समेत 30 लोगों ने रक्तदान किया। इस मौके पर रक्तवीर अनूप बिंद, समाजसेवी विनोद शर्मा, इलाहाबाद विश्वविद्यालय शोध छात्र वेद प्रकाश सिंह, छात्रनेता चंद्रशेखर अधिकारी, शशिकांत पटेल, प्रफुल्ल पांडे, कोमल पटेल, कौशिकी सिंह, अर्जुन सिंह, अंबिका प्रजापति, पूनम पाल शामिल रहें।

42वीं वाहिनी पीएसी नैनी में निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। जीवन ज्योति अस्पताल, रामबाग, प्रयागराज द्वारा 42वीं वाहिनी पीएसी, नैनी में बुधवार को प्रातः 10:00 बजे से अपराह्न 4:00 बजे तक निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का सफल आयोजन किया गया।

शिविर में प्रतिभागियों को निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण एवं परामर्श प्रदान किए गए। इसमें शामिल थे - रैंडम ब्लड शुगर, रक्तचाप, , कैल्शियम, कोलेस्ट्रॉल, तापमान, स्पाइरोमेट्री, साथ ही डॉक्टर परामर्श एवं निःशुल्क दवाएँ। शिविर में लगभग 200 पीएसी के जवानों ने स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ उठाया।

कार्यक्रम की शोभा बढ़ाने हेतु मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। राजेश श्रीवास्तव, कमांडेंट देव नारायण यादव - सहायक कमांडेंट अरविंद कुमार सिंह - शिविरपाल जीवन ज्योति अस्पताल प्रबंधन की ओर से उपस्थित रहे तौसीफ हसन महाप्रबंधक (कॉरपोरेट) अजय मौर्य महाप्रबंधक (मार्केट) साथ ही चिकित्सकों एवं स्टाफ की समर्पित टीम कमांडेंट राजेश श्रीवास्तव ने इस शिविर में कार्यरत सभी स्टाफ की सराहना की तथा जीवन ज्योति अस्पताल को धन्यवाद दिया। उन्होंने विशेष रूप से डा. वंदना बंसल एवं डा. अर्पित बंसल का इस सामाजिक कार्य के लिए आभार व्यक्त किया। यह शिविर समुदाय के स्वास्थ्य एवं जनकल्याण के प्रति अस्पताल की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

आरक्षियों की पदोन्नति रोकने पर हाईकोर्ट की रोक, हेड कांस्टेबल पद पर कार्य करने का आदेश

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने गाजियाबाद के आरक्षी सौरभ शर्मा और सचिन शर्मा को बड़ी राहत दी है। कोर्ट ने उन्हें हेड कांस्टेबल के पद पर कार्य जारी रखने और नियमित वेतन भुगतान करने का आदेश दिया है। साथ ही, 5 जून 2025 को पारित उस आदेश पर रोक लगा दी है, जिसके तहत दोनों को पदावनत कर आरक्षी पद पर वापस भेज दिया गया था।

न्यायमूर्ति अजित कुमार ने यह आदेश अधिवक्ता इरफान अहमद मलिक की दलीलें सुनने के बाद दिया। कोर्ट ने कहा कि पदावनति के दौरान का बकाया वेतन फिलहाल याचिका के अंतिम निर्णय पर निर्भर करेगा।

याचियों की ओर से कहा गया कि उनकी पदोन्नति बंद लिफाफा प्रक्रिया के तहत की गई थी। जिस आपराधिक मामले का हवाला देकर पदोन्नति रोकी गई है, उस मामले की कार्यवाही राज्य सरकार की ही पुनरीक्षण अर्जी पर पहले से ही स्थगित है। ऐसे में केस लंबित दिखाकर पदोन्नति पर रोक लगाना अनुचित है।

कोर्ट ने टिप्पणी की कि राज्य सरकार ने मामले की जानकारी मांगे जाने के बावजूद उपलब्ध नहीं कराई। इससे प्रतीत होता है कि सरकार स्वयं इस प्रकरण में रुचि नहीं ले रही है। जब कार्यवाही पर रोक पहले से लगी हुई है तो केवल 'मामला लंबित' होने के आधार पर पदावनति उचित नहीं ठहराई जा सकती।कोर्ट ने याचिका पर राज्य सरकार से चार हफ्ते में जवाब मांगा है। अगली सुनवाई 13 अक्टूबर को होगी। साथ ही, आदेश की प्रति उचित कार्रवाई के लिए अपर मुख्य सचिव (गृह) को भेजने का निर्देश दिया गया है।

चाइल्ड एजुकेशन हेल्थ केयर द्वारा मस्ती की पाठशाला का आयोजन

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। चाइल्ड एजुकेशन एंड हेल्थ केयर फाउंडेशन द्वारा जौनपुर जिले के रामपुर कस्बे में स्थित मई रामपुर गांव के लगभग 50 बच्चों के लिए मस्ती की पाठशाला का आयोजन किया गया। जिसके अंतर्गत बच्चों ने पढ़ाई के साथ साथ योग, खेलकूद तो किया ही खाने का भी आनंद लिया। बच्चों को नैतिक शिक्षा भी दी गई। जिसमें बच्चों को खान पान रहन सहन, बात व्यवहार में किन किन बातों का ध्यान देना है। यह बताया गया। मस्ती की पाठशाला में बच्चों का उत्साह देखते ही बनता था। चाहे ऊंची आवाज में पहाड़े दोहराना हो अथवा अंग्रेजी के शब्दों का उच्चारण करना हो बच्चों की ऊर्जा और

उनका उत्साह देखते ही बनता था। यहां मिल रहे आनंद की खुशी बच्चों के चेहरे पर साफ देखी जा सकती थी। चाइल्ड एजुकेशन एंड हेल्थ केयर फाउंडेशन के मैनेजिंग डायरेक्टर मनोज राय ने बताया कि एनजीओ अभी कई दिनों से मई रामपुर गांव में अपना स्वस्थ भारत शिक्षित भारत मिशन चला रहा है। आगे इसका विस्तार अन्य गांवों में भी करने योजना है। इसके लिए एनजीओ स्कूल ऑन व्हील प्रोजेक्ट के तहत शीघ्र एक बस की व्यवस्था करने जा रहा है। ताकि स्वस्थ भारत शिक्षित भारत मिशन ढेर सारे बच्चों तक पहुंच सके। मस्ती की पाठशाला को सफलता पूर्वक आयोजित करने में रवींद्र कुमार, लाल जी भागीरथी शिक्षिका साधना और चांदनी ने विशेष सहयोग किया।

विमर्श-6 का आयोजन शनिवार को, वरिष्ठ रंगकर्मी डॉ. अनिल रस्तोगी होंगे विशेष वक्ता

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा संस्कृति कर्मियों के बीच संवाद को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से निरंतर विमर्श का आयोजन किया जाता रहा है। इसी क्रम में दिनांक 6 सितंबर (शनिवार) को शाम 5 बजे से सांस्कृतिक केंद्र परिसर के बहुउद्देशीय हॉल में विमर्श-6 का आयोजन किया जाएग, जिसका विषय है 'मेरा रंगमंच, मेरी कहानी' इस विशेष संवाद में भारतीय रंगमंच, टेलीविजन व फिल्म जगत की एक सशक्त उपस्थिति तथा वरिष्ठ रंगकर्मी डॉ. अनिल रस्तोगी अपने जीवनानुभव, सृजनात्मक यात्रा और रंगमंचीय अनुभवों को साझा करेंगे। केंद्र निदेशक सुदेश शर्मा ने बताया कि यह कार्यक्रम संस्कृति प्रेमियों, रंगमंच कार्यकर्ताओं और युवा कलाकारों के लिए अनुभवों से सीखने और प्रेरणा प्राप्त करने का एक अद्वितीय अवसर होगा। डॉ. अनिल रस्तोगी भारतीय रंगमंच के वरिष्ठ अभिनेता हैं, जिन्होंने 63 वर्षों में 1000 से अधिक नाट्य प्रस्तुतियाँ और 96 से अधिक नाटकों, 15 से ज्यादा टीवी धारावाहिकों, व 60 से अधिक फिल्मों में अभिनय किया। उन्होंने उड़ान, इश्कज़ादे, ना बोले तुम ना मैंने कुछ कहा, मुल्क, रेड जैसी लोकप्रिय फिल्मों में यादगार भूमिकाएँ निभाईं। रंगमंच के प्रति उनकी अटूट निष्ठा के चलते उन्हें 'यश भारती', 'उत्तर प्रदेश संगीत नाटक अकादमी सम्मान', 'अवध सम्मान', 2024 में भारत रत्न उर्दू सम्मान (उ.प्र. उर्दूअकादमी) और 2023 में राष्ट्रीय संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार सहित अनेक प्रतिष्ठित सम्मानों से नवाजा जा चुका है।

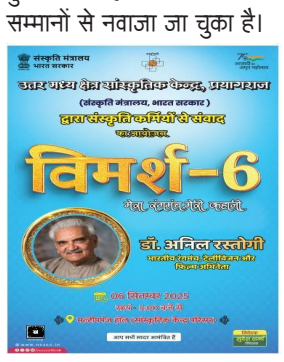

वॉबल डिस्प्लेज़ ने अब तक का सबसे बड़ा टेलीविज़न बना कर भारत में इतिहास रच दिया

वॉबल मैक्सिमम सीरीज़ 116.5-इंच गूगल टीवी 5.0, मैक्सिमस सीरीज़ 116.5 इंच, 86 इंच और 98 इंच में उपलब्ध है

मंत्र भारत संवाददाता

गोरखपुर। इंडकल टेक्नोलॉजीज के इनहॉउस तकनीकी ब्रांड वॉबल डिस्प्लेज़ ने आज भारत के सबसे बड़े उपभोक्ता टेलीविज़न में नया ही बेंचमार्क सेट करते हुए मैक्सिमस सीरीज़ 116.5-इंच गूगल टीवी 5.0 को पेश करने की घोषणा की। यह तकनीकी चमत्कार अन्य ब्रांड्स से कहीं आगे है और (वास्तव में) वॉबल डिस्प्ले की डिस्प्ले तकनीकी के क्षेत्र में रिसर्च और इन्नोवेशन की ताकत का नजारा दिखा रहा है। अंतर्रराष्ट्रीय ब्रांड के कब्जे में रहने वाले इस सेगमेंट में इस तरह किसी भारतीय कंपनी का आना बहुत बड़ी घटना है।

मैक्सिमस सीरीज़ 116.5-इंच टीवी ने इस बड़े साइज में भारत के पहले "थ्ठं-ॠ शहग्थ्ठं- डिस्प्ले तकनीकी के साथ भारतीय घरों में मनोरंजन के लिए एक नयी दुनिया ही बना दी है। इससे वॉबल डिस्प्लेज़ ने एंड्राइड के साथ लेटेस्ट गूगल टीवी 5.0 को एडवांस्ड क्वांटम डॉट कलर की खासियत के साथ 116.5 इंच की स्हग-थ्ठं- बैकलाइट की सटीकता को एक साथ पेश कर दिया। इस स्तर की स्मार्ट विषेशताओं और बेहतरीन कंटेंट इंटीग्रेशन से लिविंग रूम एक शानदार मनोरंजन की जगह बन जाता है। 240ें 6.2.2-चैनल की ताकत से सजे हुए दो डेडिकेटेड वूफ़र के साथ मैक्सिमस बेहतरीन विज़ुअल अनुभव को अलग ही ऊंचाई पर पहुंचा दिया, बिलकुल थिएटर की तरह का अहसास - शानदार डायनामिक्स, एकदम स्पष्ट डिटेलिंग, पूरी जगह को घेर लेने वाली थ्री-डायमेंशनल आवाज;

यानी सिनेमा का पूरा अनुभव अब घर बैठे ही मिल रहा। इंडकल टेक्नोलॉजीज के सीईओ, आनंद दुबे ने कहा, 'भारतीय कंज़्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स के लिए आज एक ऐतिहासिक पल है। मैक्सिमस सीरीज़ 116.5-इंच सिर्फ़ अब तक भारत का सबसे बड़ा टीवी ही नहीं है, - बल्कि यह हमारे विज़न का एक प्रमाण है जिसने भारतीय उपभोक्ताओं के लिए नए स्टैंडर्ड बना दिए हैं और उनके विज़ुअल और ऑडियो अनुभव में एक अलग लेवल का सुधार कर दिया है। हम सिर्फ़ एक नया प्रोडक्ट पेश नहीं कर रहे हैं बल्कि हम दुनिया के सबसे एडवांस सिनेमा अनुभव को कड़ी टक्कर देते हुए होम एंटरटेनमेंट के एक नए युग की शुरुआत कर रहे हैं।' मैक्सिमस सीरीज़ में नायाब "थ्ठं-ॠ शहग्थ्ठं- डिस्प्ले तकनीक को एंड्रॉयड 14 की ताकत से सजे गूगल टीवी 5.0 से मिला कर एक बेमिसाल विज़ुअल इकोसिस्टम पेश किया है। डिस्प्ले में 2000 निट्स की जबरदस्त पीक ब्राइटनेस है - जो भारत में ज्यादातर प्रीमियम टीवी से ज्यादा है। यह डॉल्बी विज़न एटमॉस के साथ थ्रें-प्रदर्शन देता है और सिनेमा जैसा ऑडियो-विज़ुअल अनुभव प्रदान करता है। टेलीविज़न की 4ख 144र्ें नेटिव रिफ्रेश रेट क्षमता इसे बेहतरीन गेमिंग डिस्प्ले तक पहुंचा देती है। यह फ्लूइड के साथ नेक्स्ट-जनरेशन कंसोल गेमिंग और पीसी कनेक्टिविटी को सपोर्ट करता है। प्रोफेशनल गेमर की जरूरतों के मुताबिक इसमें लेग-फ्री प्रदर्शन है।

वॉबल डिस्प्लेज़ की नए ज़माने की तकनीकी ब्रांड है और स्मार्ट टेक्नोलजी में सबसे आगे है। इन्होने एडवांस आर एन्ड डी और विकास की क्षमताओं के बल पर टेलीविज़न के क्षेत्र में अलग नाम कमाया है। भारतीय उपभोक्ताओं के लिए खास तौर पर ध्यान से डिज़ाइन किए गए, प्रीमियम और उच्च गुणवत्ता वाले टेलीविज़न पेश करने के लिए बनायी गई, वॉबल डिस्प्लेज़ इंडकल के उस विज़न को सामने लाती है जिसमें इन्नोवेशन को अत्याधुनिक तकनीक के साथ जोड़कर भारतीय उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स के क्षेत्र में एक मज़बूत पहचान स्थापित की जा रही है। यह ब्रांड विश्व-स्तरीय प्रोडक्ट उपलब्ध कराने के लिए समर्पित है। इसमें बेहतरीन तकनीक को भारतीय उपभोक्ताओं की पसंद की गहरी समझ के साथ जोड़ा गया हैं।

अपना ब्लड बैंक की द्वितीय वर्षगांठ के मौके पर लगा रक्तदान शिविर व रक्तदाताओं को किया गया सम्मानित

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। अंदावा झूंसी स्थित अपना ब्लड बैंक के प्रबंधक निखिल श्रीवास्तव द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें ह्यूमैनिटी इंडिया ट्रस्ट व राष्ट्रीय सामाजिक सुरक्षा संगठन चैरिटेबल ट्रस्ट ने सहयोग प्रदान किया। मीडिया से रूबरू होते हुए प्रबंधक निखिल श्रीवास्तव ने बताया कि अपना ब्लड बैंक संस्थान द्वारा अब तक 8500 मरीजों की मदद की जा चुकी है और लगातार बढ़ते मरीजों को देखते हुए आज द्वितीय वर्षगांठ के मौके पर ह्यूमैनिटी इंडिया ट्रस्ट व राष्ट्रीय सामाजिक सुरक्षा संगठन चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा रक्तदान शिविर महोत्सव का आयोजन किया गया।

जिसकी शुरूआत अपना ब्लड बैंक के डायरेक्टर डॉ सुनील विश्वकर्मा व स्वरूपरानी अस्पताल के प्रख्यात सर्जन, असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ संतोष सिंह द्वारा केक काटकर की गई।

उसके बाद प्रख्यात कवि, उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा पुरस्कृत लेखक, 40 बार के रक्तदाता श्री बागी विकास द्वारा लिखित रचना 'ये खून देकर' का पोस्टर विमोचन किया गया और उसे डोनर रूम में चस्पा किया गया। फिर रक्तवीरों के हुजूम ने एक एक करके रक्तदान कर लोगों की जान बचाने का प्रण लिया। सभी रक्तवीरों को सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया गया।

रक्तदाताओं की सूची में ग्लोबल

कमला हॉस्पिटल प्रबंधक हरिशंकर विश्वकर्मा, कमला नेहरू हॉस्पिटल के डॉ अविनाश विश्वकर्मा, डॉ प्रमोद उपाध्याय, फतेह एंटरप्राइजेज के डायरेक्टर राज तिलक सिंह, अमन कुमार, उमेश कुमार निषाद, मंगला प्रसाद, हर्षित पांडेय, राहुल कुमार, संजय कुमार, शमशेर यादव, सोहन लाल, मां शारदा मेडिकल्स के डायरेक्टर अनुज प्रताप सिंह, उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी सांस्कृतिक प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष अंकित सिंह यादव, प्रदीप सिंह, प्रथम बार के रक्तदाता आदर्श सिंह समेत 30 लोगों ने रक्तदान किया।

इस मौके पर रक्तवीर अनूप बिंद, समाजसेवी विनोद शर्मा, इलाहाबाद विश्वविद्यालय शोध छात्र वेद प्रकाश सिंह, छात्रनेता चंद्रशेखर अधिकारी, शशिकांत पटेल, प्रफुल्ल पांडे, कोमल पटेल, कौशिकी सिंह, अर्जुन सिंह, अंबिका प्रजापति, पूनम पाल शामिल रहें।

चोरी की झूठी सूचना देकर थाना थरवई पर पंजीकृत कराए गये अभियोग का सफल अनावरण

मार-पीट की घटना से सम्बंधित 3 अभियुक्त थाना थरवई पुलिस टीम द्वारा गिरफ्तार

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। पुलिस आयुक्त व अपर पुलिस आयुक्त के निर्देशन में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में पुलिस उपायुक्त गंगानगर व अपर पुलिस उपायुक्त गंगानगर के पर्यवेक्षण में व सहायक पुलिस आयुक्त थरवई के नेतृत्व में गंगानगर-जोन के थाना थरवई पर पंजीकृत मु0अ0सं0-256/2025 धारा-115(2)/303(2) भा0न्या0सं0 से सम्बंधित 03 अभियुक्त सूरज यादव पुत्र दीपकचन्द्र यादव निवासी कल्यानपुर थाना थरवई कमिश्नरेट प्रयागराज . शिवांश पाण्डेय निवासी जयन्तीपुर थाना थरवई कमिश्नरेट प्रयागराज रोहित यादव निवासी बसौधा थाना थरवई कमिश्नरेट प्रयागराज को थाना थरवई पुलिस टीम द्वारा आज थाना थरवई क्षेत्रान्तर्गत क्रमशः उनके निवास ग्राम के पास से गिरफ्तार कर कार्यवाही की गयी।

गुजारा भत्ता वसूली में गिरफ्तारी वारंट रद्द हाईकोर्ट ने कहा–मनी डिक्री की तरह हो कार्रवाई

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने पत्नी के भरण-पोषण (गुजारा भत्ता) की बकाया राशि वसूली के लिए पति के खिलाफ जारी वसूली/गिरफ्तारी वारंट को अवैध करार देते हुए रद्द कर दिया है। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि भरण-पोषण की वसूली धन डिक्री (श्दहाब अीमा) की तरह की जानी चाहिए और इसके लिए दंड प्रक्रिया संहिता (ण्झ्ण) में निर्धारित प्रक्रिया का पालन करना अनिवार्य है। इस दौरान सुप्रीम कोर्ट के रजनेश बनाम नेहा केस का भी हवाला दिया गया।

यह आदेश न्यायमूर्ति संजय कुमार पचौरी ने सहारनपुर निवासी परवीन कुमार उर्फ प्रवीण कुमार की याचिका पर पारित किया। मामले की पैरवी अधिवक्ता रजत ऐरन और राजकुमार सिंह ने की।

पत्नी ने मेरठ की परिवार अदालत में धारा 125 दंड प्रक्रिया संहिता के तहत भरण-पोषण की अर्जी दाखिल की थी। अदालत ने याची को पत्नी के लिए ?30, 000 मासिक भरण-पोषण देने का आदेश दिया, लेकिन पालन न होने पर पत्नी ने आदेश अनुपालन की अर्जी दी। इसके बाद परिवार अदालत ने पहले वसूली वारंट और फिर गिरफ्तारी वारंट भी जारी कर दिया।

याची के अधिवक्ता का कहना था कि पत्नी पिछले 10 वर्षों से अपने बच्चे सहित मेरठ में रहकर वकालत कर रही है, जबकि उसने स्वयं को गृहणी बताकर अदालत से भरण-पोषण तय करवाया। वहीं, याची गंभीर बीमारियों से जूझ रहा है और नौकरी करने में असमर्थ है। इसी वजह से उस पर करीब ?35 लाख का बकाया हो गया है। अधिवक्ता ने तर्क दिया कि भरण-पोषण की वसूली की प्रक्रिया धारा 421 सीआरपीसी में निर्धारित है, जिसका पालन किए बिना सीधे गिरफ्तारी वारंट जारी करना गैरकानूनी है। हाईकोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट के रजनेश बनाम नेहा केस का हवाला देते हुए कहा कि भरण-पोषण की वसूली केवल वैधानिक प्रक्रिया के तहत ही हो सकती है। परिवार अदालत मेरठ द्वारा जारी गिरफ्तारी आदेश को इसी आधार पर रद्द कर दिया गया।

कोनगांव पुलिसकर्मी पर हमला करने वाले चार दरिंदे गिरफ्तार, लाखों का माल जब्त

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी। शहर में पुलिसकर्मी पर हमला करने की साहसिक घटना को शांतिनगर पुलिस ने महज पांच दिन में सुलझाकर अपराधियों के हौसले पस्त कर दिए हैं। कोनगांव पुलिस स्टेशन में तैनात पुलिसकर्मी सुनील पाटील 28 अगस्त 2025 की रात ड्यूटी पूरी कर घर लौट रहे थे। भारी बारिश से बचने के लिए वे साईबाबा मंदिर के पास एक ऑटो गैरेज के बाहर खड़े हुए ही थे कि अचानक चार अज्ञात युवकों ने उन्हें घेर लिया,पुलिसकर्मी से धक्का-मुक्की कर बेरहमी से पिटाई की गई और उनका मोबाइल फोन छीनकर आरोपी फरार हो गए। इस दुस्साहसी हमले ने पुलिस विभाग को सकते में डाल दिया। शांतिनगर पुलिस स्टेशन में तुरंत अपराध रजि.क्र.1003/2025 दर्ज कर मामला भारतीय न्याय संहिता की गंभीर धाराओं और हथियार कानून में पंजीकृत किया गया। वरिष्ठ अधिकारियों के आदेश पर विशेष जांच टीम बनाई गई। वारदात स्थल के सीसीटीवी फुटेज, तकनीकी साक्ष्य

और स्थानीय मुखबिरों की मदद से पुलिस को अहम सुराग मिले। इसके बाद भिवंडी और आसपास के क्षेत्रों में छापेमारी कर चार आरोपियों को धर दबोचा गया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान धीरज रामचंद्र भोये (21), हितेश दिलीप भोये (21), बलीराम रामचंद्र चौधरी (23) और नितीन उर्फ सुशांत सुरेश लाहरे (23) के रूप में हुई है। ये सभी आरोपी पालघर जिले के निवासी बताए जाते हैं। पुलिस ने आरोपियों के पास से जबरन छीना गया मोबाइल, दो मोटरसाइकिल और अन्य सामान मिलाकर कुल एक लाख रुपये का मुद्देमाल जब्त किया है। आरोपियों को मेडिकल जांच के बाद अदालत में पेश किया गया, जहाँ पुलिस ने रिमांड की मांग की है। अधिकारियों का मानना है कि पूछताछ में और भी अहम खुलासे हो सकते हैं। यह पूरी कार्रवाई पुलिस उपायुक्त शशिकांत बोराटे और एसीपी सचिन सांगले के मार्गदर्शन में शांतिनगर पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी विनायक गायकवाड़ व उनकी पुलिस टीम ने अंजाम दी। इस सफलता ने न केवल विभाग का मनोबल बढ़ाया है बल्कि अपराधियों को भी साफ संदेश दिया है कि कानून से टकराने वालों का अंजाम तय है।

भिवंडी डेवलपमेंट प्लान पर बवाल!

व्यापारी व रहिवासी संघर्ष समिति ने लगाया आरोप- यह बिल्डर्स डेवलपमेंट प्लान है, शहर का नहीं

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी। भिवंडी-निजामपुर शहर महानगरपालिका द्वारा प्रकाशित प्रारूप डेवलपमेंट प्लान को लेकर बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। कल्याण रोड व्यापारी व रहिवासी संघर्ष समिति ने इस प्लान को 'भिवंडी डेवलपमेंट प्लान' नहीं, बल्कि 'बिल्डर्स डेवलपमेंट प्लान' करार दिया है। समिति का आरोप है कि प्लान में कई आरक्षण हटाकर बिल्डरों को सीधा फायदा पहुंचाया गया है। संघर्ष समिति ने पत्रकार परिषद आयोजित कर बताया कि राज्य सरकार ने पहले ही कल्याण रोड के हज़ारों दुकान, मकान और धार्मिक स्थलों को बचाने के लिए मेट्रो-5 को भूमिगत करने का निर्णय लिया था, जिस पर 1700 करोड़ रुपये खर्च भी हो रहे हैं। ऐसे में, मनपा द्वारा कल्याण रोड को चौड़ा करने का प्रस्ताव जनता के साथ अन्याय है,समिति ने कहा कि यह बदलाव शहर के विकास के लिए नहीं, बल्कि कुछ नेताओं और बिल्डरों के हित में किए गए हैं। प्लान में ज़ीनत कंपाउंड, टेमघर और कनेरी के कई आरक्षण हटाकर रेसिडेंशियल और कॉमर्शियल जोन कर दिया गया है। गोदरेज व रिलायंस जैसी बड़ी कंपनियों के प्रोजेक्ट्स को लाभ पहुंचाने का आरोप जबकि बिल्डरों के प्रोजेक्ट बच जाएँ। संघर्ष समिति ने आरोप लगाया कि शहर के दोनों विधायक और प्रशासक बिल्डर लॉबी के साथ मिलकर नागरिकों की जमीनों का बलिदान कर रहे हैं। समिति ने उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे से हस्तक्षेप कर प्रारूप डेवलपमेंट प्लान रद्द करने और

भी लगाया गया है। इतना ही नहीं, कई जगह सड़क चौड़ीकरण का प्रस्ताव इस तरह से रखा गया है कि आम नागरिकों की संपत्तियाँ प्रभावित हों, हजारों नागरिकों के घर-दुकान व धार्मिक स्थलों को बचाने की मांग की है।यह विवाद अब भिवंडी शहर में सियासी व सामाजिक बहस का केंद्र बन गया है।

भिवंडी की सड़कों पर खड़े भंगार वाहन, शहर की सुंदरता और स्वच्छता पर लगा दाग

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी। भिवंडी शहर की सड़कों पर खड़े भंगार वाहन अब शहर की सुंदरता और स्वच्छता पर दाग बनते जा रहे हैं। मुख्य सड़कों के किनारे, गलियों में और खासकर फ्लाईओवर के नीचे वर्षों से खड़े इन बेवारस वाहनों की हालत इतनी खराब हो चुकी है कि वे अब जंग खाए ढांचे में तब्दील हो गए हैं। शहर की बढ़ती आबादी और यातायात के दबाव के बीच इन कबाड़ वाहनों ने लोगों की परेशानी और बढ़ा दी है। नागरिकों का कहना है कि इन जर्जर वाहनों की वजह से सड़कों की चौड़ाई सिकुड़ जाती है, जिससे ट्रैफिक जाम आम हो गया है। वहीं, बारिश के दिनों में इन वाहनों में पानी जमा होकर मच्छरों का प्रजनन स्थल बन जाता है, जिससे बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। शहर के कई हिस्सों में लोगों ने शिकायत की है कि कबाड़ वाहनों की वजह से गंदगी फैल रही है और असामाजिक तत्वों का भी जमावड़ा होने लगा है। सबसे चिंताजनक बात यह है कि इन वाहनों को हटाने की जिम्मेदारी यातायात पुलिस और पालिका प्रशासन की है, लेकिन अब तक किसी भी स्तर पर ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। नागरिकों का आरोप है कि

संबंधित विभागों की उदासीनता के कारण समस्या लगातार बढ़ रही है। प्रशासनिक लापरवाही के चलते भिवंडी की छवि खराब हो रही है और स्मार्ट सिटी बनने का सपना अधूरा दिखाई देता है।

स्थानीय निवासियों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने मांग की है कि पालिका और यातायात विभाग मिलकर तुरंत कार्रवाई करें और सभी बेवारस व भंगार वाहनों को सड़क किनारे से हटाया जाए। साथ ही, यह भी सुनिश्चित किया जाए कि भविष्य में दोबारा ऐसी स्थिति न बने। शहरवासियों का कहना है कि यदि जल्द कदम नहीं उठाए गए, तो आने वाले समय में भिवंडी की सड़कों पर यातायात पूरी तरह चरमरा जाएगा और स्वच्छता अभियान भी सिर्फ कागज़ों तक सीमित रह जाएगा।

भिवंडी में सातवें दिन 5467 मूर्तियों का हुआ विसर्जन, 299 मूर्तियां कृत्रिम तालाब में हुई विसर्जित

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी शहर में गणेशोत्सव और गौरी विसर्जन सातवें दिन परंपरागत उत्साह और श्रद्धा के साथ सम्पन्न हुआ। शहर के 10 पारंपरिक और 10 कृत्रिम तालाबों में कुल 5467 गणेश मूर्तियों और 173 गौरी मूर्तियों का विसर्जन किया गया। विसर्जन यात्रा ढोल-ताशों, गुलाल और भक्तिमय वातावरण में दोपहर चार बजे शुरू हुई, जो देर रात तक चलती रही। शहर के 211 सार्वजनिक गणेशोत्सव मंडलों की मूर्तियाँ भी धूमधाम से विदाई दी गईं। पर्यावरण-अनुकूल गणेशोत्सव को प्रोत्साहन देने के लिए पालिका प्रशासन ने कृत्रिम तालाबों की व्यवस्था की थी। इसका असर यह रहा कि 299 मूर्तियों का विसर्जन इन कृत्रिम तालाबों में किया गया।

मनपा प्रशासन ने विसर्जन घाटों पर व्यापक तैयारियाँ की थीं। पांच प्रभाग समितियों में दस कृत्रिम तालाब बनाए गए थे, वहीं कामवारी नदी, वऱ्हाळ तालाब, भादवड, चाविंद्रा, पोगाव और नारपोली के तालाबों पर अतिरिक्त बैरिकेडिंग की गई। सुरक्षा की दृष्टि से 120 लाइफगार्ड तैनात रहे।

निर्माल्य (फूल-मालाएँ) एकत्र करने और पर्यावरण संरक्षण के लिए नानासाहेब धर्माधिकारी प्रतिष्ठान के स्वयंसेवकों ने कामतघर, वऱ्हाल देवी और भादवड घाटों से निर्माल्य जुटाकर खाद बनाने का संकल्प लिया। नगर निगम का स्वच्छता विभाग भी पूरे समय सक्रिय रहा और घाटों पर सफाई व्यवस्था बनाए रखी। विसर्जन के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस ने घाटों और जुलूस मार्गों पर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की थी। मनपा आयुक्त समेत सभी वरिष्ठ अधिकारी लगातार दौरे पर रहे और स्थिति का जायजा लेते रहे। गणेशोत्सव की इस भव्य विदाई ने भिवंडी में एक बार फिर सामाजिक सौहार्द, उत्साह और पर्यावरण-जागरूकता का संदेश दिया।

छठे वेतन आयोग की बकाया राशि पर अड़ने लगे कर्मचारी

भिवंडी मनपा आयुक्त ने मांगा 55.40 करोड़ का अलग फंड

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी। भिवंडी मनपा आयुक्त अनमोल सागर ने नगर विकास विभाग के प्रधान सचिव को पत्र लिखकर छठे वेतन आयोग की अंतर राशि के भुगतान के लिए राज्य सरकार से 55.40 करोड़ रुपये का अलग से फंड उपलब्ध कराने की मांग की है। यह मांग मनपा कर्मचारियों की लंबे समय से चली आ रही नाराजगी और आंदोलनों के बीच की गई है।सरकारी निर्णय के अनुसार, 10 अगस्त 2009 से महाराष्ट्र राज्य के नगर निगमों को छठे वेतन आयोग के अनुसार संशोधित वेतनमान लागू करने का निर्देश दिया गया था। इसी के तहत 27 अप्रैल 2011 को भिवंडी मनपा की साधारण सभा ने भी अपने अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए यह वेतनमान

लागू करने की मंजूरी दी थी। हालांकि, अब तक कर्मचारियों को इसका अंतर नहीं मिला है।

इस मुद्दे पर कर्मचारी संगठन लगातार दबाव बना रहे हैं। समय-समय पर विरोध प्रदर्शन भी हुए हैं। जनप्रतिनिधियों और कर्मचारी संगठनों ने मनपा प्रशासन को पत्र लिखकर मांग की है कि सरकार इस बकाया राशि का अलग से प्रावधान करे।वर्तमान वित्तीय स्थिति का हवाला देते हुए आयुक्त ने पत्र में कहा है कि मनपा को अभी सरकार से जीएसटी रिफंड के रूप में 33 करोड़ रुपये मासिक सब्सिडी मिलती है। इसमें से लगभग 33 करोड़ रुपये कर्मचारियों के वेतन और करीब 10 करोड़ रुपये अन्य अनिवार्य खर्चों पर खर्च हो जाते हैं। इस तरह मनपा का कुल मासिक व्यय करीब 43 करोड़ रुपये है। दूसरी ओर, मनपा की राजस्व आय काफी कम है और दैनिक खर्चों में ही समाप्त हो जाती है। ऐसे में बकाया अंतर राशि का भुगतान करना संभव नहीं है।आयुक्त ने स्पष्ट किया है कि जब तक राज्य सरकार अलग से फंड उपलब्ध नहीं कराती, तब तक कार्यरत और सेवानिवृत्त कर्मचारियों को छठे वेतन आयोग की अंतर राशि देना मनपा के लिए असंभव है। अब देखने वाली बात यह होगी कि क्या सरकार इस पर त्वरित निर्णय लेकर मनपा कर्मचारियों की पुरानी मांग पूरी करती है या मामला एक बार फिर टल जाता है।

भिवंडी में 23 वार्ड और 90 सदस्यीय वाली नई वार्ड संरचना घोषित

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

नगर निकाय चुनावों की आहट के बीच शहर की राजनीति में हलचल तेज हो गई है। इसी कड़ी में भिवंडी निज़ामपुर शहर महानगर पालिका प्रशासन ने नई वार्ड संरचना का मसौदा जारी कर दिया है। आयुक्त की मंजूरी के बाद सहायक आयुक्त (चुनाव) नितिन पाटिल ने यह मसौदा सार्वजनिक किया।

2011 की जनगणना के आधार पर तैयार की गई इस संरचना में भिवंडी की आबादी 7,09,665 मानी गई है। इसके तहत कुल 23 वार्ड बनाए गए हैं, जिनसे 90 सदस्य चुनकर आएंगे। इनमें से 21 वार्ड चार-सदस्यीय होंगे, जबकि दो वार्ड तीन-सदस्यीय होंगे।

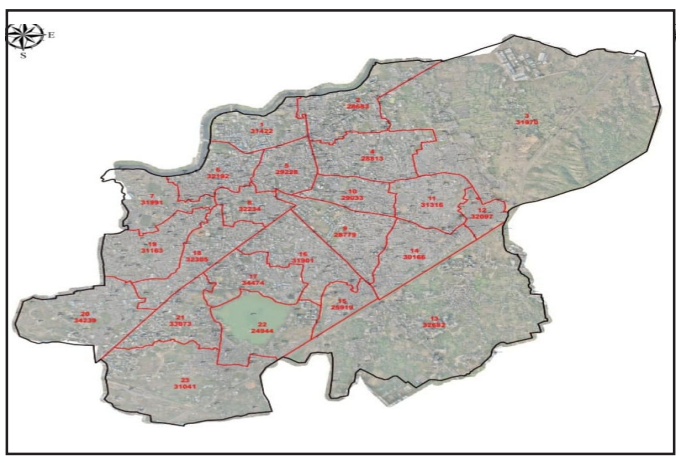

वार्ड नुसार जनसंख्या में सबसे बड़ा वार्ड नंबर 17 है, जिसकी आबादी 34,474 दर्ज की गई है। वहीं सबसे छोटा वार्ड नंबर 15 है, जहां की आबादी 25,919 है। तीन-सदस्यीय वार्ड के लिए औसत जनसंख्या 23,656 और चार-सदस्यीय वार्ड के लिए 31,541 तय की गई है। जनगणना के पालिका प्रशासन ने बताया कि इस वार्ड संरचना के मसौदे पर नागरिक अपनी आपत्तियां और सुझाव 15 सितंबर को

अनुसार, शहर में अनुसूचित जाति की जनसंख्या 21,820 और अनुसूचित जनजाति की जनसंख्या 8,178 है। दोपहर 3 बजे तक दर्ज करा सकते हैं। आपत्ति दर्ज कराने वालों को सुनवाई की तिथि अलग से सूचित की जाएगी।

74 कर्मचारियों के स्थानांतरण पर यूनियन ने जताया कड़ा विरोध, नियमों के उल्लंघन का आरोप

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी निजामपुर शहर महानगरपालिका में 74 कर्मचारियों के हालिया तबादलों ने नया विवाद खड़ा कर दिया है। अखिल महाराष्ट्र जनरल कामगार यूनियन ने इस कदम को नियमों के विरुद्ध बताते हुए तीव्र आपत्ति दर्ज की है। संगठन का कहना है कि कई तबादले मनमाने ढंग से किए गए हैं, जिससे प्रशासनिक कामकाज और नागरिक सेवाओं पर सीधा असर पड़ेगा। यूनियन अध्यक्ष महेंद्र एस. कुंभार ने आरोप लगाया कि जिन कर्मचारियों का टैक्स वसूली में प्रदर्शन संतोषजनक नहीं रहा, उन्हें फिर से टैक्स विभाग में ही स्थानांतरित करना अनुचित है। उनके मुताबिक, ऐसे कर्मचारियों को पालिका मुख्यालय के लिपिक या प्रभारी लिपिक पदों पर नियुक्त किया जाना चाहिए था, जबकि मुख्यालय में कार्यरत लिपिकों को वसूली विभाग में भेजा जाता तो टैक्स वसूली में बढ़ोतरी हो सकती थी।संगठन ने यह भी दावा किया कि कई जरूरी विभागों में कामकाज संभाल रहे कर्मचारियों को हटाने से विभागीय कार्य बाधित होगा और आम नागरिकों को परेशानियों का सामना करना पड़ेगा। कुंभार ने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि कुछ कर्मचारियों के तबादले राजनीतिक दबाव में रद्द कर दिए जाते हैं और उन्हें दोबारा उसी पद पर बैठा दिया जाता है। यूनियन का कहना है कि अगर ऐसा होता है तो यह नियमों का खुला उल्लंघन है और संबंधित कर्मचारियों पर कार्रवाई होनी चाहिए। यूनियन ने महाराष्ट्र नागरी सेवा (वर्तन) नियम 1979 का हवाला देते हुए स्पष्ट किया कि बिना उचित कारण बताए तबादले करना नियमों के खिलाफ है। संगठन का साफ रुख है कि अगर एक भी कर्मचारी की बदली रद्द की जाती है तो पूरे तबादला आदेश को रद्द करना पड़ेगा।अब भिवंडी मनपा प्रशासन के लिए यह मामला चुनौती बन चुका है। यूनियन के विरोध के चलते कर्मचारियों और प्रशासन के बीच तनाव और गहरा गया है। आने वाले दिनों में यह टकराव किस मोड़ पर जाएगा, इस पर सबकी नजरें टिकी हैं।

भिवंडी की मुस्कान की सिर काटकर हत्या, पति निकला हत्यारा

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी शहर में दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई है। ईदगाह रोड झोपड़पट्टी, स्लॉटर हाउस के पास खाड़ी से 30 अगस्त की सुबह एक महिला का कटा हुआ सिर बरामद हुआ था। पुलिस के सामने हत्या की गुत्थी सुलझाना बड़ी चुनौती थी, क्योंकि न तो हत्या का स्थान पता था और न ही महिला का शेष शव मिला था।भोईवाडा पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ उसी दिन मामला दर्ज कर सिर को शिनाख्त और शव विच्छेदन के लिए स्व. इंदिरा गांधी उप जिला अस्पताल भेज दिया। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस उपायुक्त और सहायक पुलिस आयुक्त के मार्गदर्शन में वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक अशोक रत्न पारखी और पुलिस निरीक्षक प्रमोद कुंभार ने दो विशेष जांच दल गठित किए।इस बीच, नबी बस्ती निवासी एक महिला ने अपनी बेटी परवीन उर्फ मुस्कान मोहम्मद तहा अंसारी की गुमशुदगी दर्ज कराई। उसने बताया कि बेटी का फोन दो दिन से बंद है और दामाद भी कोई जवाब नहीं दे रहा। पुलिस ने जब खाड़ी में मिले महिला के सिर का फोटो दिखाया, तो मां ने उसे मुस्कान के रूप में पहचान लिया। पुलिस ने शक के आधार पर पति ताहा अंसारी को हिरासत में लिया। सख्ती से पूछताछ करने पर उसने अपनी पत्नी की सिर काटकर हत्या करने का सनसनीखेज खुलासा कर दिया। पुलिस अब हत्या की वजह और मुस्कान के बाकी शरीर की तलाश में जुटी है।

कैबिनेट ने कारखाना अधिनियम में संशोधन को मंजूरी दी - श्रम मंत्री एडवोकेट आकाश फुंडकर से जानकारी

मुंबई। राज्य मंत्रिमंडल की बैठक में कारखाना अधिनियम, 1948 के कुछ प्रावधानों में महत्वपूर्ण संशोधनों को मंज़ूरी दी गई है। श्रम मंत्री एडवोकेट आकाश फुंडकर ने बताया कि इस निर्णय से श्रम और उद्योग क्षेत्र के नियम सरल होंगे और पारदर्शिता बढ़ेगी। इस संबंध में उन्होंने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उपमुख्यमंत्री अजित पवार का आभार व्यक्त किया।

इस संशोधन के तहत, धारा 54 अब 9 घंटे के बजाय प्रतिदिन 12 घंटे काम करने का प्रावधान करती है। धारा 55 में 5 घंटे के बाद विश्राम अवधि को 30 मिनट और 6 घंटे के बाद पुनः 30 मिनट कर दिया गया है। धारा 56 में साप्ताहिक कार्य समय को 48 घंटे से बढ़ाकर 60 घंटे कर दिया गया है। साथ ही, धारा 65 में श्रमिकों के ओवरटाइम की अधिकतम सीमा 115 घंटे से बढ़ाकर 144 घंटे कर दी गई है। इससे श्रमिकों को अधिक वित्तीय लाभ मिलेगा। साथ ही, सरकार की मंज़ूरी के बिना कारखानों के बीच समय में इस तरह के बदलाव नहीं किए जा सकते। साथ ही, श्रम मंत्री एडवोकेट फुंडकर ने यह भी कहा है कि प्रति सप्ताह 48 घंटे की कार्य समय सीमा को पार नहीं किया जा सकता।

श्रम मंत्री एडवोकेट फुंडकर ने कहा कि ओवरटाइम काम के लिए पर्याप्त मुआवज़ा और सवेतन अवकाश के प्रावधान को लेकर कानून में बदलाव का सुझाव दिया गया है।

महाराष्ट्र सरकार के 4 वर्षीय 1,000 करोड़ रुपये मूल्य के बॉन्ड बेचे जाएँगे

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार के 1,000 करोड़ रुपये मूल्य के 4 वर्षीय बॉन्ड सरकार की संशोधित अधिसूचना में निर्धारित नियमों और शर्तों के अधीन बेचे जाएँगे। वित्त विभाग की सचिव शैला ए. ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि इस ऋण से प्राप्त राशि का उपयोग सरकार के विकास कार्यों के वित्तपोषण के लिए किया जाएगा। गैर-प्रतिस्पर्धी नीलामी पद्धति (संशोधित) के अनुसार, सरकारी ऋण प्रतिभूतियों की कुल अधिसूचित राशि का 10 प्रतिशत पात्र व्यक्तिगत और संस्थागत निवेशकों को आवंटित किया जाएगा। हालाँकि, किसी निवेशक को कुल अधिसूचित राशि का अधिकतम 1 प्रतिशत ही आवंटित किया जाएगा।

धोनी की तरह 'कैप्टन कूल' बनना चाहती हैं पाकिस्तानी कप्तान फातिमा सना

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। आगामी आईसीसी वनडे विश्व कप में पाकिस्तान की कप्तानी करने जा रही फातिमा सना भारत के विश्व कप विजेता कप्तान महेंद्र सिंह धोनी से प्रेरणा लेती हैं और उन्हीं की तरह 'कैप्टन कूल' बनने की ख्वाहिश भी रखती हैं। अप्रैल में हुए क्वालीफायर्स में अपराजेय रहने वाली पाकिस्तानी टीम भारत और श्रीलंका में 30 सितंबर से दो नवंबर तक होने वाले वनडे विश्व कप में अपने अभियान का आगाज दो अक्टूबर को कोलंबो में बांग्लादेश के खिलाफ करेगी।

23 वर्ष की फातिमा ने लाहौर से दिए इंटरव्यू में कहा, 'विश्व कप जैसे बड़े टूर्नामेंट में कप्तानी करने पर शुरू में थोड़ा नर्वस होना लाजमी है लेकिन मैं बतौर कप्तान महेंद्र सिंह धोनी से प्रेरणा लेती हूं।' उन्होंने कहा, 'मैंने उनके भारत के कप्तान के तौर पर और आईपीएल मैच देखे हैं। वह जिस तरह मैदान पर फैसले लेते हैं, शांत रहते हैं और अपने खिलाड़ियों का समर्थन करते हैं, उससे काफी कुछ सीखने को मिलता है। जब मुझे कप्तानी मिली थी तभी मैंने सोचा था कि धोनी की तरह बनना है। उनके इंटरव्यू भी देखे तो काफी कुछ सीखने को मिला।'

धोनी ने 15 अगस्त 2020 को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से विदा ली जबकि फातिमा ने छह मई 2019 को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण किया था। महिला वनडे विश्व कप में पाकिस्तान पांच बार (1997, 2009, 2013, 2017 और 2022 में) खेला है लेकिन 1997, 2013 और 2017 में एक भी मैच नहीं जीत सकी। पिछली बार 2022 में एकमात्र जीत हैमिल्टन में वेस्टइंडीज के खिलाफ मिली लेकिन बाकी सारे मैच हारकर टीम आखिरी स्थान पर रही थी।

पाकिस्तान के लिए 34 वनडे में 397 रन बनाने और 45 विकेट लेने वाली हरफनमौला फातिमा को यकीन है कि इस बार यह मिथक टूटेगा क्योंकि युवा खिलाड़ियों को पता है कि उनके प्रदर्शन से देश में महिला क्रिकेट का मुस्तकबिल तय होगा। उन्होंने कहा, 'इस बार यकीनन यह मिथक टूटेगा क्योंकि

युवा खिलाड़ियों को पता है कि पाकिस्तान महिला क्रिकेट के लिए यह टूर्नामेंट कितना अहम है। हम अतीत के बारे में नहीं सोचेंगे। मेरा लक्ष्य टीम को सेमीफाइनल तक ले जाना है।'

उन्होंने कहा, 'पाकिस्तान में लड़कियां अब स्कूलों में क्रिकेट खेलने लगी है और अंतरराष्ट्रीय मैच लाइव दिखाये जा रहे हैं। आईसीसी ने भी महिला विश्व कप के लिए पुरस्कार राशि बढ़ाकर बहुत अच्छी पहल की है जिससे पाकिस्तान जैसे देश में महिला क्रिकेट को फायदा मिलेगा। लेकिन अभी भी एक बैरियर है जो हमें इस टूर्नामेंट के जरिये तोड़ना है।' उन्होंने कहा, 'पाकिस्तान में महिला क्रिकेट को उस तरह कैरियर विकल्प के रूप में नहीं देखा जाता और उतना समर्थन नहीं है लेकिन अगर हम अच्छा खेलते हैं तो काफी फर्क पड़ेगा।'

गेंदबाजों खासकर स्पिनरों को वह टीम की कामयाबी की कुंजी मानती हैं लेकिन उन्होंने कहा कि बल्लेबाजी पर भी पिछले एक साल में काफी काम किया गया है। उन्होंने कहा, 'हमारे पास आला दर्जे के गेंदबाज हैं और स्पिनर हमारे ट्रंपकार्ड होंगे। हम बल्लेबाजी से ज्यादा गेंदबाजी पर निर्भर करेंगे लेकिन पिछले एक साल में बल्लेबाजी पर काफी काम किया है जिसका नतीजा मिलेगा।'

उन्होंने यह भी कहा कि मेजबान होने के नाते भारत पर दबाव होगा लेकिन घरेलू मैदान पर खेलने का फायदा भी मिलेगा। फातिमा ने कहा, 'भारत ने कभी विश्व कप नहीं जीता है और मेजबान होने के नाते जीत का दबाव तो होगा ही लेकिन इसके साथ घरेलू दर्शकों के होने से मनोबल भी बढ़ता है। अब यह टीम पर निर्भर करता है कि वह इसे कैसे लेते हैं।'

कराची में 11 वर्ष की उम्र में अपने भाइयों के साथ स्ट्रीट क्रिकेट खेलकर शुरूआत करने वाली फातिमा ने कभी सोचा भी नहीं था कि वह एक दिन विश्व कप में कप्तानी करेंगी। उनके पिता उनके आदर्श रहे जिनका पिछले साल टी20 विश्व कप के दौरान निधन हो गया लेकिन इस दुख को भुलाकर फातिमा ने टीम के लिए खेला।

पिता को खोने के बावजूद टी20 विश्व कप में खेलने के फैसले के बारे में उन्होंने कहा, 'पापा सारे मैच देख रहे थे और अचानक ही यह सब हो गया। पूरा परिवार चाहता था कि मैं पापा की इच्छा पूरी करूं और खेलूं और मैंने वही किया।' इससे पहले सचिन तेंदुलकर और विराट कोहली भी अपने पिता को खोने के बाद टीम के साथ खेलने के लिए लौटे थे। क्या उन्हें इसके बारे में पता था, यह पूछने पर फातिमा ने कहा, 'विराट का तो पता था, लेकिन सचिन का नहीं।'

अश्विन बीबीएल टी20 लीग खेलने वाले पहले भारतीय क्रिकेटर बनेंगे, बोर्ड से बाचचीत जारी

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। रविचंद्रन अश्विन ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के बाद आईपीएल से भी संन्यास ले लिया है जिससे उनके विदेशी लीग्स में खेलने के रास्ते खुल गए हैं। अभी इसकी पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन संभावना है कि पूर्व भारतीय स्पिनर बिग बैश लीग के अगले सीजन में खेलते नजर आ सकते हैं।

रिपोर्ट्स के अनुसार क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के सीईओ टॉड ग्रीनबर्ग पिछले हफ्ते आईपीएल से संन्यास की घोषणा के बाद से ही इस अनुभवी ऑफ स्पिनर के बिग बैश लीग में खेलने की संभावना को लेकर उनके संपर्क में हैं। ग्रीनबर्ग एक 'चैंपियन क्रिकेटर' और अश्विन जैसी क्षमता वाले खिलाड़ी के बीबीएल में खेलने को लेकर उत्साहित हैं। ग्रीनबर्ग ने कहा, 'अश्विन जैसी योग्यता वाले किसी खिलाड़ी का बीबीएल के लिए यहां आना कई स्तरों पर शानदार होगा। वह एक चैंपियन क्रिकेटर हैं जो बिग बैश और हमारे क्रिकेट समर में बहुत कुछ लेकर आएंगे।'

अगर यह सौदा हो जाता है तो अश्विन बीबीएल में खेलने वाले पहले भारतीय क्रिकेटर बन जाएंगे। 38 वर्षीय अश्विन ने अपने 14 साल के करियर में 287 मैचों में 765 अंतरराष्ट्रीय विकेट लिए हैं। अश्विन ने पहले सोशल मीडिया पर आईपीएल से संन्यास लेने के अपने फैसले के बारे में पोस्ट किया था, क्योंकि उन्होंने इस धन-संपन्न टूर्नामेंट में 221 मैचों में से केवल पाँच मैच खेले थे।

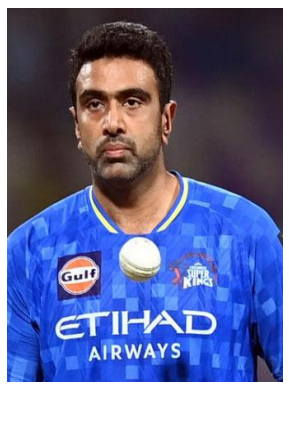

जोमैटो से खाना मंगवाना अब और हो गया महंगा कंपनी ने 20 फीसदी बढ़ाई प्लेटफॉर्म फीस

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। ऑनलाइन खाना ऑर्डर करने वाले उपभोक्ताओं के लिए अब खर्च बढ़ने वाला है। फूड डिलीवरी कंपनी जोमैटो ने अपनी प्लेटफॉर्म फीस में 20 प्रतिशत की बढ़ोतरी कर दी है। अब कंपनी प्रत्येक ऑर्डर पर 12 रुपये प्लेटफॉर्म फीस वसूल करेगी, जो पहले 10 रुपये थी। यह बढ़ोतरी त्योहारी सीजन की शुरुआत से पहले कंपनी के मुनाफे को बढ़ाने और प्रत्येक ऑर्डर को अधिक लाभदायक बनाने के लिए की गई है।

जोमैटो की प्लेटफॉर्म फीस में लगातार वृद्धि हो रही है। अप्रैल 2023 में कंपनी ने पहली बार अपने यूजर्स से प्लेटफॉर्म फीस के रूप में मात्र 2 रुपये वसूलना शुरू किया था। इसके बाद पिछले दो से ढाई सालों में यह फीस कई गुना बढ़कर अब 12 रुपये प्रति ऑर्डर हो चुकी है। प्लेटफॉर्म फीस एक प्रकार का सर्विस चार्ज है, जो कंपनी के प्लेटफॉर्म का उपयोग करने के लिए ग्राहकों से लिया जाता है।

मनीकंट्रोल की रिपोर्ट के अनुसार, जोमैटो देशभर में रोजाना लगभग 23 से 25 लाख ऑर्डर

डिलीवर करता है। प्लेटफॉर्म फीस बढ़कर 12 रुपये हो जाने के बाद कंपनी को रोजाना करीब 3 करोड़ रुपये का रेवेन्यू मिलने की संभावना है, जबकि पहले यह रकम 10 रुपये फीस पर लगभग 2.5 करोड़ रुपये थी। इससे जोमैटो को हर तिमाही लगभग 45 करोड़ रुपये अतिरिक्त राजस्व प्राप्त होगा।

ऑनलाइन फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्म जोमैटो अपने ग्राहकों से न केवल प्लेटफॉर्म फीस, बल्कि डिलीवरी चार्ज भी वसूलता है। एक ऑर्डर पर ग्राहक को प्लेटफॉर्म फीस, डिलीवरी चार्ज, रेस्टोरेंट फीस और जीएसटी सहित कई तरह के शुल्क चुकाने पड़ते हैं। यही नहीं, जोमैटो की ही तरह दूसरी प्रमुख कंपनी स्विगी भी हर ऑर्डर पर प्लेटफॉर्म फीस और डिलीवरी चार्ज लेती है। इससे ग्राहकों के लिए ऑनलाइन खाना ऑर्डर करना अब पहले की तुलना में महंगा साबित हो रहा है।

दक्षिण अफ्रीका ने महिला विश्वकप के लिए टीम घोषित की, 17 वर्षीय खिलाड़ी को मिला मौका

केपटाउन **(एजेंसी)**। दक्षिण अफ्रीका ने इस महीने के आखिर में होने वाले एकदिवसीय विश्वकप के लिए घोषित 15 सदस्यीय टीम में 17 वर्षीय विकेटकीपर बल्लेबाज कराबो मेसो को शामिल किया है। चयनकर्ताओं ने लॉरा वोल्वाड्ट्र की अगुवाई वाली टीम में शीर्ष क्रम की बल्लेबाज एनेके बॉश और ऑलराउंडर नादिन डी क्लार्क और एनेरी डकर्सेन को भी टीम में जगह मिली है। ये तीनों इससे पहले टी20 विश्वकप में टीम का हिस्सा रह चुकी हैं। ये तीनों खिलाड़ी और मेसो पहली बार एकदिवसीय विश्वकप में खेलेंगी। मेसो ने केवल दो एकदिवसीय मैच खेले हैं और कुल सात सीनियर अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं, लेकिन दो अंडर-19 विश्व कप में हिस्सा ले चुकी हैं और इस साल की शुरुआत में स्टेन सिटी के साथ दक्षिण अफ्रीका 20 स्कूल्स का खिताब जीता है। मेसो उन दो खिलाड़ियों में से एक हैं जो पहली बार विश्व कप में खेलेंगी। ऑफ स्पिन गेंदबाज ऑलराउंडर नोंदुमिसो शंगासे का भी यह पहला एकदिवसीय विश्वकप हैं।

महिला वनडे विश्वकप के लिए दक्षिण अफ्रीका की टीम : लॉरा वोल्वाड्ट्र, एनेके बॉश, ताजमिन ब्रिट्स, नादिन डी क्लकर्, एनेरी डकर्सन, सिनालो जाफ्ता, मारिजन कप्प, अयाबोंगा खाका, मसाबाता क्लास, सुने लुस, कराबो मेसो, नॉनकुलुलेको म्लाबा, तुमी सेखुखुने, नोदुमिसो शांगासे और क्लो ट्रायॉन।

डॉलर के मुकाबले रुपया सर्वकालिक निचले स्तर से उबरा

मुंबई **(एजेंसी)**। रुपया बुधवार को अपने सर्वकालिक निचले स्तर से उबर गया और नौ पैसे की बढ़त के साथ 88.06 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर बंद हुआ। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि सकारात्मक घरेलू शेयर बाजार, कच्चे तेल की कीमतों में नरमी और कमजोर अमेरिकी डॉलर से भारतीय मुद्रा को बल मिला। भारत और अमेरिका के बीच जारी व्यापार शुल्क चिंताओं से विदेशी पूंजी की लगातार निकासी के बीच रुपया अपने सर्वकालिक निचले स्तर के निकट कारोबार कर रहा है।

अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 88.15 पर खुला। दिन में यह 88.19 प्रति डॉलर के निचले और 87.98 प्रति डॉलर के उच्च स्तर के बीच कारोबार करता रहा। अंत मं(यह 88.06 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर बंद हुआ जो पिछले बंद भाव से नौ पैसे की बढ़त है। रुपया मंगलवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले अपने सर्वकालिक निचले स्तर 88.15 पर बंद हुआ था। मिराए एसेट शेयरखान के शोध विश्लेषक (मुद्रा एवं जिंस) अनुज चौधरी ने कहा, ''घरेलू शेयर बाजारों में सकारात्मक रुख और कच्चे तेल की कीमतों में नरमी से आज अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया मजबूत हुआ। कमजोर अमेरिकी डॉलर ने भी रुपए को समर्थन दिया।''

चौधरी ने कहा कि भारत और अमेरिका के बीच जारी व्यापार शुल्क

चिंताओं के कारण विदेशी पूंजी की लगातार निकासी के बीच रुपए के मामूली नकारात्मक रुझान के साथ कारोबार करने का अनुमान है। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.20 प्रतिशत की गिरावट के साथ 98.19 पर आ गया। घरेलू शेयर बाजारों में सेंसेक्स 409.83 अंक की बढ़त के साथ 80, 567.71 अंक पर और निफ्टी 135.45 अंक चढ़कर 24, 715.05 अंक पर बंद हुआ। अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड 1.66 प्रतिशत की गिरावट के साथ 67.99 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर रहा। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) मंगलवार को बिकवाल रहे थे और उन्होंने शुद्ध रूप से 1, 159.48 करोड़ रुपए के शेयर बेचे।

2025 के अंत तक गहरी मंदी में फंस सकता है अमेरिका : मार्क जैंडी

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप दूसरी बार सत्ता में लौटने के बाद लगातार ऐसे फैसले ले रहे हैं, जिनसे वैश्विक अर्थव्यवस्था में हलचल बढ़ी है। 'अमेरिका फर्स्ट' की नीति के तहत दुनियाभर के देशों पर टैरिफ लगाने का असर अब अमेरिका पर ही भारी पड़ता दिख रहा है। अंतरराष्ट्रीय रेटिंग एजेंसी मूडीज के मुख्य अर्थशास्त्री मार्क जैंडी ने दावा किया है कि अमेरिका इस समय मंदी के बिल्कुल कगार पर खड़ा है। उनका अनुमान है कि 2025 के अंत तक अमेरिकी अर्थव्यवस्था गहरी मंदी में फंस सकती है। जहां ट्रंप प्रशासन जीडीपी ग्रोथ, विदेशी निवेश और महंगाई पर नियंत्रण को अपनी उपलब्धि बताता रहा है, वहीं जैंडी का कहना है कि हकीकत इसके उलट है। नौकरी के मोर्चे से लेकर उपभोक्ता कीमतों तक, अमेरिकी अर्थव्यवस्था 'लाल निशान' पर खड़ी है। मार्क जैंडी वही अर्थशास्त्री हैं जिन्होंने 2008 के वैश्विक वित्तीय संकट का सटीक अनुमान लगाया था। वे पिछले कुछ महीनों से ट्रंप की व्यापार और रोजगार नीतियों पर सवाल उठाते रहे हैं और चेतावनी दे रहे हैं कि इनके नतीजे अमेरिकी इकोनॉमी के लिए बेहद गंभीर साबित हो सकते हैं।

सिकंदर रजा पहली बार बने एकदिवसीय क्रिकेट के शीर्ष ऑलराउंडर

दुबई **(एजेंसी)**। हरारे में श्रीलंका के खिलाफ दो मैचों की श्रृंखला में शानदार प्रदर्शन वाले जिम्बाब्वे के स्टार खिलाड़ी सिकंदर रजा अपने करियर में पहली बार आईसीसी पुरुष एकदिवसीय खिलाड़ी ऑलराउंडर रैंकिंग में शीर्ष स्थान पर पहुंच गए हैं। दक्षिण अफ्रीका के स्पिनर केशव महाराज गेंदबाजी रैंकिंग में नंबर वन पर है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की ओर से बुधवार को जारी रैंकिंग की ताजा अपडेट के अनुसार 39 वर्षीय रजा ने दोनों मैचों में 92 और नाबाद 59 रन बनाए और श्रृंखला में एक विकेट लेकर अफगानिस्तान के अजमतुल्लाह ओमरजई और मोहम्मद नबी को पछाड़ते हुए शीर्ष स्थान हासिल किया। वहीं ओमरजई दूसरे और नबी तीसरे स्थान पर हैं। रजा का पिछला सर्वश्रेष्ठ दूसरा स्थान था जो उन्होंने दिसंबर 2023 में हासिल किया था।

रजा के कुल 151 रन ने उन्हें बल्लेबाजी रैंकिंग में नौ पायदान ऊपर चढ़कर 22वें स्थान पर पहुंच गये है जो कि जून 2023 में उनके करियर के सर्वश्रेष्ठ 24वें स्थान से दो पायदान नीचे है। गेंदबाजों में भी वह एक पायदान ऊपर चढ़कर 38वें स्थान पर पहुंच गए हैं। श्रीलंका के सलामी बल्लेबाज पथुम निसंका सात स्थान ऊपर चढ़कर 13वें स्थान पर पहुंच गए

हैं, श्रीलंका के ही जनिथ लियानागे (13 स्थान ऊपर चढ़कर 29वें स्थान पर) और जिम्बाब्वे के सीन विलियम्स (तीन स्थान ऊपर चढ़कर 47वें स्थान पर) श्रृंखला के बाद बल्लेबाजी रैंकिंग में ऊपर आने वाले अन्य खिलाड़ी हैं।

स्कॉटलैंड के बल्लेबाज जॉर्ज मुन्से आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप लीग 2 में कनाडा के खिलाफ मैच विजयी 84 रनों की नाबाद पारी के बाद तीन स्थान ऊपर चढ़कर 34वें स्थान पर पहुंच गए हैं, जबकि दक्षिण अफ्रीका के टोनी डी जोंजी 67वें से 64वें स्थान पर आ गए हैं। एकदिवसीय गेंदबाजी रैंकिंग में दक्षिण अफ्रीका के स्पिनर केशव महाराज ने श्रीलंका के स्पिनर महेश तीक्षाना को पछाड़कर शीर्ष स्थान हासिल किया है। उन्होंने लीड्स में इंग्लैंड के खिलाफ पहले वनडे में 22 रन देकर चार विकेट लिए थे।

जोफ्रा आर्चर (छह स्थान ऊपर 19वें स्थान पर) और लुंगी एनगिडी (पांच स्थान ऊपर 23वें स्थान पर) भी मैच के बाद गेंदबाजी रैंकिंग में ऊपर आए हैं। असिथा फर्नांडो छह स्थान ऊपर 31वें स्थान पर पहुंच गए हैं, जबकि दिलशान मदुशंका ने हरारे में पहले वनडे में 62 रन देकर चार विकेट लिए थे, जिसमें एक हैट्रिक भी शामिल थी, जिससे वह 60वें से 52वें स्थान पर पहुँच गए हैं।

आईसीसी पुरुष टी20 अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी रैंकिंग में अफगानिस्तान के बल्लेबाज इब्राहिम जादरान और सेदिकुल्लाह अटल ने शारजाह में त्रिकोणीय श्रृंखला के मैच में क्रमशः 65 और 64 रन बनाकर पाकिस्तान को हराने में मदद करने के बाद बड़ी प्रगति की है। जादरान 12 पायदान ऊपर चढ़कर 20वें स्थान पर पहुंच गए हैं, अटल 346 पायदान ऊपर चढ़कर 127वें स्थान पर पहुंच गए हैं। पाकिस्तानी बल्लेबाज हसन नवाज (दो पायदान ऊपर चढ़कर संयुक्त 31वें स्थान पर) बल्लेबाजी रैंकिंग में बढ़त हासिल करने वालों में शामिल हैं, जबकि सूफियान मुकीम (11 पायदान ऊपर चढ़कर 22वें स्थान पर), शाहीन अफरीदी (आठ पायदान ऊपर चढ़कर 26वें स्थान पर) और मोहम्मद नवाज (15 पायदान ऊपर चढ़कर 43वें स्थान पर) गेंदबाजी रैंकिंग में छलांग लगाने वाले खिलाड़ियों में शामिल हैं। नबी अंतरराष्ट्रीय टी-20 ऑलराउंडरों की सूची में वह एक पायदान ऊपर चढ़कर दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं।

सेंसेक्स 409 अंक चढ़कर 80, 567 पर हुआ बंद, निफ्टी में 24, 700 के पार

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। भारतीय शेयर बाजारों में आज 3 सितंबर को दोपहर बाद जोरदार खरीदारी देखने को मिली। इसके चलते सेंसेक्स और निफ्टी कारोबार के अंत में करीब आधा प्रतिशत बढ़कर बंद हुए। सेंसेक्स 409.83 अंक उछलकर 80, 567.71 के स्तर पर पहुंच गया। वहीं निफ्टी 135.45 अंक की बढ़त के साथ 24, 715.05 के स्तर पर बंद हुआ। इस तेजी के साथ ही निवेशकों की संपत्ति में कुल करीब 3 लाख करोड़ रुपये का इजाफा हुआ।

आज कारोबार के दौरान सबसे अधिक तेजी मेटल कंपनियों के शेयरों में देखने को मिली। कमजोर डॉलर और चीन के स्टील घटाने की योजना के चलते जेएसडब्ल्यू स्टील, टाटा स्टील और हिंडाल्को के शेयरों में जबरदस्त उछाल आया। निफ्टी मेटल करीब 3 प्रतिशत की तेजी के साथ टॉप सेक्टोरल गेनर रहा।

बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का कुल मार्केट कैपिटलाइजेशन आज 3 सितंबर को बढ़कर 452.87 लाख करोड़ रुपये पर आ गया, जो इसके पिछले कारोबारी दिन यानी मंगलवार 2 सितंबर को 449.90 लाख करोड़ रुपये रहा था। इस तरह एं में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैप आज करीब 2.97 लाख करोड़ रुपये बढ़ा है। या दूसरे शब्दों में कहें तो निवेशकों की संपत्ति में करीब 2.97 लाख करोड़ रुपये का इजाफा हुआ है।

पश्चिम रेलवे
वार्षिक रखरखाव अनुबंध कार्य

उप मुख्य विद्युत अभियंता (पश्चिम), पश्चिम रेलवे डिब्बा मरम्मत कारखाना, एन. एम. जोशी मार्ग, लोअर परेल, मुंबई 400 013, ई-निविदा सूचना संख्याः EL/WA/PL/2025-26/04 दिनांकः 25.08.2025 आमंत्रित करता है। **कार्य का नामः** कार्यक्षेत्र और दरों की अनुसूची के अनुसार 02 वर्ष की अवधि के लिए 25 किलोवाट VWVF ड्राइव आधारित अल्टरनेटर टेस्टिंग बेड (PIT प्रकार) के 03 सेट और पुनर्योजी लोडिंग (बेंच प्रकार) के साथ VVVF ड्राइव आधारित अल्टरनेटर टेस्टिंग बेड - 01 सेट का वार्षिक रखरखाव अनुबंध। **कार्य की अनुमानित लागतः** 20,43,514.05। **ब्याज राशिः** 40,900/-। **निविदा जमा करने की अंतिम तिथि और समयः** 23.09.2025, दोपहर 12:00 बजे तक। **निविदा खुलने की तिथिः** 23.09.2025 को दोपहर 12:30 बजे। अधिक जानकारी के लिए कृपया हमारी वेबसाइट www.ireps.gov.in देखें। 0556

हमें फॉलो करें facebook.com/WesternRly

'मैं काम कर रही हूं वो नहीं' बिपाशा ही नहीं मृणाल ठाकुर ने अनुष्का शर्मा के लिए भी किया कमेंट?

मृणाल ठाकुर अपने विचारों को हमेशा बिंदास तरीके से पेश करती हैं और इसके कारण कई बार सुर्खियों में भी आ जाती हैं। कुछ दिन पहले ही उनका एक पुराना वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें वो बिपाशा को मर्दाना बता रही थीं, इसके बाद अब उन्होंने अपने एक इंटरव्यू में कुछ ऐसा कहा है जिसे अनुष्का शर्मा से जोड़कर देखा जा रहा है।

हाल ही में मृणाल ठाकुर ने मिस मालिनी के साथ खास बातचीत की और बताया कि उन्होंने कई ऐसी फिल्में ठुकराईं, जो बाद में बड़ी हिट हुईं। उन्होंने कहा, 'सच कहूं तो मैंने मना कर दिया क्योंकि मैं इसके लिए तैयार नहीं थी। विवाद हो जाएंगे। ये सुपरहिट रही और इससे एक्ट्रेस आगे बढ़ने में मदद मिली। लेकिन फिर मुझे एहसास हुआ कि अगर मैंने उस समय वो फिल्म की होती, तो मैं खुद को खो देती।'

मृणाल ने आगे कहा, 'वो इस समय काम नहीं कर रही है, लेकिन

मैं कर रही हूं, ये अपने आप में एक जीत है क्योंकि मैं कुछ समय की तसल्ली, कुछ समय की पहचान, कुछ समय की प्रसिद्धि नहीं चाहती क्योंकि जो कुछ भी तुरंत आता है वो तुरंत चला जाता है।'

सोशल मीडिया यूजर्स कयास लगा रहे हैं कि मृणाल अनुष्का शर्मा के बारे में बात कर रही थीं, जो 2018 से ब्रेक पर हैं। बता दें कि मृणाल, सलमान खान की फिल्म 'सुल्तान' के लिए पहली पसंद थीं, जो आखिरकार अनुष्का को मिली। रेडिट पर एक यूजर ने लिखा, 'हो सकता है कि 'सुल्तान' एक बार भाई ने 'बिग बॉस' पर बताया था।' दूसरे यूजर ने लिखा, 'सुल्तान। लेकिन सच कहूं तो मुझे खुशी है कि अनुष्का अपने परिवार की देखभाल के लिए ब्रेक ले रही हैं, हो सकता है उन्हें इसमें संतुष्टि मिले।'

कुछ दिनों पहले मृणाल का जो पुराना वीडियो वायरल हुआ था, उसमें वो कह रही हैं कि वो बिपाशा से बेहतर हैं। मृणाल के साथ कोई बैठा है जो शायद बिपाशा की तारीफ कर रहा है। जिसके बाद मृणाल कहती हैं, 'मैं बिपाशा से बेहतर हूं।' फिर वो शख्स से पूछती हैं 'क्या तुम एक ऐसी लड़की से शादी करना चाहते जो मर्दाना हो और उसकी मसल्स हो?' इसके बाद वो कहती हैं, 'बिपाशा से शादी कर लो।' इसके बाद वो फिर कहती हैं, 'सुनो, मैं बिपाशा से कहीं बेहतर हूं, ठीक है।'

इस वीडियो के वायरल होने के बाद बिपाशा ने एक क्रिप्टिक पोस्ट शेयर करते हुए मृणाल पर कटाक्ष किया था। बिपाशा ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर लिखा था, 'स्ट्रॉन्ग महिलाएं एक-दूसरे को ऊपर उठाती हैंष्ठ सुंदर महिलाओं, अपनी मांसपेशियां मजबूत बनाइएष्ठ हमें मजबूत होना चाहिएष्ठ मांसपेशियां आपको हमेशा के लिए अच्छा शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पाने में मदद करती हैं! इस पुरानी सोच को तोड़ दीजिए कि महिला को मजबूत नहीं दिखना चाहिए या शारीरिक रूप से मजबूत नहीं होना चाहिए।

बृहन्मुंबई महानगरपालिका

सं.उप.च.ई.एम.एंड.ई./1077/ई.एस., दिनांक 03.09.2025

ई-निविदा सूचना

ई-निविदा संख्या	2025_MCGM_1214788_1
विषय	मातोश्री रमाबाई अंबेडकर प्रसूति गृह, चेंबूर, एम/डब्ल्यू वार्ड में सौर गर्म पानी प्रणाली की मरम्मत।
निविदा बिक्री	बोली प्रारंभ तिथिः 04.09.2025 समयः 11.00 बजे बोली समाप्ति तिथिः 10.09.2025 समयः 16.00 बजे
वेबसाइट	www.mahatenders.gov.in
A) संपर्क अधिकारी का नाम	श्री आशीष आर. पेरेकर
B) मोबाइल नंबर	9920295007
C) ई-मेल पता	Se05es.me@mcgm.gov.in

(श्री वी.के. म्हात्रे)
कार्यकारी.इंजी.(एम एंड ई)ई.एस.II

पीआरओ/1460/विज्ञा./2025-26

भोजन से पूर्व एवं शौच के बाद साबुन से हाथ स्वच्छ धोएं।

नियम बदलने की तैयारी में सरकार, दवाओं का लाइसेंस पाने की प्रक्रिया हो सकती है आसान

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। स्वास्थ्य मंत्रालय ने 28 अगस्त 2025 को न्यू ड्रग्स एंड क्लिनिकल ट्रायल्स रूल्स, 2019 में बदलाव का मसौदा गजट ऑफ इंडिया में प्रकाशित किया है। सरकार ने इस प्रस्ताव पर आम जनता और विशेषज्ञों से 30 दिन के भीतर सुझाव मांगे हैं। इस नए मसौदे का उद्देश्य दवाओं और रिसर्च के नियमों को सरल और प्रभावी बनाना है।

प्रस्ताव के अनुसार, अधिकांश दवाओं के लिए लाइसेंस की बजाय केवल सूचना देना आवश्यक होगा, जबकि उच्च जोखिम वाली दवाओं के लिए लाइसेंस जरूरी रहेगा। इसके साथ ही टेस्ट लाइसेंस जारी करने की प्रक्रिया 90 दिन से घटाकर 45 दिन की जाएगी। कुछ बायोअवेलेबिलिटी/बायोइक्विवेलेंस स्टडीज के लिए भी लाइसेंस की आवश्यकता समाप्त कर दी गई है।

सरकार का कहना है कि इन बदलावों से दवाओं के परीक्षण और मंजूरी की प्रक्रिया तेज होगी, जिससे भारत को फार्मास्यूटिकल रिसर्च का बड़ा केंद्र बनाने में मदद मिलेगी। इसके साथ ही एअण्ड के संसाधनों का बेहतर उपयोग संभव होगा। प्रस्ताव पर 30 दिनों में राय भेजी जा सकती है, जिससे इसे अंतिम रूप दिया जाएगा।

वैश्विक कूटनीति का केंद्र बना भारत, जिस देश के राष्ट्राध्यक्ष को देखो वही मोदी से मिलने चला आ रहा है

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। भारत की ओर इस समय एशिया से लेकर यूरोप तक के देशों का झुकाव साफ दिखाई दे रहा है। भूटान के प्रधानमंत्री त्शेरिंग टोबो और सिंगापुर के प्रधानमंत्री लॉरेन्स वोंग की भारत यात्रा और इस समय नई दिल्ली आये हुए जर्मनी के विदेश मंत्री का दौरा केवल संयोग नहीं, बल्कि यह उस बदलते वैश्विक समीकरण का प्रमाण है जिसमें भारत एक निर्णायक धुरी बनता जा रहा है।

हम आपको बता दें कि भूटान के महामहिम जे खेनपो और प्रधानमंत्री त्शेरिंग टोबो की भारत यात्रा का प्रमुख उद्देश्य बिहार के राजगीर में रॉयल भूटान टेंपल के प्राण प्रतिष्ठा समारोह में भाग लेना है। यह केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि भारत-भूटान के गहरे सांस्कृतिक और आध्यात्मिक संबंधों का प्रतीक है। इसके अतिरिक्त प्रधानमंत्री टोबो का अयोध्या में श्रीराम मंदिर के दर्शन करना भारत-भूटान संबंधों को और भी भावनात्मक गहराई प्रदान करता है। भारत-भूटान संबंध सदैव 'विशेष मित्रता' की परंपरा पर आधारित रहे हैं। यह यात्रा दिखाती है कि भारत न केवल राजनीतिक साझेदार है बल्कि आध्यात्मिक और सांस्कृतिक धरोहर का भी साझा संरक्षक है।

वहीं सिंगापुर के प्रधानमंत्री लॉरेन्स वोंग की यह पहली भारत यात्रा है। यह यात्रा भारत-सिंगापुर संबंधों के 60 वर्ष पूरे होने के अवसर पर हो रही है। सिंगापुर, भारत की 'एक्ट ईस्ट नीति' का प्रमुख स्तंभ है और दोनों देशों के बीच आर्थिक, सामरिक और तकनीकी सहयोग लगातार बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री मोदी और

प्रधानमंत्री वोंग की बैठकें दोनों देशों के बीच कॉम्प्रिहेन्सिव स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप को नई ऊर्जा देंगी। इस यात्रा का महत्व इसलिए भी बढ़ जाता है क्योंकि सिंगापुर एशिया-प्रशांत क्षेत्र की राजनीति और व्यापार का एक अहम केंद्र है और भारत यहाँ अपनी सक्रिय उपस्थिति को मजबूत करना चाहता है।

इसके अलावा, इस समय भारत आए हुए जर्मनी के विदेश मंत्री की यात्रा यूरोप के साथ भारत की रणनीतिक साझेदारी को रेखांकित करती है। जर्मनी न केवल यूरोपीय संघ की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है, बल्कि तकनीक, ऊर्जा परिवर्तन और सुरक्षा मामलों में अग्रणी भूमिका निभाता है। ऐसे समय में जब यूरोप रूस-यूक्रेन युद्ध से प्रभावित है और चीन के बढ़ते प्रभाव को लेकर चिंतित है, भारत उसके लिए एक भरोसेमंद साझेदार के रूप में उभर रहा है।

देखा जाये तो पिछले कुछ वर्षों में प्रधानमंत्री मोदी ने अंतरराष्ट्रीय मंचों पर अमेरिका जैसे शक्तिशाली देशों के समक्ष भी भारत की स्वायत्तता और संप्रभुता को दृढ़ता से रखा है। रूस से तेल और हथियार खरीदने के मामले पर अमेरिका की आलोचनाओं का सीधा सामना करना हो या वैश्विक दक्षिण (उर्दैत एदलू) की आवाज़ बुलंद करना–भारत ने यह संदेश दिया है कि वह अब केवल 'फॉलोअर' नहीं, बल्कि निर्णय निर्माता है। इसी आत्मविश्वासी विदेश नीति का परिणाम है कि छोटे-बड़े, पड़ोसी-दूरस्थ सभी देश अब भारत के साथ अपने संबंधों को प्राथमिकता दे रहे हैं।

बहरहाल, भूटान का सांस्कृतिक जुड़ाव, सिंगापुर का रणनीतिक सहयोग और जर्मनी का यूरोपीय दृष्टिकोण– ये तीनों यात्राएँ मिलकर यह संकेत देती हैं कि भारत अब केवल क्षेत्रीय शक्ति नहीं, बल्कि वैश्विक राजनीति की नई धुरी बन चुका है। आने वाले वर्षों में भारत की यह बहुआयामी कूटनीति ही उसके लिए सबसे बड़ी ताकत सिद्ध होगी।

बाढ़ प्रभावित परिवारों से मिलने पंजाब जाएंगे शिवराज सिंह चौहान, सभी स्कूल और कॉलेज 7 तक बंद

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बुधवार को कहा कि वह गुरुवार को पंजाब के बाढ़ प्रभावित इलाकों में प्रभावित परिवारों से मिलने पहुँचेंगे। उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि केंद्र सरकार ज़रूरतमंदों को हर संभव सहायता प्रदान करेगी। चौहान ने एक्स पर एक पोस्ट साझा करते हुए बताया कि उन्होंने पंजाब के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया, पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान और पंजाब के कृषि मंत्री गुरमीत सिंह खुडियां के साथ भारी बारिश के बीच पंजाब की विनाशकारी स्थिति पर चर्चा की।

चौहान ने पोस्ट में कहा कि आज मैंने पंजाब के माननीय राज्यपाल, मुख्यमंत्री जी और कृषि मंत्री जी के साथ पंजाब में भारी बारिश के कारण उत्पन्न बाढ़ की स्थिति पर चर्चा की और विस्तृत जानकारी प्राप्त की। मैं कल सुबह पंजाब पहुँचूँगा और बाढ़ प्रभावित इलाकों में अपने भाइयों और बहनों से मिलूँगा। संकट की इस घड़ी में, केंद्र सरकार पंजाब के भाइयों और बहनों के साथ मजबूती से खड़ी है और हर संभव सहायता प्रदान करेगी।

इससे पहले आज, अमृतसर के अजनाला स्थित गग्गो महल गाँव में लगातार भारी बारिश के बीच बाढ़ जैसी स्थिति देखी गई। ज़ीरकपुर में भी बारिश की सूचना मिली है, जिससे शहर के कई हिस्सों में हल्का यातायात जाम हो गया है। लगातार भारी बारिश के कारण, राज्य भर के बाँधों का जलस्तर काफ़ी बढ़ गया है। भारतीय सेना और स्थानीय निवासियों की सहायता से हबीब के बाँध तटबंध पर मरम्मत कार्य चल रहा है।

पंजाब में जारी बाढ़ की स्थिति को देखते हुए, मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के निर्देशानुसार सभी स्कूल और कॉलेज 7 सितंबर तक बंद रहेंगे। पंजाब के शिक्षा मंत्री हरजोत सिंह बैंस ने बुधवार को एक्स पर एक पोस्ट साझा करते हुए इस निर्देश की जानकारी दी और सभी से स्थानीय प्रशासन के दिशानिर्देशों का सख्ती से पालन करने का आग्रह किया। बैंस ने एक पोस्ट में कहा, 'माननीय मुख्यमंत्री पंजाब भगवंत सिंह मान जी के निर्देशानुसार, बाढ़ की स्थिति को देखते हुए, पंजाब भर के सभी सरकारी/सहायता प्राप्त/मान्यता प्राप्त और निजी स्कूल, कॉलेज, विश्वविद्यालय और पॉलिटेक्निक 7 सितंबर 2025 तक बंद रहेंगे। सभी से अनुरोध है कि वे स्थानीय प्रशासन के दिशानिर्देशों का सख्ती से पालन करें।

पवन खेड़ा-नीलिमा पर डबल कार्ड का आरोप, शाज़िया इल्मी बोलीं- कांग्रेस वोट डकैत पार्टी

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता शाज़िया इल्मी ने बुधवार को कांग्रेस नेता पवन खेड़ा और उनकी पत्नी कोटा नीलिमा पर दो-दो मतदाता पहचान पत्र रखने का आरोप लगाया। इल्मी ने कांग्रेस पार्टी को वोट डकैत करार देते हुए आरोप लगाया कि 1980 में सोनिया गांधी का नाम इतालवी नागरिक होने के बावजूद मतदाता सूची में दर्ज था। प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए, शाज़िया इल्मी ने कहा कि कांग्रेस पार्टी के सीडब्ल्यूसी सदस्य पवन खेड़ा के पास दो मतदाता पहचान पत्र हैं, और उनकी पत्नी कोटा नीलिमा, जो 2023 के चुनावों में तेलंगाना के 60 खैरताबाद विधानसभा क्षेत्र से उम्मीदवार थीं, के पास भी दो मतदाता पहचान पत्र हैं।

शाज़िया इल्मी ने कहा कि कांग्रेस पार्टी, जो अपने को मोहब्बत की दुकान कहती है, दरअसल फर्जीवाड़े और फरेब का बाजार है। कांग्रेस पार्टी के सीडब्ल्यूसी मेंबर पवन खेड़ा के पास दो दो ईपीआईसी कार्ड मिले और उनकी पत्नी कोटा नीलिमा जो 2023 में 60 खैरताबाद विधानसभा तेलंगाना में उम्मीदवार थीं, उनके पास भी दो दो ईपीआईसी कार्ड मिले हैं। इसके बाद कोटा नीलिमा के पास 40 नई दिल्ली का भी एक ईपीआईसी कार्ड भी है। इसमें कोटा नीलिमा का नाम के नीलिमा है।

भाजपा नेता ने कहा कि वैसे ये दास्तां नई नहीं है, इटैलियन नागरिक होने के बाद भी सोनिया गांधी ने अपने आप को 1980 में वोटर लिस्ट में शामिल किया था। यानी वो भारतीय नागरिक बाद में बनीं, वोटर लिस्ट में नाम पहले शामिल हो गया। वोट चोरी का इल्जाम लगाने वाली कांग्रेस पार्टी दरअसल वोट डकैती के लिए जानी जाती है। ईवीएम आने से पहले कश्मीर और बिहार में किस तरह से वोट डकैती होती थी ये पूरा देश जानता है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि उसे लोकतंत्र से मतलब नहीं है, उसे वोट छलावे से मतलब है।

दिल्ली-एनसीआर में जारी है भारी बारिश, खतरे के निशान से ऊपर यमुना

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। उत्तर भारत में लगातार बाढ़ के बीच नोएडा, गुरुग्राम और गाजियाबाद समेत दिल्ली-एनसीआर में भारी बारिश जारी है। दिल्ली-एनसीआर के लिए आज के मौसम पूर्वानुमान में भारी बारिश की चेतावनी दी गई थी। वहीं, दिल्ली में भारी बारिश के बाद, बुधवार दोपहर 1 बजे पुराने रेलवे पुल पर यमुना नदी का जलस्तर 207 मीटर तक पहुँच गया। यह घटना ऐसे समय में हुई है जब राजधानी में नदी खतरे के निशान, जो 205.33 मीटर है, से ऊपर बह रही है।

सूत्रों के अनुसार, यमुना के जलस्तर में अब तक की सबसे अधिक 208.66 मीटर की वृद्धि दर्ज की गई है। बुधवार सुबह, संभावित बाढ़ की आशंका के चलते, निवासियों, खासकर निचले इलाकों में रहने वालों को दिल्ली के अन्य स्थानों पर स्थानांतरित कर दिया गया था। मोनेस्ट्री मार्केट में, दुकानदारों ने संभावित बाढ़ से बचाव के उपाय के तौर पर अपनी दुकानों से सामान हटा लिया है। दुकानदार के मुताबिक, दुकानें अगले चार-पाँच दिनों तक बंद रहेंगी। दुकानदार ने एएनआई को बताया कि मैं अपनी दुकान खाली कर रहा हूँ क्योंकि प्रशासन ने हमें नदी में बढ़ते जलस्तर के बारे में चेतावनी दी है। अब बाजार अगले चार-पाँच दिनों तक बंद रहेगा।'

शहर के एक अन्य हिस्से में, यमुना बाज़ार में लोग जांघों तक पानी में डूबे हुए हैं और अपने इलाकों से निकल रहे हैं। इस बीच, दिल्ली के मंत्री प्रवेश वर्मा ने स्थिति का जायजा लेने के लिए आईटीओ बैराज का दौरा किया। हालाँकि, इस दौरान उन्होंने घोषणा की कि संभावित बाढ़ को लेकर घबराने की कोई ज़रूरत नहीं है, क्योंकि पिछले छह महीनों में यमुना नदी की जल धारण क्षमता बढ़ गई है। उन्होंने आगे ज़ोर देकर कहा कि शहर में बाढ़ नहीं आएगी।

वर्मा ने एएनआई को बताया कि दिल्ली के लोगों को घबराने की कोई ज़रूरत नहीं है। हम गारंटी देते हैं कि बाढ़ नहीं आएगी। हमने पिछले छह महीनों में यमुना नदी की जल धारण क्षमता बढ़ा दी है। सभी सुरक्षित हैं। भारतीय मौसम विभाग के अनुसार, बुधवार के लिए पूर्वानुमान मध्यम बारिश के साथ सामान्यतः बादल छाए रहेंगे है। 4 सितंबर के लिए 'गरज के साथ बारिश'; 5 सितंबर के लिए 'मध्यम बारिश के साथ सामान्यतः बादल छाए रहेंगे'; 6 सितंबर के लिए 'गरज के साथ बारिश'; और 7 और 8 सितंबर के लिए 'सामान्यतः बादल छाए रहेंगे'।

बीजिंग में पुतिन और किम में दिखा 'खास प्रेम'! बैठक के लिए एक ही कार में गए दोनो नेता

बीजिंग **(एजेंसी)**। चीन की राजधानी बीजिंग में आयोजित सैन्य परेड के बाद रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन ने द्विपक्षीय बातचीत की। दोनों नेताओं की मुलाकात दिया ओयुताई स्टेट गेस्ट हाउस में हुई। यह परेड द्वितीय विश्व युद्ध में जापान की हार की 80वीं वर्षगांठ पर आयोजित हुई थी। बीजिंग के तियानआनमेन चौक पर हुए इस आयोजन में पुतिन, किम जोंग उन, चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग और बेलारूस के राष्ट्रपति अलेक्ज़ेंडर लुकाशेंको भी मौजूद थे। क्रेमलिन के अनुसार, पुतिन और किम औपचारिक स्वागत समारोह से बातचीत स्थल तक एक ही कार में गए। यह दोनों नेताओं की नज़दीकी दिखाता है। बातचीत की शुरुआत में पुतिन ने कहा कि रूस की कुर्स्क सीमा पर यूक्रेन के हमले को रोकने में उत्तर कोरिया के सैनिकों ने बहादुरी से रूस का साथ दिया। दक्षिण कोरिया के आकलन के अनुसार, पिछले साल से अब तक 15,000 उत्तर कोरियाई सैनिक रूस भेजे जा चुके हैं। किम जोंग उन ने कहा कि रूस की मदद करना उत्तर कोरिया का 'भाईचारे का कर्तव्य' है। यह मुलाकात न सिर्फ रूस और उत्तर कोरिया की दोस्ती को मजबूत दिखाती है, बल्कि चीन के समर्थन के साथ अमेरिका और पश्चिमी देशों के लिए सीधा संदेश भी मानी जा रही है।

अमेरिका-यूरोप के दबाव के बीच भारत ने निकाला 'बीच का रास्ता' जयशंकर बोले- किसी भी प्रकार के दबाव को स्वीकार नहीं करेंगे

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। अमेरिका और यूरोप का दबाव बढ़ रहा है कि भारत रूस से दूरी बनाए और यूक्रेन संघर्ष पर पश्चिमी रुख का समर्थन करे। दूसरी ओर, रूस भारत का दशकों पुराना मित्र और ऊर्जा साझेदार है, जिससे भारत अपनी ऊर्जा ज़रूरतों का बड़ा हिस्सा पूरा करता है। ऐसे में भारत के सामने एक कठिन संतुलन साधने की चुनौती है। देखा जाये तो भारत की विदेश नीति की असली ताक़त यह है कि वह सीधे टकराव से बचते हुए अपने हितों की रक्षा करता है। यही कारण है कि विदेश मंत्री एस. जयशंकर बार-बार इस बात पर जोर देते हैं कि भारत किसी भी संघर्ष का हिस्सा नहीं बनेगा और संवाद व कूटनीति ही समाधान का रास्ता है। प्रधानमंत्री मोदी भी राष्ट्रपति पुतिन से लेकर पश्चिमी नेताओं तक, सबको यही संदेश देते आए हैं कि 'युद्ध का समय नहीं है।' देखा जाये तो भारत का यह संतुलन दोहरी कूटनीति नहीं बल्कि रणनीतिक स्वायत्तता है। यही 'बीच का रास्ता' भारत को न केवल अपने हितों की रक्षा करने में सक्षम बनाता है बल्कि उसे एक संभावित वैश्विक मध्यस्थ के रूप में भी स्थापित करता है।

आज की दुनिया में जहां महाशक्तियाँ अपने-अपने खेमों में बंटी हुई हैं, वहाँ भारत का यह संतुलित रुख ही उसकी सबसे बड़ी पूँजी है। आने वाले समय में यही नीति भारत को विश्व राजनीति में और मज़बूत स्थान दिलाएगी। इसी बीच, विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने एक बार फिर दुनिया को यह स्पष्ट संदेश दिया है कि भारत अपनी विदेश नीति में किसी भी प्रकार के दबाव को स्वीकार करने वाला देश नहीं है। उनका बयान ऐसे समय में आया है जब अमेरिका टैरिफ़ की राजनीति से वैश्विक अर्थव्यवस्था को हिला रहा है और चीन के साथ संबंधों को लेकर भारत एक नये संतुलन की तलाश में है। जयशंकर ने साफ कहा कि आज की दुनिया व्यापक और गहरे बदलावों से गुजर रही है, और इन बदलावों के बीच भारत अपनी नीति स्वतंत्र रूप से तय करेगा।

जर्मनी के विदेश मंत्री योहान

वेडेफुल के साथ संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में जयशंकर ने वैश्विक परिदृश्य की अस्थिरता का जिक्र करते हुए भारत, जर्मनी और यूरोपीय संघ के बीच और अधिक निकट सहयोग की वकालत की। दिलचस्प यह है कि उनका यह वक्तव्य अप्रत्यक्ष रूप से अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प पर तीखा प्रहार माना जा रहा है, जिन्होंने हाल ही में भारत की अर्थव्यवस्था को 'मृत' बताया था और बार-बार विरोधाभासी टैरिफ़ आदेशों से अंतरराष्ट्रीय व्यापार को संकट में डाला है।

दूसरी ओर, जर्मन विदेश मंत्री ने रूस-यूक्रेन युद्ध पर अपना दृष्टिकोण सामने रखते हुए कहा कि पश्चिमी देशों की एकमात्र मांग यह है कि हथियारों की आवाज़ बंद हो। उनका सीधा आरोप था कि अमेरिकी राष्ट्रपति के 'भारी प्रयासों' के बावजूद रूस वार्ता की मेज पर आने को तैयार नहीं है, जबकि यूक्रेनी राष्ट्रपति ज़ेलेन्स्की तत्परता दिखा चुके हैं। वेडेफुल का यह रुख यूरोप की हताशा को दर्शाता है, लेकिन साथ ही यह भी बताता है कि यूरोप रूस पर और कड़ा दबाव बनाने के लिए नए प्रतिबंधों की तैयारी में है।

यह यात्रा केवल सामरिक या राजनीतिक संवाद तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका आर्थिक पहलू भी उतना ही अहम है। जर्मन मंत्री भारत के वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल से भी मिले और दोनों देशों के बीच व्यापार व निवेश को नई ऊंचाइयों तक ले जाने की संभावनाओं पर चर्चा की। मगर इसके बीच छिपा हुआ संदेश यह भी है कि यूरोपीय संघ रूस के व्यापारिक साझेदारों, विशेषकर भारत, पर द्वितीयक प्रतिबंध लगाने का मन बना रहा है। यदि यह लागू हुआ, तो भारत-रूस ऊर्जा सहयोग सीधे संकट में पड़ सकता है। यहीं भारत के सामने असली चुनौती खड़ी होती है। एक ओर ऊर्जा सुरक्षा है, जो भारत की विकास यात्रा के लिए अनिवार्य है। दूसरी ओर अमेरिका और यूरोप जैसे साझेदार देशों की उम्मीदें हैं, जो चाहते हैं कि भारत रूस से दूरी बनाए। लेकिन भारत अब तक बेहद संतुलित नीति पर चलता आया है– न युद्ध का हिस्सा बनना, न किसी पक्ष का मोहरा बनना। यही कारण है कि जयशंकर बार-बार यह दोहराते हैं कि भारत को अनुचित रूप से निशाना नहीं बनाया जाना चाहिए।

देखा जाये तो यूरोप युद्धविराम की बात करता है, रूस अपनी शर्तों पर अड़ा है और अमेरिका प्रतिबंधों की राजनीति खेल रहा है। इस उथल-पुथल के बीच भारत का स्थान और भी महत्वपूर्ण हो जाता है। भारत ही वह देश है जो सभी पक्षों से संवाद बनाए हुए है और वैश्विक राजनीति में एक संभव मध्यस्थ के रूप में उभर रहा है। जयशंकर का हालिया संदेश इसी रणनीतिक स्वायत्तता का संकेत है–भारत अपने हितों से समझौता किए बिना ही वैश्विक शांति के लिए रचनात्मक भूमिका निभा सकता है। यदि भारत इस संतुलन को साधने में सफल रहा, तो न केवल अपनी ऊर्जा सुरक्षा और आर्थिक हितों की रक्षा करेगा बल्कि एक ऐसी शक्ति के रूप में उभरेगा जिस पर दुनिया भरोसा कर सके।

छत्तीसगढ़ के बलरामपुर में अचानक बाढ़ आने से चार लोगों की मौत, तीन लापता

बलरामपुर। छत्तीसगढ़ के बलरामपुर जिले में एक छोटे बांध का एक हिस्सा टूट जाने से अचानक आयी बाढ़ के चलते चार लोगों की मौत हो गई और तीन अन्य लापता हो गए। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस घटना में तीन अन्य घायल भी हुए हैं।

बलरामपुर के जिलाधिकारी राजेंद्र कटारा ने बताया कि क्षेत्र में भारी बारिश के बाद धनेशपुर गांव में स्थित लुटी (सतबाहिनी) बांध में मंगलवार देर रात दरार आ गयी। अधिकारियों ने बताया कि 1980 के दशक के प्रारंभ में निर्मित इस जलाशय में आई दरार के जरिये निकला पानी आसपास के घरों और खेतों में घुस गया। यहां अचानक बाढ़ आ गई।

जिलाधिकारी ने बताया, ''एक महिला और उसकी सास समेत चार लोगों की उस समय मौत हो गई जब वे अपने घरों में सो रहे थे। तीन लोग अब भी लापता हैं और तलाश अभियान जारी है।'' उन्होंने बताया कि सूचना मिलते ही जिला प्रशासन और पुलिस की टीम मौके पर पहुंच गईं।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने इस घटना पर दुख व्यक्त किया है। उन्होंने एक बयान में कहा कि सरकार स्थिति पर नज़र रख रही है और प्रभावित परिवारों को हर संभव सहायता प्रदान करेगी। उन्होंने कहा कि इस घटना में कई मवेशियों की भी मौत हो गयी और मकान एवं

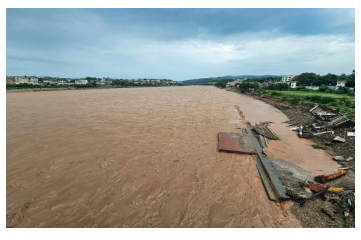

फसलें क्षतिग्रस्त हो गईं।

उन्होंने कहा कि प्रभावित परिवारों के लिए स्थिति बेहद पीड़ादायक है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जिला प्रशासन, राष्ट्रीय आपदा मोचन बल, राज्य आपदा मोचन बल और स्थानीय अधिकारी राहत एवं बचाव कार्य चला रहे हैं तथा घायलों के उपचार के लिए पर्याप्त व्यवस्था की गई है, जबकि लापता लोगों को ढूंढने के लिए हर संभव प्रयास किया जा रहा है।

ट्रंप का चौंकाने वाला बयान : मरा नहीं जिंदा हूं मैं! बोले- भारत से टैरिफ हटाया तो अमेरिका गरीब हो जाएगा

वाशिंगटन **(एजेंसी)**। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर अपनी सेहत और कई अहम मुद्दों पर बयान दिया। उन्होंने अपनी तबीयत को लेकर सोशल मीडिया पर फैली अफवाहों को झूठा बताते हुए कहा- 'मैं अभी मरा नहीं जिंदा हूं और बिल्कुल ठीक हूं, मेरी मौत की खबरें बेबुनियाद हैं। वीकेंड में मैंने इंटरव्यू दिए और गोल्फ भी खेला।' भारत समेत कई देशों पर लगाए गए टैरिफ को लेकर ट्रंप ने कहा-

'बिल्कुल नहीं हटाए जाएंगे। अगर हम टैरिफ हटा देंगे तो अमेरिका तीसरी दुनिया का देश बन जाएगा।'

ट्रंप की उम्र 79 साल है और जनवरी में उन्होंने राष्ट्रपति पद की शपथ ली थी। जुलाई में उनके पैरों में सूजन और हाथ पर चोट के निशान देखे गए थे। निजी डॉक्टर डॉ. सीन बारबाबेला ने कहा कि उन्हें 'क्रॉनिक वेनस इंफिशिएंसी' है, जो उम्र के साथ आम समस्या है और खतरनाक नहीं। अप्रैल में किए गए मेडिकल टेस्ट में उनका दिल सामान्य पाया गया था।

चीन, रूस और नॉर्थ कोरिया की सैन्य परेड पर ट्रंप ने कहा कि इससे अमेरिका को कोई खतरा नहीं।

करीबी दोस्त स्टब का ट्रंप को कड़ा संदेश

भारत को लेकर सुधार लो रवैया वर्ना पीएम मोदी से हार जाएंगे खेल

वाशिंगटन **(एजेंसी)**। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के करीबी दोस्त और फिनलैंड के राष्ट्रपति एलेक्जेंडर स्टब ने भारत को लेकर ट्रंप को कड़ा संदेश दिया है। स्टब ने कहा कि अगर अमेरिका ने भारत और ग्लोबल साउथ के देशों के प्रति सहयोगी और सम्मानजनक रवैया नहीं अपनाया, तो 'अमेरिका और पश्चिमी देश प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से यह खेल हार जाएंगे।' स्टब और ट्रंप के बीच गहरी दोस्ती है। दोनों अक्सर साथ में गोल्फ खेलते हैं।

स्टब ने ट्रंप को समझाया कि भारत को नजरअंदाज करना या उसके खिलाफ टैरिफ की कठोर नीति अपनाना अमेरिका के लिए नुकसानदेह होगा। उनका कहना है कि विदेश नीति गरिमापूर्ण और सहयोगी नहीं रही तो भारत जैसे देश रूस और चीन के और करीब चले जाएंगे। स्टब ने हाल ही में चीन के तियानजिन में हुए शंघाई सहयोग संगठन शिखर सम्मेलन का जिक्र किया, जहाँ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी , चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन एक मंच पर दिखाई दिए। इस मुलाकात ने अमेरिका और यूरोप की चिंता बढ़ा दी है। मार्च में फ्लोरिडा के मार-ए-लागो रिसॉर्ट में ट्रंप और स्टब ने सात घंटे तक गोल्फ खेला था। ट्रंप ने सार्वजनिक रूप से स्टब को 'युवा और शक्तिशाली नेता' बताया और उनकी तारीफ की थी।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.phpid=100063787346044 Twitter: https://twitter.com/mantrabharatt=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 Mobile No: 7007837917

मंत्र भारत : R.N.I. MAHHIN/ 2016/65841 स्वात्वाधिकारी राकेश शर्मा के लिए राकेश शर्मा द्वारा AIS Printing solution प्लॉट नं0-A- 544 TTC इंडस्ट्रियल एरिया एमआईडीसी माहपे-नवी मुंबई, थाने 400709 से मुद्रित एवं शाप.नं. 36, द्वितीय तल, प्लाट -490.1. जाम मील बिल्डिंग, डॉ बाबा साहेब अम्बेकर रोड, लाल बाग परेल, मुम्बई-400012प्रकाशित एवं सम्पादित । कार्यालय : शाप.नं. 36, द्वितीय तल, प्लाट -490.1. जाम मील बिल्डिंग, डॉ बाबा साहेब अम्बेकर रोड, लाल बाग परेल, मुम्बई-400012 । फोन : 022-24706563 । कार्यकारी सम्पादक- योगेन्द्र चौधरी
E-Mail : editormantrabharat@gmail.com mantrabharatmumbai@gmail.com । सम्पादक : विनोद आर शर्मा, मोबाइल : 7007837917 । समूह सम्पादक : डॉ दयानन्द तिवारी। वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे के लिए मंत्र प्रधान कार्यालय क्षेत्र प्रयागराज/ इलाहाबाद न्यायालय ही होगा। प्रधान कार्यालयः 80ए मेंहदौरी, तेलियरगंज, प्रयागराज-211004 (नोटः कानूनी पत्र व्यवहार का पता प्रधान कार्यालय ही होगा।)